लूक रचित सुसमाचार

और

प्रेरितोंकी क्रियाओंका वृत्तान्त।

ALLAHABAD MISSION PRESS :—2-10,000-'76.

लूक रचित सुसमाचार।

---

१ पहिला पर्ब्ब।

१ सुसमाचार लिखनेका प्रयोजन। ५ इलीशिबाको गर्भ रहनेका बर्णन। २६ मरियमको गर्भ रहनेका बर्णन। ३९ मरियम और इलीशिबाकी भेंट। ४६ मरियमकी गीत। ५७ योहनके जन्मका बर्णन। ६७ जिखरियाहकी भविष्यद्वाणी। ८० योहनका जंगलमें रहना।

१ हे महामहिमन थियोफिल जो बातें हम लोगोंमें अति प्रमाण हैं उन बातोंका बृत्तान्त जिस रीतिसे उन्होंने जो आरंभसे साक्षी और बचनके सेवक थे हम लोगोंको
२ सोंपा. उसी रीतिसे लिखनेको बहुतोंने हाथ लगाया
३ है. इसलिये मुझे भी जिसने सब बातोंको आदिसे ठीक करके जांचा है अच्छा लगा कि एक ओरसे आपके पास
४ लिखूं. इसलिये कि जिन बातोंका उपदेश आपको दिया गया है आप उन बातोंकी दृढ़ता जानें।

५ यिहूदिया देशके हेरोद राजाके दिनोंमें अबियाहकी पारीमें जिखरियाह नाम एक याजक था और उसकी स्त्री जिसका नाम इलीशिबा था हारोनके बंशकी थी।
६ वे दोनों ईश्वरके सन्मुख धर्म्मी थे और परमेश्वरकी समस्त आज्ञाओं और बिधियोंपर निर्दोष चलते थे।
७ उनको कोई लड़का न था क्योंकि इलीशिबा बांझ थी और
८ वे दोनों बूढ़े थे। जब जिखरियाह अपनी पारीकी रीति-
९ पर ईश्वरके आगे याजकका काम करता था. तब चिट्ठियां डालनेसे उसको याजकीय ब्यवहारके अनुसार परमे-

श्वरके मन्दिरमें जाके धूप जलाना पड़ा। धूप जलानेके
समय लोगोंकी सारी मंडली बाहर प्रार्थना करती थी।
तब परमेश्वरका एक दूत धूपकी बेदीकी दहिनी ओार
खड़ा हुआ उसको दिखाई दिया। जिखरियाह उसे देखके
घबरा गया और उसे डर लगा। दूतने उससे कहा हे
जिखरियाह मत डर क्योंकि तेरी प्रार्थना सुनी गई है
और तेरी स्त्री इलीशिबा पुत्र जनेगी और तू उसका नाम
योहन रखना। तुझे आनन्द और आह्लाद होगा और
बहुत लोग उसके जन्मनेसे आनन्दित होंगे। क्योंकि वह
परमेश्वरके सन्मुख बड़ा होगा और न दाखरस न मद्य
पीयेगा और अपनी माताके गर्भहीसे पवित्र आत्मासे
परिपूर्ण होगा। और वह इस्रायेलके सन्तानोंमेंसे बहुतों-
को परमेश्वर उनके ईश्वरकी ओर फिरावेगा। वह उस-
के आगे एलियाहके आत्मा और सामर्थ्यसे जायगा इस-
लिये कि पितरोंका मन लड़कोंकी ओर फेर दे और
आज्ञा लंघन करनेहारोंको धर्म्मियोंके मतपर लावे और
प्रभुके लिये एक सजे हुए लोगको तैयार करे। तब
जिखरियाहने दूतसे कहा यह मैं किस रीतिसे जानूं क्यों-
कि मैं बूढ़ा हूं और मेरी स्त्री भी बूढ़ी है। दूतने उसको
उत्तर दिया कि मैं जब्रायेल हूं जो ईश्वरके साम्ने खड़ा
रहता हूं और मैं तुझसे बात करने और तुझे यह सु-
समाचार सुनानेको भेजा गया हूं। और देख जिस दिनलों
यह सब पूरा न हो जाय उस दिनलों तू गूंगा हो रहेगा
और बोल न सकेगा क्योंकि तूने मेरी बातोंपर जो अपने
समयमें पूरी किई जायेंगीं बिश्वास नहीं किया। लोग

जिखरियाहको बाट देखते थे और अचंभा करते थे कि
२२ उसने मन्दिरमें बिलंब किया । जब वह बाहर आया
तब उन्होंसे बोल न सका और उन्होंने जाना कि उसने
मन्दिरमें कोई दर्शन पाया था और वह उन्होंसे सैन
२३ करने लगा और गूंगा रह गया । जब उसकी सेवाके
२४ दिन पूरे हुए तब वह अपने घर गया । इन दिनोंके
पीछे उसकी स्त्री इलीशिबा गर्भवती हुई और अपने-
२५ को पांच मास यह कहके छिपाया . कि मनुष्योंमें मेरा
अपमान मिटानेको परमेश्वरने इन दिनोंमें कृपादृष्टि
कर मुझसे ऐसा व्यवहार किया है ।

२६ छठवें मासमें ईश्वरने जब्रायेल दूतको गालील देशके
एक नगरमें जो नासरत कहावता है किसी कुंवारीके
२७ पास भेजा . जिसकी मंगनी यूसफ नाम दाऊदके घरा-
नेके एक पुरुषसे हुई थी . उस कुंवारीका नाम मरियम
२८ था । दूतने घरमें प्रवेश कर उससे कहा हे अनुग्रहीत
२९ कल्याण परमेश्वर तेरे संग है स्त्रियोंमें तू धन्य है । मरि-
यम उसे देखके उसके बचनसे घबरा गई और सोचने
३० लगी कि यह कैसा नमस्कार है । तब दूतने उससे कहा
हे मरियम मत डर क्योंकि ईश्वरका अनुग्रह तुझपर
३१ हुआ है । देख तू गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी और
३२ उसका नाम तू यीशु रखना । वह महान होगा और
सर्ब्बप्रधानका पुत्र कहावेगा और परमेश्वर ईश्वर उसके
३३ पिता दाऊदका सिंहासन उसको देगा । और वह या-
कूबके घरानेपर सदा राज्य करेगा और उसके राज्यका
३४ अन्त न होगा । तब मरियमने दूतसे कहा यह किस

रीतिसे होगा क्योंकि मैं पुरुषको नहीं जानती हूं। दूतने उसको उत्तर दिया कि पवित्र आत्मा तुझपर आवेगा और सर्ब्बप्रधानकी शक्ति तुझपर छाया करेगी इसलिये वह पवित्र बालक ईश्वरका पुत्र कहावेगा। और देख तेरी कुटुंबिनी इलीशिबाको भी बुढ़ापेमें पुत्रका गर्भ रहा है और जो बांझ कहावती थी उसका यह छठवां मास है। क्योंकि कोई बात ईश्वरसे असाध्य नहीं है। मरियमने कहा देखिये मैं परमेश्वरकी दासी मुझे आपके बचनके अनुसार होय . तब दूत उसके पाससे चला गया।

उन दिनोंमें मरियम उठके शीघ्रसे पर्ब्बतीय देशमें यिहूदाके एक नगरको गई . और जिखरियाहके घरमें प्रवेश कर इलीशिबाको नमस्कार किया। ज्योंही इलीशिबाने मरियमका नमस्कार सुना त्योंही बालक उसके गर्भमें उछला और इलीशिबा पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हुई। और उसने बड़े शब्दसे बोलते हुए कहा तू स्त्रियोंमें धन्य है और तेरे गर्भका फल धन्य है। और यह मुझे कहांसे हुआ कि मेरे प्रभुकी माता मेरे पास आवे। देख ज्योंही तेरे नमस्कारका शब्द मेरे कानोंमें पड़ा त्योंही बालक मेरे गर्भमें आनन्दसे उछला। और धन्य विश्वास करनेहारी कि परमेश्वरकी औरसे जो बातें तुझसे कही गई हैं सो पूरी किई जायेंगीं।

तब मरियमने कहा मेरा प्राण परमेश्वरकी महिमा करता है . और मेरा आत्मा मेरे त्राणकर्त्ता ईश्वरसे आनन्दित हुआ है। क्योंकि उसने अपनी दासीकी दीनताईपर दृष्टि किई है देखो अबसे सब समयोंके लोग

४८ मुझे धन्य कहेंगे। क्योंकि सर्ब्बशक्तिमानने मेरे लिये
४९ महाकार्य्यौंको किया है और उसका नाम पवित्र है।
५० उसकी दया उन्होंपर जो उससे डरते हैं पीढ़ीसे पीढ़ीलों
५१ नित्य रहती है। उसने अपनी भुजाका बल दिखाया
है उसने अभिमानियोंको उनके मनके परामर्शमें छिन्न
५२ भिन्न किया है। उसने बलवानोंको सिंहासनोंसे उतारा
५३ और दीनोंको ऊंचा किया है। उसने भूखोंको उत्तम
बस्तुओंसे तृप्त किया और धनवानोंको छूछे हाथ फेर
५४ दिया है। उसने जैसे हमारे पितरोंसे कहा, तैसे सर्ब्बदा
५५ इब्राहीम और उसके बंशपर अपनी दया स्मरण करनेके
५६ कारण अपने सेवक इस्रायेलका उपकार किया है। मरि-
यम तीन मासके अटकल इलीशिबाके संग रही तब
अपने घरको लौटी।

५७ तब इलीशिबाके जननेका समय पूरा हुआ और वह
५८ पुत्र जनी। उसके पड़ोसियों और कुटुंबोंने सुना कि
परमेश्वरने उसपर बड़ी दया किई है और उन्होंने उसके
५९ संग आनन्द किया। आठवें दिन वे बालकका खतना
करनेको आये और उसके पिताके नामपर उसका नाम
६० जिखरियाह रखने लगे। इसपर उसकी माताने कहा सो
६१ नहीं परन्तु उसका नाम योहन रखा जायगा। उन्होंने
उससे कहा आपके कुटुंबोंमेंसे कोई नहीं है जो इस
६२ नामसे कहावता है। तब उन्होंने उसके पितासे सैन
किया कि आप क्या चाहते हैं कि इसका नाम रखा
६३ जाय। उसने पटिया मंगाके यह लिखा कि उसका नाम
६४ योहन है, इससे वे सब अचंभित हुए। तब उसका

मुंह और उसकी जीभ तुरन्त खुल गये और वह बोलने और ईश्वरका धन्यबाद करने लगा। और उन्होंके आसपासके सब रहनेहारोंको भय हुआ और इन सब बातोंकी चर्चा यिहूदियाके सारे पर्ब्बतीय देशमें होने लगी। और सब सुननेहारोंने अपने अपने मनमें सोच कर कहा यह कैसा बालक होगा. और परमेश्वरका हाथ उसके संग था।

तब उसका पिता जिखरियाह पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हुआ और यह भविष्यद्वाणी बोला. कि परमेश्वर इस्रायेलका ईश्वर धन्य होवे कि उसने अपने लोगोंपर दृष्टि कर उन्होंका उद्धार किया है. और जैसे उसने अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओंके मुखसे जो आदिसे होते आये हैं कहा. तैसे हमारे लिये अपने सेवक दाऊदके घरानेमें एक त्राणके सींगको. अर्थात हमारे शत्रुओंसे और हमारे सब बैरियोंके हाथसे एक बचानेहारेको प्रगट किया है. इसलिये कि वह हमारे पितरोंके संग दयाका व्यवहार करे और अपना पवित्र नियम स्मरण करे. अर्थात वह किरिया जो उसने हमारे पिता इब्राहीमसे खाई. कि हमें यह देवे कि हम अपने शत्रुओंके हाथसे बचके. निर्भय जीवन भर प्रतिदिन उसके सन्मुख पवित्रताई और धर्म्मसे उसकी सेवा करें। और तू हे बालक सर्ब्बप्रधानका भविष्यद्वक्ता कहावेगा क्योंकि तू परमेश्वरके आगे जायगा कि उसके पंथ बनावे. अर्थात हमारे ईश्वरकी महा करुणासे उसके लोगोंको उन्होंके पापमोचनके द्वारासे निस्तारका ज्ञान देवे। उसी करुणासे सूर्य्यका उदय

ऊपरसे हमोंपर प्रकाशित हुआ है . कि अंधकारमें और मृत्युकी छायामें बैठनेहारोंको ज्योति देवे और हमारे पांव कुशलके मार्गपर सीधे चलावे ।

और वह बालक बढ़ा और आत्मामें बलवन्त होता गया और इस्रायेली लोगोंपर प्रगट होनेके दिनलों जंगली स्थानोंमें रहा ।

२ दूसरा पर्ब्ब ।

१ यूसफका बैतलहममें जाना और यीशुका जन्म । ८ स्वर्गदूतोंका गड़ेरियोंको यीशुके जन्मका सन्देश देना । २१ यीशुको खतना करना और ईश्वरके आगे धरना । २५ शिमियोन और हन्नाका उसे चीन्हना और उसका नासरतको लौटना । ४१ बारह बरसके बयसमें उपदेशकोंके संग उसकी बातचीत ।

उन दिनोंमें अगस्त कैसर महाराजाकी ओरसे आज्ञा हुई कि उसके राज्यके सब लोगोंके नाम लिखे जावें । कुरीनियके सुरिया देशके अध्यक्ष होनेके पहिले यह नाम लिखाई हुई । और सब लोग नाम लिखानेको अपने अपने नगरको गये । यूसफ भी इसलिये कि वह दाऊदके घराने और बंशका था . मरियम स्त्रीके संग जिससे उसकी मंगनी हुई थी नाम लिखानेको गालील देशके नासरत नगरसे यिहूदियामें बैतलहम नाम दाऊदके नगरको गया . उस समय मरियम गर्भवती थी । उनके वहां रहते उसके जननेके दिन पूरे हुए । और वह अपना पहिलौठा पुत्र जनी और उसको कपड़ेमें लपेटके चरनीमें रखा क्योंकि उनके लिये सरायमें जगह न थी ।

उस देशमें कितने गड़ेरिये थे जो खेतमें रहते थे और

रातको अपने झुंडका पहरा देते थे। और देखो परमेश्वर का एक दूत उनके पास आ खड़ा हुआ और परमेश्वरका तेज उनकी चारों ओर चमका और वे बहुत डर गये । दूतने उनसे कहा मत डरो क्योंकि देखो मैं तुम्हें बड़े आनन्दका सुसमाचार सुनाता हूं जिससे सब लोगोंको आनन्द होगा . कि आज दाऊदके नगरमें तुम्हारे लिये एक त्राणकर्त्ता अर्थात ख्रीष्ट प्रभु जन्मा है । और तुम्हारे लिये यह पता होगा कि तुम एक बालकको कपड़ेमें लपेटे हुए और चरनीमें पड़े हुए पाओगे। तब अचांचक स्वर्गीय सेनामेंसे बहुतेरे उस दूतके संग प्रगट हुए और ईश्वरकी स्तुति करते हुए बोले . सबसे ऊंचे स्थानमें ईश्वरका गुणानुबाद और पृथिवीपर शांति होय . मनुष्योंपर प्रसन्नता है । ज्योंही दूतगण उन्होंके पाससे स्वर्गको गये त्योंही गड़ेरियोंने आपसमें कहा आओ हम बैतलहमलों जाके यह बात जो हुई है जिसे परमेश्वरने हमोंको बताया है देखें । और उन्होंने शीघ्र जाके मरियम और यूसफको और बालकको चरनीमें पड़े हुए पाया । इन्हें देखके उन्होंने वह बात जो इस बालकके विषयमें उन्होंसे कही गई थी प्रचार किई । और सब सुननेहारे उन बातोंसे जो गड़ेरियोंने उनसे कहीं अचंभित हुए। परन्तु मरियमने इन सब बातोंको अपने मनमें रखा और उन्हें सोचती रही । तब गड़ेरिये जैसा उन्होंसे कहा गया था तैसाही सब बातें सुनके और देखके उन बातोंके लिये ईश्वरका गुणानुबाद और स्तुति करते हुए लौट गये

जब आठ दिन पूरे होनेसे बालकका खतना करना हुआ तब उसका नाम यीशु रखा गया कि वही नाम उसके गर्भमें पड़नेके आगे दूतसे रखा गया था। और जब मूसाकी व्यवस्थाके अनुसार उनके शुद्ध होनेके दिन पूरे हुए तब वे बालकको यिरूशलीममें ले गये . कि जैसा परमेश्वरकी व्यवस्थामें लिखा है कि हर एक पहिलौठा नर परमेश्वरके लिये पवित्र कहावेगा तैसा उसे परमेश्वरके आगे धरें . और परमेश्वरकी व्यवस्थाकी बातके अनुसार पंडुकोंकी जोड़ी अथवा कपोतके दो बच्चे बलिदान करें।

तब देखो यिरूशलीममें शिमियोन नाम एक मनुष्य था . वह मनुष्य धर्म्मी और भक्त था और इस्रायेलकी शांतिकी बाट जोहता था और पवित्र आत्मा उसपर था। पवित्र आत्मासे उसको प्रतिज्ञा दिई गई थी कि जबलों तू परमेश्वरके अभिषिक्त जनको न देखे तबलों मृत्युको न देखेगा। और वह आत्माकी शिक्षासे मन्दिरमें आया और जब उस बालक अर्थात यीशुके माता पिता उसके विषयमें व्यवस्थाके व्यवहारके अनुसार करनेको उसे भीतर लाये . तब शिमियोनने उसको अपनी गोदीमें लेके ईश्वरका धन्यबाद कर कहा . हे प्रभु अभी तू अपने बचनके अनुसार अपने दासको कुशलसे बिदा करता है . क्योंकि मेरी आंखोंने तेरे त्राणकर्त्ताको देखा है . जिसे तूने सब देशोंके लोगोंके सन्मुख तैयार किया है . कि वह अन्यदेशियोंको प्रकाश करनेकी ज्योति और तेरे इस्रायेली लोगका तेज होवे।

यूसफ और यीशुकी माता इन बातोंसे जो उसके विषयमें कही गईं अचंभा करते थे। तब शिमियोनने उनको आशीस देके उसकी माता मरियमसे कहा देख यह तो इस्रायेलमें बहुतोंके गिरने और फिर उठनेका कारण होगा और एक चिन्ह जिसके बिरुद्धमें बातें किई जायेंगीं. हां तेरा निज प्राण भी खड्गसे वारपार छिदेगा . इससे बहुत हृदयोंके बिचार प्रगट किये जायेंगे।

और हन्ना नाम एक भविष्यद्वक्त्री थी जो आशेरके कुलके पनूएलकी पुत्री थी . वह बहुत बूढ़ी थी और अपने कुंवारपनसे सात बरस स्वामीके संग रही थी। और वह बरस चौरासी एककी बिधवा थी जो मन्दिरसे बाहर न जाती थी परन्तु उपवास औ प्रार्थनासे रात दिन सेवा करती थी। उसने भी उसी घड़ी निकट आके परमेश्वरका धन्य माना और यिरूशलीममें जो लोग उद्धारकी बाट देखते थे उन सभोंसे यीशुके विषयमें बात किई।

जब वे परमेश्वरकी व्यवस्थाके अनुसार सब कुछ कर चुके तब गालीलको अपने नगर नासरतको लौटे। और बालक बढ़ा और आत्मामें बलवन्त और बुद्धिसे परिपूर्ण होता गया और ईश्वरका अनुग्रह उसपर था।

उसके माता पिता बरस बरस निस्तार पर्ब्बमें यिरूशलीमको जाते थे। जब वह बारह बरसका हुआ तब वे पर्ब्बकी रीतिपर यिरूशलीमको गये। और जब वे पर्ब्बके दिनोंको पूरा करके लौटने लगे तब वह लड़का यीशु यिरूशलीममें रह गया परन्तु यूसफ और उसकी माता नहीं जानते थे। वे यह समझके कि वह संग-

वाले पथिकोंके बीचमें है एक दिनकी बाट गये और अपने कुटुंबों और चिन्हारोंके बीचमें उसको ढूंढ़ने लगे। परन्तु जब उन्होंने उसको न पाया तब उसे ढूंढ़ते हुए यिरूशलीमको फिर गये। तीन दिनके पीछे उन्होंने उसे मन्दिरमें पाया कि उपदेशकोंके बीचमें बैठा हुआ उनकी सुनता और उनसे प्रश्न करता था। और जो लोग उसकी सुनते थे सो सब उसकी बुद्धि और उसके उत्तरोंसे बिस्मित हुए। और वे उसे देखके अचंभित हुए और उसकी माताने उससे कहा हे पुत्र हमसे क्यों ऐसा किया. देख तेरा पिता और मैं कुढ़ते हुए तुझे ढूंढ़ते थे। उसने उनसे कहा तुम क्यों मुझे ढूंढ़ते थे. क्या नहीं जानते थे कि मुझे अपने पिताके विषयोंमें लगा रहना अवश्य है। परन्तु उन्होंने यह बात जो उसने उनसे कही न समझी। तब वह उनके संग चला और नासरतमें आया और उनके बशमें रहा और उसकी माताने इन सब बातोंको अपने मनमें रखा। और यीशुकी बुद्धि और डील और उसपर ईश्वरका और मनुष्योंका अनुग्रह बढ़ता गया।

३ तीसरा पर्ब्ब।

१ योहन बपतिसमा देनेहारेका वृत्तान्त। ७ उसका उपदेश और भविष्यद्वाक्य। १९ उसका बन्दीगृहमें डाला जाना। २१ यीशुका बपतिसमा लेना। २३ उसकी बंशावलि।

तिबरिय कैसरके राज्यके पन्द्रहवें बरसमें जब पन्तिय पिलात यिहूदियाका अध्यक्ष था और हेरोद एक चौथाई अर्थात गालीलका राजा और उसका भाई

फिलिप एक चौथाई अर्थात इतूरिया और त्राखोनीतिया देशोंका राजा और लुसानिय एक चौथाई अर्थात अबिलीनी देशका राजा था . और जब हन्नस और कियाफा महायाजक थे तब ईश्वरका बचन जंगलमें जिखरियाहके पुत्र योहन पास आया। और वह यर्दन नदीके आसपासके सारे देशमें आके पापमोचनके लिये पश्चात्तापके बपतिसमाका उपदेश करने लगा। जैसे यिशैयाह भविष्यद्वक्ताके कहे हुए पुस्तकमें लिखा है कि किसीका शब्द हुआ जो जंगलमें पुकारता है कि परमेश्वरका पन्थ बनाओ उसके राजमार्ग सीधे करो। हर एक नाला भरा जायगा और हर एक पर्ब्बत और टीला नीचा किया जायगा और टेढ़े पन्थ सीधे और ऊंचनीच मार्ग चौरस बन जायेंगे। और सब प्राणी ईश्वरके त्राणको देखेंगे।

तब बहुत लोग जो उससे बपतिसमा लेनेको निकल आये उन्होंसे योहनने कहा हे सांपोंके बंश किसने तुम्हें आनेवाले क्रोधसे भागनेको चिताया है। पश्चात्तापके योग्य फल लाओ और अपने अपने मनमें मत कहने लगो कि हमारा पिता इब्राहीम है क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि ईश्वर इन पत्थरोंसे इब्राहीमके लिये सन्तान उत्पन्न कर सकता है। और अब भी कुल्हाड़ी पेड़ोंकी जड़पर लगी है इसलिये जो जो पेड़ अच्छा फल नहीं फलता है सो काटा जाता और आगमें डाला जाता है। तब लोगोंने उससे पूछा तो हम क्या करें। उसने उन्हें उत्तर दिया कि जिस पास दो अंगे हों सो जिस पास न हो उसके साथ बांट लेवे और जिस पास भोजन होय

सो भी वैसाही करे। कर उगाहनेहारे भी बपतिसमा लेनेको आये और उससे बोले हे गुरु हम क्या करें। उसने उनसे कहा जो तुम्हें ठहराया गया है उससे अधिक मत ले लो। योद्धाओंने भी उससे पूछा हम क्या करें. उसने उनसे कहा किसीपर उपद्रव मत करो और न झूठे दोष लगाओ और अपने वेतनसे सन्तुष्ट रहो।

जब लोग आस देखते थे और सब अपने अपने मनमें योहनके विषयमें बिचार करते थे कि होय न होय यही खीष्ट है. तब योहनने सभोंको उत्तर दिया कि मैं तो तुम्हें जलमें बपतिसमा देता हूं परन्तु वह आता है जो मुझसे अधिक शक्तिमान है मैं उसके जूतोंका बंध खोलनेके योग्य नहीं हूं वह तुम्हें पवित्र आत्मामें और आगमें बपतिसमा देगा। उसका सूप उसके हाथमें है और वह अपना सारा खलिहान शुद्ध करेगा और गेहूंको अपने खत्तेमें एकट्ठा करेगा परन्तु भूसीको उस आगसे जो नहीं बुझती है जलावेगा। उसने बहुत और बातोंका भी उपदेश करके लोगोंको सुसमाचार सुनाया।

पर उसने चौथाईके राजा हेरोदको उसके भाई फिलिपकी स्त्री हेरोदियाके विषयमें और सब कुकर्म्मोंके विषयमें जो उसने किये थे उलहना दिया। इसलिये हेरोदने उन सभोंके उपरांत यह कुकर्म्म भी किया कि योहनको बन्दीगृहमें मूंद रखा।

सब लोगोंके बपतिसमा लेनेके पीछे जब यीशुने भी बपतिसमा लिया था और प्रार्थना करता था तब स्वर्ग खुल गया। और पवित्र आत्मा देही रूपमें कपोतकी

नाईं उसपर उतरा और यह आकाशबाणी हुई कि तू मेरा प्रिय पुत्र है मैं तुझसे अति प्रसन्न हूं।

और यीशु आप तीस बरसके अटकल होने लगा और लोगोंकी समझमें यूसफका पुत्र था। यूसफ एलीका पुत्र था वह मत्तातका पुत्र वह लेवीका वह मलकिका वह यान्नाका वह यूसफका. वह मत्तथियाहका वह आमोसका वह नहूमका वह इसलिका वह नग्गई-का. वह माटका वह मत्तथियाहका वह शिमिईका वह यूसफका वह यिहूदाका. वह योहानाका वह री-साका वह जिरुबाबुलका वह शलतियेलका वह नेरिका. वह मलकिका वह अद्दीका वह कोसमका वह इलमोदद-का वह एरका. वह योशीका वह इलियेजरका वह योरीमका वह मत्तातका वह लेवीका. वह शिमि-योनका वह यिहूदाका वह यूसफका वह योननका वह इलियाकीमका. वह मिलेयाका वह मैननका वह मत्तथका वह नाथनका वह दाऊदका. वह यिशीका वह ओबेदका वह बोअसका वह सलमोनका वह नह-शोनका. वह अम्मीनादबका वह अरामका वह हिस्रोन-का वह पेरसका वह यिहूदाका. वह याकूबका वह इसहाकका वह इब्राहीमका वह तेराहका वह नाहोरका. वह सिरूगका वह रियूका वह पेलगका वह एबरका वह शेलहका. वह कैननका वह अर्फकसदका वह शेमका वह नूहका वह लमकका. वह मिथूशलहका वह हनोक-का वह येरदका वह महललेलका वह कैननका. वह इनोशका वह शेतका वह आदमका वह ईश्वरका।

४ चैाथा पर्ब्ब ।

१ यीशुकी परीक्षा । १४ उसका उपदेश करना । १६ नासरतके लोगोंको कथा सुनाना । ३१ एक भूतग्रस्त मनुष्यको चंगा करना । ३८ पितरकी सासको चंगा करना । ४० बहुत रोगियोंको चंगा करना । ४२ नगर नगरमें उपदेश करना ।

यीशु पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हो यर्दनसे फिरा और आत्माकी शिक्षासे जंगलमें गया । और चालीस दिन शैतानसे उसकी परीक्षा किई गई और उन दिनोंमें उसने कुछ नहीं खाया पर पीछे उनके पूरे होनेपर भूखा हुआ । तब शैतानने उससे कहा जो तू ईश्वरका पुत्र है तो इस पत्थरसे कह दे कि रोटी बन जाय । यीशुने उसको उत्तर दिया कि लिखा है मनुष्य केवल रोटीसे नहीं परन्तु ईश्वरकी हर एक बातसे जीयेगा । तब शैतानने उसे एक ऊंचे पर्ब्बतपर ले जाके उसको पल भरमें जगतके सब राज्य दिखाये । और शैतानने उससे कहा मैं यह सब अधिकार और इन्होंका विभव तुझे देऊंगा क्योंकि वह मुझे सोंपा गया है और मैं उसे जिसको चाहता हूं उसको देता हूं । इसलिये जो तू मुझे प्रणाम करे तो सब तेरा होगा । यीशुने उसको उत्तर दिया कि हे शैतान मेरे साम्हनेसे दूर हो क्योंकि लिखा है कि तू परमेश्वर अपने ईश्वरको प्रणाम कर और केवल उसीकी सेवा कर । तब उसने उसको यिरूशलीममें ले जाके मन्दिरके कलशपर खड़ा किया और उससे कहा जो तू ईश्वरका पुत्र है तो अपनेको यहांसे नीचे गिरा . क्योंकि लिखा है कि वह तेरे विषयमें अपने दूतोंको आज्ञा देगा कि

वे तेरी रक्षा करें . और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे न हो कि तेरे पांवमें पत्थरपर चोट लगे। यीशुने उसको उत्तर दिया यह भी कहा गया है कि तू परमेश्वर अपने ईश्वरकी परीक्षा मत कर। जब शैतान सब परीक्षा कर चुका तब कुछ समयके लिये उसके पाससे चला गया।

यीशु आत्माकी शक्तिसे गालीलको फिर गया और उसकी कीर्त्ति आसपासके सारे देशमें फैल गई। और उसने उनकी सभाओंमें उपदेश किया और सभोंने उसकी बड़ाई किई।

तब वह नासरतको आया जहां पाला गया था और अपनी रीतिपर बिश्रामके दिन सभाके घरमें जाके पढ़नेको खड़ा हुआ। यिशैयाह भविष्यद्वक्ताका पुस्तक उसको दिया गया और उसने पुस्तक खोलके वह स्थान पाया जिसमें लिखा था. कि परमेश्वरका आत्मा मुझपर है इसलिये कि उसने मुझे अभिषेक किया है कि कंगालोंको सुसमाचार सुनाऊं. उसने मुझे भेजा है कि जिनके मन चूर हैं उन्हें चंगा करूं और बंधुओंको छूटनेकी और अंधोंको दृष्टि पानेकी बार्त्ता सुनाऊं और पेरे हुओंको निस्तार करूं और परमेश्वरके ग्राह्य बरसका प्रचार करूं। तब वह पुस्तक लपेटके सेवकके हाथमें देके बैठ गया और सभामें सब लोगोंकी आंखें उसे तक रहीं। तब वह उन्होंसे कहने लगा कि आजही धर्म्मपुस्तकका यह बचन तुम्हारे सुननेमें पूरा हुआ है। और सभोंने उसको सराहा और जो अनुग्रहकी बातें उसके मुखसे

निकलीं उनसे अचंभा किया और कहा क्या यह यूसफका पुत्र नहीं है। उसने उन्होंसे कहा तुम अवश्य मुझसे यह दृष्टान्त कहोगे कि हे वैद्य अपनेको चंगा कर. जो कुछ हमोंने सुना है कि कफर्नाहुममें किया गया सो यहां अपने देशमें भी कर। और उसने कहा मैं तुमसे सच कहता हूं कोई भविष्यद्वक्ता अपने देशमें ग्राह्य नहीं होता है। और मैं तुमसे सत्य कहता हूं कि एलियाहके दिनोंमें जब आकाश साढ़े तीन बरस बन्द रहा यहांलों कि सारे देशमें बड़ा अकाल पड़ा तब इस्रायेलमें बहुत बिधवा थीं। परन्तु एलियाह उन्होंमेंसे किसीके पास नहीं भेजा गया केवल सीदोन देशके सारिफत नगरमें एक बिधवाके पास। और इलीशा भविष्यद्वक्ताके समयमें इस्रायेलमें बहुत कोढ़ी थे परन्तु उन्होंमेंसे कोई शुद्ध नहीं किया गया केवल सुरिया देशका नामान। यह बातें सुनके सब लोग सभामें क्रोधसे भर गये. और उठके उसको नगरसे बाहर निकालके जिस पर्ब्बतपर उनका नगर बना हुआ था उसकी चोटीपर ले चले कि उसको नीचे गिरा देवें। परन्तु वह उन्होंके बीचमेंसे होके निकला और चला गया।

और उसने गालीलके कफर्नाहुम नगरमें जाके बिश्रामके दिन लोगोंको उपदेश दिया। वे उसके उपदेशसे अचंभित हुए क्योंकि उसका बचन अधिकार सहित था। सभाके घरमें एक मनुष्य था जिसे अशुद्ध भूतका आत्मा लगा था। उसने बड़े शब्दसे चिल्लाके कहा हे यीशु नासरी रहने दीजिये आपको हमसे क्या काम. क्या आप

हमें नाश करने आये हैं . मैं आपको जानता हूं आप कौन हैं ईश्वरके पवित्र जन। यीशुने उसको डांटके कहा चुप रह और उसमेंसे निकल आ. तब भूत उस मनुष्यको बीचमें गिराके उसमेंसे निकल आया और उसकी कुछ हानि न किई। इसपर सभोंको अचंभा हुआ और वे आपसमें बात करके बोले यह कौनसी बात है कि वह प्रभाव और पराक्रमसे अशुद्ध भूतोंको आज्ञा देता है और वे निकल आते हैं। सो उसकी कीर्त्ति आसपासके देशमें सर्ब्बत्र फैल गई।

सभाके घरमेंसे उठके उसने शिमोनके घरमें प्रवेश किया और शिमोनकी सास बड़े ज्वरसे पीड़ित थी और उन्होंने उसके लिये उससे बिन्ती किई। उसने उसके निकट खड़ा हो ज्वरको डांटा और वह उसे छोड़ गया और वह तुरन्त उठके उनकी सेवा करने लगी।

सूर्य्य डूबते हुए जिन्होंके पास दुःखी लोग नाना प्रकारके रोगोंमें पड़े थे वे सब उन्हें उस पास लाये और उसने एक एकपर हाथ रखके उन्हें चंगा किया। भूत भी चिल्लाते और यह कहते हुए कि आप ईश्वरके पुत्र ख्रीष्ट हैं बहुतोंमेंसे निकले परन्तु उसने उन्हें डांटा और बोलने न दिया क्योंकि वे जानते थे कि वह ख्रीष्ट है।

बिहान हुए वह निकलके जंगली स्थानमें गया और लोगोंने उसको ढूंढ़ा और उस पास आके उसे रोकने लगे कि वह उनके पाससे न जाय। परन्तु उसने उन्होंसे कहा मुझे और और नगरोंमें भी ईश्वरके राज्य-

का सुसमाचार सुनाना होगा क्योंकि मैं इसी लिये भेजा गया हूं। सो उसने गालीलकी सभाओंमें उपदेश किया।

५ पांचवां पर्ब्ब।

१ यीशुका अद्भुत रीतिसे बहुत मछलियोंको पकड़वाना और शिमोनको बुलाना। १२ एक कोढ़ीको चंगा करना। १७ एक अर्द्धांगीको चंगा करना और उसका पाप क्षमा करना। २७ लेवी अर्थात मत्तीको बुलाना और पापियोंके संग भोजन करना। ३३ उपवास करनेका ब्योरा बताना।

एक दिन बहुत लोग ईश्वरका बचन सुननेको यीशुपर गिरे पड़ते थे और वह गिनेसरतकी झीलके पास खड़ा था। और उसने दो नाव झीलके तीरपर लगी देखीं और मछुवे उनपरसे उतरके जालोंको धोते थे। उन नावोंमेंसे एकपर जो शिमोनकी थी चढ़के उसने उससे बिन्ती किई कि तीरसे थोड़ी दूर ले जाय और उसने बैठके नावपरसे लोगोंको उपदेश दिया। जब वह बात कर चुका तब शिमोनसे कहा गहिरेमें ले जा और मछलियां पकड़नेको अपने जालोंको डालो। शिमोनने उसको उत्तर दिया कि हे गुरु हमने सारी रात परिश्रम किया और कुछ नहीं पकड़ा तौभी आपकी बातपर मैं जाल डालूंगा। जब उन्होंने ऐसा किया तब बहुत मछलियां बझाईं और उनका जाल फटने लगा। इसपर उन्होंने अपने साझियोंको जो दूसरी नावपर थे सैन किया कि वे आके उनकी सहायता करें और उन्होंने आके दोनों नाव ऐसी भरीं कि वे डूबने लगीं। यह देखके शिमोन पितर यीशुके गोड़ोंपर गिरा और कहा हे प्रभु मेरे पाससे जाइये मैं पापी मनुष्य हूं। क्योंकि वह और उसके सब संगी लोग इन मछलियोंके बझ जानेसे

जो उन्होंने पकड़ी थीं बिस्मित हुए। और वैसेही जबदीके पुत्र याकूब और योहन भी जो शिमोनके साझी थे बिस्मित हुए. तब यीशुने शिमोनसे कहा मत डर अबसे तू मनुष्योंको पकड़ेगा। और वे नावोंको तीरपर लाके सब कुछ छोड़के उसके पीछे हो लिये।

जब वह एक नगरमें था तब देखो एक मनुष्य कोढ़से भरा हुआ वहां था और वह यीशुको देखके मुंहके बल गिरा और उससे बिन्ती किई कि हे प्रभु जो आप चाहें तो मुझे शुद्ध कर सकते हैं। उसने हाथ बढ़ा उसे छूके कहा मैं तो चाहता हूं शुद्ध हो जा. और उसका कोढ़ तुरन्त जाता रहा। तब उसने उसे आज्ञा दिई कि किसीसे मत कह परन्तु जाके अपने तईं याजकको दिखा और अपने शुद्ध होनेके विषयमेंका चढ़ावा जैसा मूसाने आज्ञा दिई तैसा लोगोंपर साक्षी होनेके लिये चढ़ा। परन्तु यीशुकी कीर्त्ति अधिक फैल गई और बहुतेरे लोग सुननेको और उससे अपने रोगोंसे चंगे किये जानेको एकट्ठे हुए। और उसने जंगली स्थानोंमें अलग जाके प्रार्थना किई।

एक दिन वह उपदेश करता था और फरीशी और व्यवस्थापक लोग जो गालील और यिहूदियाके हर एक गांवसे और यिरूशलीमसे आये थे वहां बैठे थे और उन्हें चंगा करनेको प्रभुका सामर्थ्य प्रगट हुआ। और देखो लोग एक मनुष्यको जो अर्द्धांगी था खाटपर लाये और वे उसको भीतर ले जाने और यीशुके आगे रखने चाहते थे। परन्तु जब भीड़के कारण उसे भीतर ले

जानेका कोई उपाय उन्हें न मिला तब उन्होंने कोठेपर चढ़के उसको खाट समेत छतमेंसे बीचमें यीशुके आगे उतार दिया । उसने उन्होंका बिश्वास देखके उससे कहा हे मनुष्य तेरे पाप क्षमा किये गये हैं । तब अध्यापक और फरीशी लोग बिचार करने लगे कि यह कौन है जो ईश्वरकी निन्दा करता है . ईश्वर-को छोड़ कौन पापोंको क्षमा कर सकता है । यीशुने उनके मनकी बातें जानके उनको उत्तर दिया कि तुम लोग अपने अपने मनमें क्या क्या बिचार करते हो । कौन बात सहज है यह कहना कि तेरे पाप क्षमा किये गये हैं अथवा यह कहना कि उठ और चल । परन्तु जिस्तें तुम जानो कि मनुष्यके पुत्रको पृथिवीपर पाप क्षमा करनेका अधिकार है (उसने उस अर्द्धांगीसे कहा) मैं तुझसे कहता हूं उठ अपनी खाट उठाके अपने घरको जा । वह तुरन्त उन्होंके साम्ने उठके जिसपर वह पड़ा था उसको उठाके ईश्वरकी स्तुति करता हुआ अपने घरको चला गया । तब सब लोग बिस्मित हुए और ईश्वरकी स्तुति करने लगे और अति भयमान होके बोले हमने आज अनोखी बातें देखी हैं ।

इसके पीछे यीशुने बाहर जाके लेवी नाम एक कर उगाहनेहारेको कर उगाहनेके स्थानमें बैठे देखा और उससे कहा मेरे पीछे आ । वह सब कुछ छोड़के उठा और उसके पीछे हो लिया । और लेवीने अपने घरमें उसके लिये बड़ा भोज बनाया और बहुत कर उगाहने-

हारे और बहुतसे और लोग थे जो उनके संग भोजनपर बैठे। तब उन्होंके अध्यापक और फरीशी उसके शिष्यों-पर कुड़कुड़ाके बोले तुम कर उगाहनेहारों और पापियोंके संग क्यों खाते और पीते हो। यीशुने उनको उत्तर दिया कि निरोगियोंको वैद्यका प्रयोजन नहीं है परन्तु रोगियोंको। मैं धर्म्मियोंको नहीं परन्तु पापियोंको पश्चात्तापके लिये बुलाने आया हूं।

और उन्होंने उससे कहा योहनके शिष्य क्यों बार बार उपवास और प्रार्थना करते हैं और वैसेही फरीशियोंके शिष्य भी परन्तु आपके शिष्य खाते और पीते हैं। उसने उनसे कहा जब दूल्हा सखाओंके संग है तब क्या तुम उनसे उपवास करवा सकते हो। परन्तु वे दिन आवेंगे जिनमें दूल्हा उनसे अलग किया जायगा तब वे उन दिनोंमें उपवास करेंगे। उसने एक दृष्टान्त भी उनसे कहा कि कोई मनुष्य नये कपड़ेका टुकड़ा पुराने वस्त्रमें नहीं लगाता है नहीं तो नया कपड़ा उसे फाड़ता है और नये कपड़ेका टुकड़ा पुरानेमें मिलता भी नहीं। और कोई मनुष्य नया दाख रस पुराने कुप्पोंमें नहीं भरता है नहीं तो नया दाख रस कुप्पोंको फाड़ेगा और वह आप बह जायगा और कुप्पे नष्ट होंगे। परन्तु नया दाख रस नये कुप्पोंमें भरा चाहिये तब दोनोंकी रक्षा होती है। कोई मनुष्य पुराना दाख रस पीके तुरन्त नया नहीं चाहता है क्योंकि वह कहता है पुराना ही अच्छा है।

---

६ छठवां पर्ब्ब ।

१ यीशुका बिश्रामवारके विषयमें निर्णय करना । १२ बारह प्रेरितोंको ठहराना । १७ बहुत रोगियोंको चंगा करना । २० धन्य कौन हैं इसके विषयमें यीशुका उपदेश । २७ शत्रुओंको प्रेम करनेका उपदेश और लड़ाई करनेका निषेध । ३७ दूसरोंपर दोष लगानेका निषेध और झूठे उपदेशकोंका निर्णय । ४३ मनके स्वभावका दृष्टान्त । ४६ घरकी नेव डालनेका दृष्टान्त ।

पर्ब्बके दूसरे दिनके पीछे बिश्रामके दिन यीशु खेतोंमें होके जाता था और उसके शिष्य बालें तोड़के हाथोंमें मल मलके खाने लगे। तब कई एक फरीशियोंने उनसे कहा जो काम बिश्रामके दिनमें करना उचित नहीं है सो क्यों करते हो। यीशुने उनको उत्तर दिया क्या तुमने यह नहीं पढ़ा है कि दाऊदने जब वह और उसके संगी लोग भूखे हुए तब क्या किया. उसने क्योंकर ईश्वरके घरमें जाके भेंटकी रोटियां लेके खाईं जिन्हें खाना और किसीको नहीं केवल याजकोंको उचित है और अपने संगियोंको भी दिईं। और उसने उनसे कहा मनुष्यका पुत्र बिश्रामवारका भी प्रभु है।

दूसरे बिश्रामवारको भी वह सभाके घरमें जाके उपदेश करने लगा और वहां एक मनुष्य था जिसका दहिना हाथ सूख गया था। अध्यापक और फरीशी लोग उसमें दोष ठहरानेके लिये उसे ताकते थे कि वह बिश्रामके दिनमें चंगा करेगा कि नहीं। पर वह उनके मनकी बातें जानता था और सूखे हाथवाले मनुष्यसे कहा उठ बीचमें खड़ा हो. वह उठके खड़ा हुआ। तब यीशुने

उन्होंसे कहा मैं तुमसे एक बात पूछूंगा क्या बिश्रामके दिनोंमें भला करना अथवा बुरा करना प्राणको बचाना अथवा नाश करना उचित है। और उसने उन सभोंपर चारों ओर दृष्टि कर उस मनुष्यसे कहा अपना हाथ बढ़ा. उसने ऐसा किया और उसका हाथ फिर दूसरेकी नाईं भला चंगा हो गया। पर वे बड़े क्रोधसे भर गये और आपसमें बोले हम यीशुको क्या करें।

उन दिनोंमें वह प्रार्थना करनेको पर्ब्बतपर गया और ईश्वरसे प्रार्थना करनेमें सारी रात बिताई। जब बिहान हुआ तब उसने अपने शिष्योंको अपने पास बुलाके उनमेंसे बारह जनोंको चुना जिनका नाम उसने प्रेरित भी रखा. अर्थात शिमोनको जिसका नाम उसने पितर भी रखा औ उसके भाई अन्द्रियको और याकूब औ योहनको और फिलिप औ बर्थलमईको. और मत्ती औ थोमाको और अलफईके पुत्र याकूबको औ शिमोनको जो उद्योगी कहावता है. और याकूबके भाई यिहूदाको औ यिहूदा इस्करियोतीको जो बिश्वासघातक हुआ।

तब वह उनके संग उतरके चौरस स्थानमें खड़ा हुआ और उसके बहुत शिष्य भी थे और लोगोंकी बड़ी भीड़ सारे यिहूदियासे और यिरूशलीमसे और सोर औ सीदोनके समुद्रके तीरसे जो उसकी सुननेको और अपने रोगोंसे चंगे किये जानेको आये थे. और अशुद्ध भूतोंके सताये हुए लोग भी. और वे चंगे किये जाते थे। और सब लोग उसे छूने चाहते थे क्योंकि शक्ति उससे निकलती थी और सभोंको चंगा करती थी।

तब उसने अपने शिष्योंकी ओर दृष्टि कर कहा धन्य तुम जो दीन हो क्योंकि ईश्वरका राज्य तुम्हारा है। धन्य तुम जो अब भूखे हो क्योंकि तुम तृप्त किये जाओगे. धन्य तुम जो अब रोते हो क्योंकि तुम हंसोगे। धन्य तुम हो जब मनुष्य तुमसे बैर करें और जब वे मनुष्यके पुत्रके लिये तुम्हें अलग करें और तुम्हारी निन्दा करें और तुम्हारा नाम दुष्टसा दूर करें। उस दिन आनन्दित हो और उछलो क्योंकि देखो तुम स्वर्गमें बहुत फल पाओगे. उनके पितरोंने भविष्यद्वक्ताओंसे वैसाही किया। परन्तु हाय तुम जो धनवान हो क्योंकि तुम अपनी शांति पा चुके हो। हाय तुम जो भरपूर हो क्योंकि तुम भूखे होगे. हाय तुम जो अब हंसते हो क्योंकि तुम शोक करोगे और रोओगे। हाय तुम लोग जब सब मनुष्य तुम्हारे विषयमें भला कहें. उनके पितरोंने झूठे भविष्यद्वक्ताओंसे वैसाही किया।

और भी मैं तुम्होंसे जो सुनते हो कहता हूं कि अपने शत्रुओंको प्यार करो. जो तुमसे बैर करें उनसे भलाई करो। जो तुम्हें स्राप देवें उनको आशीस देओ और जो तुम्हारा अपमान करें उनके लिये प्रार्थना करो। जो तुझे एक गालपर मारे उसकी ओर दूसरा भी फेर दे और जो तेरा दोहर छीन लेवे उसको अंगा भी लेनेसे मत बर्ज। जो कोई तुझसे मांगे उसको दे और जो तेरी बस्तु छीन लेवे उससे फिर मत मांग। और जैसा तुम चाहते हो कि मनुष्य तुमसे करें तुम भी उनसे वैसाही करो। जो तुम उनसे प्रेम करो जो तुमसे प्रेम करते हैं

तो तुम्हारी क्या बड़ाई क्योंकि पापी लोग भी अपने प्रेम करनेहारोंसे प्रेम करते हैं। और जो तुम उनसे भलाई करो जो तुमसे भलाई करते हैं तो तुम्हारी क्या बड़ाई क्योंकि पापी लोग भी ऐसा करते हैं। और जो तुम उन्हें ऋण देओ जिनसे फिर पानेकी आशा रखते हो तो तुम्हारी क्या बड़ाई क्योंकि पापी लोग भी पापियोंको ऋण देते हैं कि उतना फिर पावें। परन्तु अपने शत्रुओंको प्यार करो औ भलाई करो और फिर पानेकी आशा न रखके ऋण देओ और तुम बहुत फल पाओगे और सर्व्वप्रधानके सन्तान होगे क्योंकि वह उन्होंपर जो धन्य नहीं मानते हैं और दुष्टोंपर कृपाल है। सो जैसा तुम्हारा पिता दयावन्त है तैसे तुम भी दयावन्त होओ।

दूसरोंका बिचार मत करो तो तुम्हारा बिचार न किया जायगा. दोषी मत ठहराओ तो तुम दोषी न ठहराये जाओगे. क्षमा करो तो तुम्हारी क्षमा किई जायगी। देओ तो तुमको दिया जायगा. लोग पूरा नाप दबाया और हिलाया हुआ और उभरता हुआ तुम्हारी गोदमें देंगे क्योंकि जिस नापसे तुम नापते हो उसीसे तुम्हारे लिये भी नापा जायगा। फिर उसने उनसे एक दृष्टान्त कहा क्या अन्धा अन्धेको मार्ग बता सकता है. क्या दोनों गढ़ेमें नहीं गिरेंगे। शिष्य अपने गुरुसे बड़ा नहीं है परन्तु जो कोई सिद्ध होवे सो अपने गुरुके समान होगा। जो तिनका तेरे भाईके नेत्रमें है उसे तू क्यों देखता है और जो लट्ठा तेरेही नेत्रमें है सो तुझे नहीं सूझता। अथवा तू जो आप अपने नेत्रमेंका लट्ठा नहीं

देखता है क्योंकर अपने भाईसे कह सकता है कि हे भाई रहिये मैं यह तिनका जो तेरे नेत्रमें है निकालूं. हे कपटी पहिले अपने नेत्रसे लट्ठा निकाल दे तब जो तिनका तेरे भाईके नेत्रमें है उसे निकालनेको तू अच्छी रीतिसे देखेगा ।

कोई अच्छा पेड़ नहीं है जो निकम्मा फल फले और कोई निकम्मा पेड़ नहीं है जो अच्छा फल फले। हर एक पेड़ अपनेही फलसे पहचाना जाता है क्योंकि लोग कांटोंके पेड़से गूलर नहीं तोड़ते और न कटैले झूड़से दाख तोड़ते हैं । भला मनुष्य अपने मनके भले भंडारसे भली बात निकालता है और बुरा मनुष्य अपने मनके बुरे भंडारसे बुरी बात निकालता है क्योंकि जो मनमें भरा है सोई उसका मुंह बोलता है ।

तुम मुझे हे प्रभु हे प्रभु क्यों पुकारते हो और जो मैं कहता हूं सो नहीं करते । जो कोई मेरे पास आके मेरी बातें सुनके उन्हें पालन करे मैं तुम्हें बताऊंगा वह किसके समान है । वह एक मनुष्यके समान है जो घर बनाता था और उसने गहरे खोदके पत्थरपर नेव डाली और जब बाढ़ आई तब धारा उस घरपर लगी पर उसे हिला न सकी क्योंकि उसकी नेव पत्थरपर डाली गई थी । परन्तु जो सुनके पालन न करे सो एक मनुष्यके समान है जिसने मिट्टीपर बिना नेवका घर बनाया जिसपर धारा लगी और वह तुरन्त गिर पड़ा और उस घरका बड़ा बिनाश हुआ ।

७ सातवां पर्ब्ब।

१ यीशुका एक शतपतिके दासको चंगा करना। ११ नाइन नगरकी बिधवाके पुत्रको जिलाना। १८ योहनके शिष्योंको उत्तर देना। २४ योहनके विषयमें उसकी साक्षी। ३१ उस समयके लोगोंकी उपमा। ३६ एक पापिनीके विषयमें शिमोन फरीशीसे उसकी बातचीत।

जब यीशु लोगोंको अपनी सब बातें सुना चुका तब कफर्नाहुममें प्रवेश किया। और किसी शतपतिका एक दास जो उसका प्रिय था रोगी हो मरनेपर था। शतपतिने यीशुका चर्चा सुनके यिहूदियोंके कई एक प्राचीनोंको उससे यह बिन्ती करनेको उस पास भेजा कि आके मेरे दासको चंगा कीजिये। उन्होंने यीशु पास आके उससे बड़े यत्नसे बिन्ती किई और कहा आप जिसके लिये यह काम करेंगे सो इसके योग्य है. क्योंकि वह हमारे लोगसे प्रेम करता है और उसीने सभाका घर हमारे लिये बनाया। तब यीशु उनके संग गया और वह घरसे दूर न था कि शतपतिने उस पास मित्रोंको भेजके उससे कहा हे प्रभु दुःख न उठाइये क्योंकि मैं इस योग्य नहीं कि आप मेरे घरमें आवें। इसलिये मैंने अपनेको आपके पास जानेके भी योग्य नहीं समझा परन्तु बचन कहिये तो मेरा सेवक चंगा हो जायगा। क्योंकि मैं पराधीन मनुष्य हूं और योद्धा मेरे बशमें हैं और मैं एकको कहता हूं जा तो वह जाता है और दूसरेको आ तो वह आता है और अपने दासको यह कर तो वह करता है। यह सुनके यीशुने उस मनुष्यपर

अचंभा किया और मुंह फेरके जो बहुत लोग उसके पीछेसे आते थे उन्होंसे कहा मैं तुमसे कहता हूं कि मैंने इस्रायेली लोगोंमें भी ऐसा बड़ा बिश्वास नहीं पाया है। और जो लोग भेजे गये उन्होंने जब घरको लौटे तब उस रोगी दासको चंगा पाया।

दूसरे दिन यीशु नाइन नाम एक नगरको जाता था और उसके अनेक शिष्य और बहुतेरे लोग उसके संग जाते थे। ज्योंही वह नगरके फाटकके पास पहुंचा त्योंही देखो लोग एक मृतकको बाहर ले जाते थे जो अपनी मांका एकलौता पुत्र था और वह बिधवा थी और नगरके बहुत लोग उसके संग थे। प्रभुने उसको देखके उसपर दया किई और उससे कहा मत रो। तब उसने निकट आके अर्थीको छूआ और उठानेहारे खड़े हुए और उसने कहा हे जवान मैं तुझसे कहता हूं उठ। तब मृतक उठ बैठा और बोलने लगा और यीशुने उसे उसकी मांको सोंप दिया। इससे सभोंको भय हुआ और वे ईश्वरकी स्तुति करके बोले कि हमारे बीचमें बड़ा भविष्यद्वक्ता प्रगट हुआ है और कि ईश्वरने अपने लोगोंपर दृष्टि किई है। और उसके विषयमें यह बात सारे यिहूदियामें और आसपासके सारे देशमें फैल गई।

योहनके शिष्योंने इन सब बातोंके विषयमें योहनसे कहा। तब उसने अपने शिष्योंमेंसे दो जनोंको बुलाके यीशु पास यह कहनेको भेजा कि जो आनेवाला था सो क्या आपही हैं अथवा हम दूसरेकी बाट जोहें। उन मनुष्योंने उस पास आ कहा योहन बपतिसमा देनेहारेने

हमें आपके पास यह कहनेको भेजा है कि जो आनेवाला था सो क्या आपही हैं अथवा हम दूसरेकी बाट जोहें। उसी घड़ी यीशुने बहुतोंको जो रोगों और पीड़ाओं और दुष्ट भूतोंसे दुःखी थे चंगा किया और बहुतसे अन्धोंको नेत्र दिये। और उसने उन्होंको उत्तर दिया कि जो कुछ तुमने देखा और सुना है सो जाके योहनसे कहो कि अन्धे देखते हैं लंगड़े चलते हैं कोढ़ी शुद्ध किये जाते हैं बहिरे सुनते हैं मृतक जिलाये जाते हैं और कंगालोंको सुसमाचार सुनाया जाता है। और जो कोई मेरे विषयमें ठोकर न खावे सो धन्य है।

जब योहनके दूत लोग चले गये तब यीशु योहनके विषयमें लोगोंसे कहने लगा तुम जंगलमें क्या देखनेको निकले क्या पवनसे हिलते हुए नरकटको। फिर तुम क्या देखनेको निकले क्या सूक्ष्म बस्त्र पहिने हुए मनुष्यको. देखो जो भड़कीला बस्त्र पहिनते और सुखसे रहते हैं सो राजभवनोंमें हैं। फिर तुम क्या देखनेको निकले क्या भविष्यद्वक्ताको. हां मैं तुमसे कहता हूं एक मनुष्यको जो भविष्यद्वक्तासे भी अधिक है। यह वही है जिसके विषयमें लिखा है कि देख मैं अपने दूतको तेरे आगे भेजता हूं जो तेरे आगे तेरा पन्थ बनावेगा। मैं तुमसे कहता हूं कि जो स्त्रियोंसे जन्मे हैं उनमेंसे योहन बपतिस्मा देनेहारेसे बड़ा भविष्यद्वक्ता कोई नहीं है परन्तु जो ईश्वरके राज्यमें अति छोटा है सो उससे बड़ा है। और सब लोगोंने जिन्होंने सुना और कर उगाहनेहारोंने योहनसे बपतिस्मा लेके ईश्वरको निर्दोष ठहराया। परन्तु

फरीशियों और व्यवस्थापकोंने उससे बपतिसमा न लेके ईश्वरके अभिप्रायको अपने विषयमें टाल दिया।

तब प्रभुने कहा मैं इस समयके लोगोंकी उपमा किससे देऊंगा वे किसके समान हैं। वे बालकोंके समान हैं जो बाजारमें बैठके एक दूसरेको पुकारके कहते हैं हमने तुम्हारे लिये बांसली बजाई और तुम न नाचे हमने तुम्हारे लिये बिलाप किया और तुम न रोये। क्योंकि योहन बपतिसमा देनेहारा न रोटी खाता न दाख रस पीता आया है और तुम कहते हो उसे भूत लगा है। मनुष्यका पुत्र खाता और पीता आया है और तुम कहते हो देखो पेटू और मद्यप मनुष्य कर उगाहनेहारों और पापियोंका मित्र। परन्तु ज्ञान अपने सब सन्तानोंसे निर्दोष ठहराया गया है।

फरीशियोंमेंसे एकने यीशुसे बिन्ती किई कि मेरे संग भोजन कीजिये और वह फरीशीके घरमें जाके भोजनपर बैठा। और देखो उस नगरकी एक स्त्री जो पापिनी थी जब उसने जाना कि वह फरीशीके घरमें भोजनपर बैठा है तब उजले पत्थरके पात्रमें सुगन्ध तेल लाई. और पीछेसे उसके पांवों पास खड़ी हो रोते रोते उसके चरणोंको आंसूओंसे भिंगाने लगी और अपने सिरके बालोंसे पोंछा और उसके पांव चूमके उनपर सुगन्ध तेल मला। यह देखके फरीशी जिसने यीशुको बुलाया था अपने मनमें कहने लगा यह यदि भविष्यद्वक्ता होता तो जानता कि यह स्त्री जो उसको छूती है कौन और कैसी है क्योंकि वह पापिनी है। यीशुने उसको उत्तर दिया कि हे

शिमोन मैं तुझसे कुछ कहा चाहता हूं . वह बोला हे गुरु कहिये। किसी महाजनके दो ऋणी थे एक पांच सौ सूकी धारता था और दूसरा पचास। जब कि भर देनेको उन्होंके पास कुछ न था उसने दोनोंको क्षमा किया सो कहिये उनमेंसे कौन उसको अधिक प्यार करेगा। शिमोनने उत्तर दिया मैं समझता हूं कि वह जिसका उसने अधिक क्षमा किया . यीशुने उससे कहा तूने ठीक बिचार किया है। और स्त्रीकी ओर फिरके उसने शिमोनसे कहा तू इस स्त्रीको देखता है . मैं तेरे घरमें आया तूने मेरे पांवोंपर जल नहीं दिया परन्तु इसने मेरे चरणोंको आंसूओंसे भिंगाया और अपने सिरके बालोंसे पोंछा है। तूने मेरा चूमा नहीं लिया परन्तु यह जबसे मैं आया तबसे मेरे पांवोंको चूम रही है। तूने मेरे सिरपर तेल नहीं लगाया परन्तु इसने मेरे पांवोंपर सुगन्ध तेल मला है। इसलिये मैं तुझसे कहता हूं कि उसके पाप जो बहुत हैं क्षमा किये गये हैं . कि उसने तो बहुत प्रेम किया है परन्तु जिसका थोड़ा क्षमा किया जाता है वह थोड़ा प्रेम करता है। और उसने स्त्रीसे कहा तेरे पाप क्षमा किये गये हैं। तब जो लोग उसके संग भोजनपर बैठे थे सो अपने अपने मनमें कहने लगे यह कौन है जो पापोंको भी क्षमा करता है। परन्तु उसने स्त्रीसे कहा तेरे बिश्वासने तुझे बचाया है कुशलसे चली जा।

८ आठवां पर्ब्ब।

१ यीशुका नगर नगरमें फिरना। ४ बीज बोनेहारेका दृष्टान्त। ९ दृष्टान्तों उपदेश करनेका कारण और इस दृष्टान्तका अर्थ। १६ दीपकका दृष्टान्त औ

बचन सुननेके विषयमें उपदेश । १९ यीशुके कुटुंबका बर्णन । २२ उसका आंधीको थांभना । २६ एक मनुष्यमेंसे बहुत भूतोंको निकालना । ४० एक कन्याको जिलाना और एक स्त्रीको चंगा करना ।

इस पीछे यीशु नगर नगर और गांव गांव उपदेश करता हुआ और ईश्वरके राज्यका सुसमाचार सुनाता हुआ फिरा किया। और बारहों शिष्य उसके संग थे और कितनी स्त्रियां भी जो दुष्ट भूतोंसे और रोगोंसे चंगी किई गई थीं अर्थात मरियम जो मगदलीनी कहावती है जिसमेंसे सात भूत निकल गये थे. और हेरोदके भंडारी कूजाकी स्त्री योहाना और सोसन्ना और बहुतसी और स्त्रियां. ये तो अपनी सम्पत्तिसे उसकी सेवा करती थीं।

जब बड़ी भीड़ एकट्ठी होती थी और नगर नगरके लोग उस पास आते थे तब उसने दृष्टान्तमें कहा. एक बोनेहारा अपना बीज बोनेको निकला. बीज बोनेमें कुछ मार्गकी ओर गिरा और पांवोंसे रौंदा गया और आकाशके पंछियोंने उसे चुग लिया। कुछ पत्थरपर गिरा और उपजा परन्तु तरावट न पानेसे सूख गया। कुछ कांटोंके बीचमें गिरा और कांटोंने एक संग बढ़के उसको दबा डाला। परन्तु कुछ अच्छी भूमिपर गिरा और उपजा और सौ गुणे फल फला. यह बातें कहके उसने ऊंचे शब्दसे कहा जिसको सुननेके कान हों सो सुने।

तब उसके शिष्योंने उससे पूछा इस दृष्टान्तका अर्थ क्या है। उसने कहा तुमको ईश्वरके राज्यके भेद जाननेका अधिकार दिया गया है परन्तु और लोगोंसे दृष्टान्तोंमें बात होती है इसलिये कि वे देखते हुए न देखें

और सुनते हुए न बूझें। इस दृष्टान्तका अर्थ यह है . बीज तो ईश्वरका बचन है। मार्गकी ओरके वे हैं जो सुनते हैं तब शैतान आके उनके मनमेंसे बचन छीन लेता है ऐसा न हो कि वे बिश्वास करके त्राण पावें। पत्थरपरके वे हैं कि जब सुनते हैं तब आनन्दसे बचनको ग्रहण करते हैं परन्तु उनमें जड़ न बंधनेसे वे थोड़ी बेरलों बिश्वास करते हैं और परीक्षाके समयमें बहक जाते हैं। जो कांटोंके बीचमें गिरा सो वे हैं जो सुनते हैं पर अनेक चिन्ता और धन और जीवनके सुख बिलाससे दबते दबते दबाये जाते और पक्के फल नहीं फलते हैं। परन्तु अच्छी भूमिमेंका बीज वे हैं जो बचन सुनके भले और उत्तम मनमें रखते हैं और धीरजसे फल फलते हैं।

कोई मनुष्य दीपकको बारके बर्त्तनसे नहीं ढांपता और न खाटके नीचे रखता है परन्तु दीवटपर रखता है कि जो भीतर आवें सो उजियाला देखें। कुछ गुप्त नहीं है जो प्रगट न होगा और न कुछ छिपा है जो जाना न जायगा और प्रसिद्ध न होगा। इसलिये सचेत रहो तुम किस रीतिसे सुनते हो क्योंकि जो कोई रखता है उसको और दिया जायगा परन्तु जो कोई नहीं रखता है उससे जो कुछ वह समझता कि मेरे पास है सो भी ले लिया जायगा।

यीशुकी माता और उसके भाई उस पास आये परन्तु भीड़के कारण उससे भेंट नहीं कर सके। और कितनोंने उससे कह दिया कि आपकी माता और आपके भाई बाहर खड़े हुए आपको देखने चाहते हैं। उसने उनको

उत्तर दिया कि मेरी माता और मेरे भाई येही लोग हैं जो ईश्वरका बचन सुनके पालन करते हैं ।

एक दिन वह और उसके शिष्य नावपर चढ़े और उसने उनसे कहा कि आओ हम झीलके उस पार चलें. सो उन्होंने खोल दिई । ज्यों वे जाते थे त्यों वह सो गया और झीलपर आंधी उठी और उनकी नाव भर जाने लगी और वे जोखिममें थे । तब उन्होंने उस पास आके उसे जगाके कहा हे गुरु हे गुरु हम नष्ट होते हैं. तब उसने उठके बयारको और जलके हिलकोरेको डांटा और वे थम गये और नीवा हो गया । और उसने उनसे कहा तुम्हारा बिश्वास कहां है. परन्तु वे भयमान और अचंभित हो आपसमें बोले यह कौन है जो बयार और जल को भी आज्ञा देता है और वे उसकी आज्ञा मानते हैं ।

वे गदेरियोंके देशमें जो गालीलके साम्ने उस पार है पहुंचे । जब यीशु तीरपर उतरा तब नगरका एक मनुष्य उससे आ मिला जिसको बहुत दिनोंसे भूत लगे थे और जो बस्त्र नहीं पहिनता न घरमें रहता था परन्तु कबर-स्थानमें रहता था । वह यीशुको देखके चिल्लाया और उसको दंडवत कर बड़े शब्दसे कहा हे यीशु सर्व्वप्रधान ईश्वरके पुत्र आपको मुझसे क्या काम. मैं आपसे बिन्ती करता हूं कि मुझे पीड़ा न दीजिये । क्योंकि यीशुने अशुद्ध भूतको उस मनुष्यसे निकलनेकी आज्ञा दिई थी. उस भूतने बहुत बार उसे पकड़ा था और वह जंजीरों और बेड़ियोंसे बंधा हुआ रखा जाता था परन्तु बंधनोंको तोड़ देता था और भूत उसे जंगलमें खदेड़ता था । यीशुने

उससे पूछा तेरा नाम क्या है. उसने कहा सेना. क्योंकि बहुत भूत उसमें पैठ गये थे। और उन्होंने उससे बिन्ती किई कि हमें अथाह कुंडमें जानेको आज्ञा न दीजिये। वहां बहुत सूअरोंका जो पहाड़पर चरते थे एक झुंड था सो उन्होंने उससे बिन्ती किई कि हमें उन्होंमें पैठने दीजिये और उसने उन्हें जाने दिया। तब भूत उस मनुष्यसे निकलके सूअरोंमें पैठे और वह झुंड कड़ाड़े-परसे झीलमें दौड़ गया और डूब मरा। यह जो हुआ था सो देखके चरवाहे भागे और जाके नगरमें और गांवोंमें उसका समाचार कहा। और लोग यह जो हुआ था देखनेको बाहर निकले और यीशु पास आके जिस मनुष्यसे भूत निकले थे उसको यीशुके चरणोंके पास बस्त्र पहिने और सुबुद्धि बैठे हुए पाके डर गये। जिन लोगोंने देखा था उन्होंने उनसे कह दिया कि वह भूत-ग्रस्त मनुष्य क्योंकर चंगा हो गया था। तब गदेराके आसपासके सारे लोगोंने यीशुसे बिन्ती किई कि हमारे यहांसे चले जाइये क्योंकि उन्हें बड़ा डर लगा. सो वह नावपर चढ़के लौट गया। जिस मनुष्यसे भूत निकले थे उसने उससे बिन्ती किई कि मैं आपके संग रहूं पर यीशुने उसे बिदा किया. और कहा अपने घरको फिर जा और कह दे कि ईश्वरने तेरे लिये कैसे बड़े काम किये हैं. उसने जाके सारे नगरमें प्रचार किया कि यीशुने उसके लिये कैसे बड़े काम किये थे।

जब यीशु लौट गया तब लोगोंने उसे ग्रहण किया क्योंकि वे सब उसकी बाट जोहते थे। और देखो याई

नाम एक मनुष्य जो सभाका अध्यक्ष भी था आया और यीशुके पांवों पड़के उससे बिन्ती किई कि वह उसके घर जाय। क्योंकि उसको बारह बरसकी एकलौती बेटी थी और वह मरनेपर थी. जब यीशु जाता था तब भीड़ उसे दबाती थी।

और एक स्त्री जिसे बारह बरससे लोहू बहनेका रोग था जो अपनी सारी जीविका वैद्योंके पीछे उठाके किसीसे चंगी न हो सकी. तिसने पीछेसे आ उसके बस्त्रके आंचलको छूआ और उसके लोहूका बहना तुरन्त थम गया। यीशुने कहा किसने मुझे छूआ. जब सब मुकर गये तब पितरने और उसके संगियोंने कहा हे गुरु लोग आपपर भीड़ लगाते और आपको दबाते हैं और आप कहते हैं किसने मुझे छूआ। यीशुने कहा किसीने मुझे छूआ क्योंकि मैं जानता हूं कि मुझमेंसे शक्ति निकली है। जब स्त्रीने देखा कि मैं छिपी नहीं हूं तब कांपती हुई आई और उसे दंडवत कर सब लोगोंके साम्ने उसको बताया कि उसने किस कारणसे उसको छूआ था और क्योंकर तुरन्त चंगी हुई थी। उसने उससे कहा हे पुत्री ढाढ़स कर तेरे बिश्वासने तुझे चंगा किया है कुशलसे चली जा।

वह बोलताही था कि किसीने सभाके अध्यक्षके घरसे आ उससे कहा आपकी बेटी मर गई है गुरुको दुःख न दीजिये। यीशुने यह सुनके उसको उत्तर दिया कि मत डर केवल बिश्वास कर तो वह चंगी हो जायगी। घरमें आके उसने पितर और याकूब और योहन और कन्याके

माता पिताको छोड़ और किसीको भीतर जाने न दिया। सब लोग कन्याके लिये रोते और छाती पीटते थे परन्तु उसने कहा मत रोओ वह मरी नहीं पर सोती है। वे यह जानके कि मर गई है उसका उपहास करने लगे। परन्तु उसने सभोंको बाहर निकाला और कन्याका हाथ पकड़के ऊंचे शब्दसे कहा हे कन्या उठ। तब उसका प्राण फिर आया और वह तुरन्त उठी और उसने आज्ञा किई कि उसे कुछ खानेको दिया जाय। उसके माता पिता बिस्मित हुए पर उसने उनको आज्ञा दिई कि यह जो हुआ है किसीसे मत कहो।

९ नवां पर्व्व।

१ यीशुका बारह प्रेरितोंको भेजना। ७ उसके विषयमें हेरोदकी चिन्ता। १० यीशुका प्रेरितोंका समाचार सुनना और लोगोंको उपदेश देना। १२ पांच सहस्र मनुष्योंको थोड़े भोजनसे तृप्त करना। १८ यीशुके विषयमें लोगोंका और शिष्योंका बिचार और उसका अपनी मृत्युका भविष्यद्वाक्य कहना। २३ शिष्य होनेकी विधि। २८ यीशुका शिष्योंके आगे तेजस्वी दिखाई देना। ३७ एक भूतग्रस्त लड़केको चंगा करना। ४४ अपनी मृत्युका भविष्यद्वाक्य कहना। ४६ नम्र होनेका उपदेश। ४९ दूसरे उपदेशकको बर्जनेका निषेध। ५१ शोमिरोनियोंकी और जिन्होंने उसको ग्रहण न किया यीशुकी नम्रता। ५७ शिष्य होनेके विषयमें यीशुकी कथा।

यीशुने अपने बारह शिष्योंको एकट्ठे बुलाके उन्हें सब भूतोंको निकालनेका और रोगोंको चंगा करनेका सामर्थ्य और अधिकार दिया. और उन्हें ईश्वरके राज्यकी कथा सुनाने और रोगियोंको चंगा करनेको भेजा। और उसने उनसे कहा मार्गके लिये कुछ मत लेओ न लाठी न झोली न रोटी न रुपैये और दो दो

संगे तुम्हारे पास न होवें। जिस किसी घरमें तुम प्रवेश करो उसीमें रहो और वहींसे निकल जाओ। जो कोई तुम्हें ग्रहण न करें उस नगरसे निकलते हुए उनपर साक्षी होनेके लिये अपने पांवोंकी धूल भी झाड़ डालो। सो वे निकलके सर्व्वत्र सुसमाचार सुनाते और लोगोंको चंगा करते हुए गांव गांव फिरे।

चौथाईका राजा हेरोद सब कुछ जो यीशु करता था सुनके दुबधामें पड़ा क्योंकि कितनोंने कहा योहन मृत-कोंमेंसे जी उठा है. और कितनोंने कि एलियाह दिखाई दिया है और औरोंने कि अगले भविष्यद्वक्ताओंमेंसे एक जी उठा है। और हेरोदने कहा योहनका तो मैंने सिर कटवाया परन्तु यह कौन है जिसके विषयमें मैं ऐसी बातें सुनता हूं. और उसने उसे देखने चाहा।

प्रेरितोंने फिर आके जो कुछ उन्होंने किया था सो यीशुको सुनाया और वह उन्हें संग लेके बैतसैदा नाम एक नगरके किसी जंगली स्थानमें एकांतमें गया। लोग यह जानके उसके पीछे हो लिये और उसने उन्हें ग्रहण कर ईश्वरके राज्यके विषयमें उनसे बातें किईं और जि-न्होंको चंगा किये जानेका प्रयोजन था उन्हें चंगा किया।

जब दिन ढलने लगा तब बारह शिष्योंने आ उससे कहा लोगोंको बिदा कीजिये कि वे चारों ओरकी बस्तियों और गांवोंमें जाके टिकें और भोजन पावें क्योंकि हम यहां जंगली स्थानमें हैं। उसने उनसे कहा तुम उन्हें खानेको देओ. वे बोले हमारे पास पांच रोटियां और दो मछलियोंसे अधिक कुछ नहीं है पर हां हम जाके

इन सब लोगोंके लिये भोजन मोल लेवें तो होय। वे लोग पांच सहस्र पुरुषोंके अटकल थे. उसने अपने शिष्यों-से कहा उन्हें पचास पचास करके पांति पांति बैठाओ। उन्होंने ऐसा किया और सभोंको बैठाया। तब उसने उन पांच रोटियों और दो मछलियोंको ले स्वर्गकी ओर देखके उनपर आशीस दिई और उन्हें तोड़के शिष्योंको दिया कि लोगोंके आगे रखें। सो सब खाके तृप्त हुए और जो टुकड़े उन्होंसे बच रहे उनकी बारह टोकरी उठाई गईं।

जब वह एकांतमें प्रार्थना करता था और शिष्य लोग उसके संग थे तब उसने उनसे पूछा कि लोग क्या कहते हैं मैं कौन हूं। उन्होंने उत्तर दिया कि वे आपको योहन बपतिसमा देनेहारा कहते हैं परन्तु कितने एलि-याह कहते हैं और कितने कहते हैं कि अगले भविष्यद्वक्ता-ओंमेंसे कोई जी उठा है। उसने उनसे कहा तुम क्या कहते हो मैं कौन हूं. पितरने उत्तर दिया कि ईश्वरका अभिषिक्त जन। तब उसने उन्हें दृढ़तासे आज्ञा दिई कि यह बात किसीसे मत कहो। और उसने कहा मनुष्यके पुत्रको अवश्य है कि बहुत दुःख उठावे और प्राचीनों और प्रधान याजकों और अध्यापकोंसे तुच्छ किया जाय और मार डाला जाय और तीसरे दिन जी उठे।

उसने सभोंसे कहा यदि कोई मेरे पीछे आने चाहे तो अपनी इच्छाको मारे और प्रतिदिन अपना क्रूश उठाके मेरे पीछे आवे। क्योंकि जो कोई अपना प्राण

बचाने चाहे सो उसे खोवेगा परन्तु जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोवे सो उसे बचावेगा। जो मनुष्य सारे जगतको प्राप्त करे और अपनेको नाश करे अथवा गंवावे उसको क्या लाभ होगा । जो कोई मुझसे और मेरी बातोंसे लजावे मनुष्यका पुत्र जब अपने और पिताके और पवित्र दूतोंके ऐश्वर्य्यमें आवेगा तब उससे लजावेगा । मैं तुमसे सच कहता हूं कि जो यहां खड़े हैं उनमेंसे कोई कोई हैं कि जबलों ईश्वरका राज्य न देखें तबलों मृत्युका स्वाद न चीखेंगे ।

इन बातोंसे दिन आठ एकके पीछे यीशु पितर और योहन और याकूबको संग ले प्रार्थना करनेको पर्ब्बतपर चढ़ गया। जब वह प्रार्थना करता था तब उसके मुंहका रूप औरही हो गया और उसका बस्त्र उजला हुआ और चमकने लगा । और देखो दो मनुष्य अर्थात मूसा और एलियाह उसके संग बात करते थे। वे तेजोमय दिखाई दिये और उसकी मृत्युकी जिसे वह यिरूशली-ममें पूरी करनेपर था बात करते थे । पितर और उसके संगियोंकी आंखें नींदसे भरी थीं परन्तु वे जागते रहे और उसका ऐश्वर्य्य और उन दो मनुष्योंको जो उसके संग खड़े थे देखा। जब वे उसके पाससे जाने लगे तब पितरने यीशुसे कहा हे गुरु हमारा यहां रहना अच्छा है . हम तीन डेरे बनावें एक आपके लिये एक मूसाके लिये और एक एलियाहके लिये . वह नहीं जानता था कि क्या कहता था । उसके यह कहते हुए एक मेघने आ उन्हें छा लिया और जब उन दोनोंने उस मेघमें प्रवेश किया

तव वे डर गये। और उस मेघसे यह शब्द हुआ कि यह मेरा प्रिय पुत्र है उसकी सुनो। यह शब्द होनेके पीछे यीशु अकेला पाया गया और उन्होंने इसको गुप्त रखा और जो देखा था उसकी कोई बात उन दिनोंमें किसीसे न कही।

दूसरे दिन जब वे उस पर्ब्बतसे उतरे तब बहुत लोग उससे आ मिले। और देखो भीड़मेंसे एक मनुष्यने पुकारके कहा हे गुरु मैं आपसे बिन्ती करता हूं कि मेरे पुत्रपर दृष्टि कीजिये क्योंकि वह मेरा एकलौता है। और देखिये एक भूत उसे पकड़ता है और वह अचांचक चिल्लाता है और भूत उसे ऐसा मरोड़ता कि वह मुंहसे फेन बहाता है और उसे चूर कर कठिनसे छोड़ता है। और मैंने आपके शिष्योंसे बिन्ती किई कि उसे निकालें परन्तु वे नहीं सके। यीशुने उत्तर दिया कि हे अबिश्वासी और हठीले लोगो मैं कबलों तुम्हारे संग रहूंगा और तुम्हारी सहूंगा. अपने पुत्रको यहां ले आ। वह आताही था कि भूतने उसे पटकके मरोड़ा परन्तु यीशुने अशुद्ध भूतको डांटके लड़केको चंगा किया और उसे उसके पिताको सोंप दिया। तब सब लोग ईश्वरकी महाशक्तिसे अचंभित हुए।

जब समस्त लोग सब कामोंसे जो यीशुने किये अचंभा करते थे तब उसने अपने शिष्योंसे कहा तुम इन बातोंको अपने कानोंमें रखो क्योंकि मनुष्यका पुत्र मनुष्योंके हाथमें पकड़वाया जायगा। परन्तु उन्होंने यह बात न समझी और वह उनसे छिपी थी कि उन्हें बूझ न पड़े

और वे इस बातके विषयमें उससे पूछनेको डरते थे।

उन्होंमें यह बिचार होने लगा कि हममेंसे बड़ा कौन है। यीशुने उनके मनका बिचार जानके एक बालकको लेके अपने पास खड़ा किया . और उनसे कहा जो कोई मेरे नामसे इस बालकको ग्रहण करे वह मुझे ग्रहण करता है और जो कोई मुझे ग्रहण करे वह मेरे भेजनेहारेको ग्रहण करता है . जो तुम सभोंमें अति छोटा है वही बड़ा होगा।

तब योहनने उत्तर दिया कि हे गुरु हमने किसी मनुष्यको आपके नामसे भूतोंको निकालते देखा और हमने उसे बर्जा क्योंकि वह हमारे संग नहीं चलता है। यीशुने उससे कहा मत बर्जो क्योंकि जो हमारे बिरुद्ध नहीं है सो हमारी ओर है।

जब उसके उठाये जानेके दिन पहुंचे तब उसने यिरूशलीम जानेको अपना मन दृढ़ किया। और उसने दूतोंको अपने आगे भेजा और उन्होंने जाके उसके लिये तैयारी करनेको शोमिरोनियोंके एक गांवमें प्रवेश किया। परन्तु उन लोगोंने उसे ग्रहण न किया क्योंकि वह यिरूशलीमकी ओर जानेका मुंह किये था। यह देखके उसके शिष्य याकूब और योहन बोले हे प्रभु आपकी इच्छा होय तो हम आगके आकाशसे गिरने और उन्हें नाश करनेकी आज्ञा देवें जैसा एलियाहने भी किया। परन्तु उसने पीछे फिरके उन्हें डांटके कहा क्या तुम नहीं जानते हो तुम कैसे आत्माके हो। मनुष्यका पुत्र मनुष्योंके प्राण नाश करनेको नहीं परन्तु

बचानेको आया है . तब वे दूसरे गांवको चले गये।

जब वे मार्गमें जाते थे तब किसी मनुष्यने यीशुसे कहा हे प्रभु जहां जहां आप जायें तहां मैं आपके पीछे चलूंगा। यीशुने उससे कहा लोमड़ियोंको मांदें और आकाशके पंछियोंको बसेरे हैं परन्तु मनुष्यके पुत्रको सिर रखनेका स्थान नहीं है। उसने दूसरेसे कहा मेरे पीछे आ . उसने कहा हे प्रभु मुझे पहिले जाके अपने पिताको गाड़ने दीजिये। यीशुने उससे कहा मृतकोंको अपने मृतकोंको गाड़ने दे परन्तु तू जाके ईश्वरके राज्यकी कथा सुना। दूसरेने भी कहा हे प्रभु मैं आपके पीछे चलूंगा परन्तु पहिले मुझे अपने घरके लोगोंसे बिदा होने दीजिये। यीशुने उससे कहा अपना हाथ हलपर रखके जो कोई पीछे देखे सो ईश्वरके राज्यके योग्य नहीं है।

१० दसवां पर्व्व।

१ यीशुका सत्तर शिष्योंको ठहराके भेजना। १३ कई एक नगरोंके अविश्वासप उलहना। १७ सत्तर शिष्योंके संग यीशुकी बातचीत और उसका अपने पिताक धन्य मानना। २५ व्यवस्थापकका उत्तर देना और दयावन्त शोमिरोनीक दृष्टान्त। ३८ मर्था और मरियमसे यीशुकी बातचीत।

इसके पीछे प्रभुने सत्तर और शिष्योंको भी ठहराके उन्हें दो दो करके हर एक नगर और स्थानको जहां वः आप जानेपर था अपने आगे भेजा। और उसने उनसे कहा कटनी बहुत है परन्तु बनिहार थोड़े हैं इसलि कटनीके स्वामीसे बिन्ती करो कि वह अपनी कटनीं बनिहारोंको भेजे। जाओ देखो मैं तुम्हें मेम्नोंकी ना हुंड़ारोंके बीचमें भेजता हूं। न थैली न झोली न जू

ले जाओ और मार्गमें किसीको नमस्कार मत करो । जिस किसी घरमें तुम प्रवेश करो पहिले कहो इस घरका कल्याण होय। यदि वहां कोई कल्याणके योग्य हो तो तुम्हारा कल्याण उसपर ठहरेगा नहीं तो तुम्हारे पास फिर आवेगा। जो कुछ उन्होंके यहां मिले सोई खाते और पीते हुए उसी घरमें रहो क्योंकि बनिहार अपनी बनिके योग्य है. घर घर मत फिरो। जिस किसी नगरमें तुम प्रवेश करो और लोग तुम्हें ग्रहण करें वहां जो कुछ तुम्हारे आगे रखा जाय सो खाओ। और उसमेंके रोगियोंको चंगा करो और लोगोंसे कहो कि ईश्वरका राज्य तुम्हारे निकट पहुंचा है। परन्तु जिस किसी नगर-में प्रवेश करो और लोग तुम्हें ग्रहण न करें उसकी सड़कोंपर जाके कहो. तुम्हारे नगरकी धूल भी जो हमोंपर लगी है हम तुम्हारे आगे पोंछ डालते हैं तौभी यह जानो कि ईश्वरका राज्य तुम्हारे निकट पहुंचा है। मैं तुमसे कहता हूं कि उस दिनमें उस नगरकी दशासे सदोमकी दशा सहने योग्य होगी ।

हाय तू कोराजीन. हाय तू बैतसैदा. जो आश्चर्य्य कर्म्म तुम्होंमें किये गये हैं सो यदि सोर और सीदोनमें किये जाते तो बहुत दिन बीते होते कि वे टाट पहिने राखमें बैठके पश्चात्ताप करते। परन्तु बिचारके दिनमें तुम्हारी दशासे सोर और सीदोनकी दशा सहने योग्य होगी । और हे कफर्नाहुम जो स्वर्गलों ऊंचा किया गया है तू नरकलों नीचा किया जायगा। जो तुम्हारी सुनता है सो मेरी सुनता है और जो तुम्हें तुच्छ जानता

है सो मुझे तुच्छ जानता है और जो मुझे तुच्छ जानता है सो मेरे भेजनेहारेको तुच्छ जानता है।

तब वे सत्तर शिष्य आनन्दसे फिर आके बोले हे प्रभु आपके नामसे भूत भी हमारे बशमें हैं। उसने उनसे कहा मैंने शैतानको बिजलीकी नाईं स्वर्गसे गिरते देखा। देखो मैं तुम्हें सांपों और बिच्छूओंको रौंदनेका और शत्रुके सारे पराक्रमपर सामर्थ्य देता हूं और किसी बस्तुसे तुम्हें कुछ हानि न होगी। तौभी इसमें आनन्द मत करो कि भूत तुम्हारे बशमें हैं परन्तु इसीमें आनन्द करो कि तुम्हारे नाम स्वर्गमें लिखे हुए हैं। उसी घड़ी यीशु आत्मामें आनन्दित हुआ और कहा हे पिता स्वर्ग और पृथिवीके प्रभु मैं तेरा धन्य मानता हूं कि तूने इन बातोंको ज्ञानवानों और बुद्धिमानोंसे गुप्त रखा है और उन्हें बालकोंपर प्रगट किया है. हां हे पिता क्योंकि तेरी दृष्टिमें यही अच्छा लगा। मेरे पिताने मुझे सब कुछ सौंपा है और पुत्र कौन है सो कोई नहीं जानता केवल पिता और पिता कौन है सो कोई नहीं जानता केवल पुत्र और वही जिसपर पुत्र उसे प्रगट किया चाहे। तब उसने अपने शिष्योंकी ओर फिरके निरालेमें कहा जो तुम देखते हो उसे जो नेत्र देखें सो धन्य हैं। क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि जो तुम देखते हो उसको बहुतेरे भविष्यद्वक्ताओं और राजाओंने देखने चाहा पर न देखा और जो तुम सुनते हो उसको सुनने चाहा पर न सुना।

देखो किसी व्यवस्थापकने उठके उसकी परीक्षा करने-

को कहा हे गुरु कौन काम करनेसे मैं अनन्त जीवनका अधिकारी होंगा। उसने उससे कहा व्यवस्थामें क्या लिखा है. तू कैसे पढ़ता है। उसने उत्तर दिया कि तू परमेश्वर अपने ईश्वरको अपने सारे मनसे और अपने सारे प्राणसे और अपनी सारी शक्तिसे और अपनी सारी बुद्धिसे प्रेम कर और अपने पड़ोसीको अपने समान प्रेम कर। यीशुने उससे कहा तूने ठीक उत्तर दिया है. यह कर तो तू जीयेगा। परन्तु उसने अपने तईं धर्म्मी ठहरानेकी इच्छा कर यीशुसे कहा मेरा पड़ोसी कौन है। यीशुने उत्तर दिया कि एक मनुष्य यिरूशलीमसे यिरीहोको जाते हुए डाकूओंके हाथमें पड़ा जिन्होंने उसके बस्त्र उतार लिये और उसे घायल कर अधमूआ छोड़के चले गये। संयोगसे कोई याजक उस मार्गसे जाता था परन्तु उसे देखके साम्हनेसे होके चला गया। इसी रीतिसे एक लेवीय भी जब उस स्थानपर पहुंचा तब आके उसे देखा और साम्हनेसे होके चला गया। परन्तु एक शोमिरोनी पथिक उस स्थानपर आया और उसे देखके दया किई. और उस पास जाके उसके घावोंपर तेल और दाख रस ढालके पट्टियां बांधीं और उसे अपनेही पशुपर बैठाके सरायमें लाके उसकी सेवा किई। बिहान हुए उसने बाहर आ दो सूकी निकालके भठियारेको दिईं और उससे कहा उस मनुष्यकी सेवा कर और जो कुछ तेरा और लगेगा सो मैं जब फिर आऊंगा तब तुझे भर देऊंगा। सो तू क्या समझता है जो डाकूओंके हाथमें पड़ा उसका पड़ोसी इन तीनोंमेंसे कौन

था। व्यवस्थापकने कहा वह जिसने उसपर दया किई. तब यीशुने उससे कहा जा तू भी वैसाही कर।

उन्होंके जाते हुए उसने किसी गांवमें प्रवेश किया और मर्था नाम एक स्त्रीने अपने घरमें उसकी पहुनई किई। उसको मरियम नाम एक बहिन थी जो यीशुके चरणोंके पास बैठके उसका बचन सुनती थी। परन्तु मर्था बहुत सेवकाईमें बझी हुई थी और वह निकट आके बोली हे प्रभु क्या आपको सोच नहीं है कि मेरी बहिनने मुझे अकेली सेवा करनेको छोड़ी है. इसलिये उसको आज्ञा दीजिये कि मेरी सहायता करे। यीशुने उसको उत्तर दिया हे मर्था हे मर्था तू बहुत बातोंके लिये चिन्ता करती और घबराती है। परन्तु एक बात आवश्यक है. और मरियमने उस उत्तम भागको चुना है जो उससे नहीं लिया जायगा।

११ एग्यारहवां पर्व्व।

१ प्रार्थनाके विषयमें यीशुका उपदेश। १४ लोगोंके अपबादका खंडन। २४ यिहूदियोंकी बुरी दशा। २७ धन्य कौन हैं उसका बर्णन। २९ यिहूदियोंके दोषका प्रमाण। ३३ दीपकका दृष्टान्त। ३७ यीशुका फरीशियोंको उलहना देना। ४५ व्यवस्थापकोंको उलहना देना।

जब यीशु एक स्थानमें प्रार्थना करता था ज्यों उसने समाप्ति किई त्यों उसके शिष्योंमेंसे एकने उससे कहा हे प्रभु जैसे योहनने अपने शिष्योंको सिखाया तैसे आप हमें प्रार्थना करनेको सिखाइये। उसने उनसे कहा जब तुम प्रार्थना करो तब कहो हे हमारे स्वर्गबासी पिता तेरा नाम पवित्र किया जाय तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा जैसे स्वर्गमें वैसे पृथिवीपर पूरी होय. हमारी दिनभरकी

रोटी प्रतिदिन हमें दे . और हमारे पापोंको क्षमा कर क्योंकि हम भी अपने हर एक ऋणीको क्षमा करते हैं और हमें परीक्षामें मत डाल परन्तु दुष्टसे बचा।

और उसने उनसे कहा तुममेंसे कौन है कि उसका एक मित्र होय और वह आधी रातको उस पास जाके उससे कहे कि हे मित्र मुझे तीन रोटी उधार दीजिये. क्योंकि एक पथिक मेरा मित्र मुझ पास आया है और उसके आगे रखनेको मेरे पास कुछ नहीं है. और वह भीतरसे उत्तर देवे कि मुझे दुःख न देना अब तो द्वार मूंदा गया है और मेरे बालक मेरे संग सोये हुए हैं मैं उठके तुझे नहीं दे सकता हूं । मैं तुमसे कहता हूं जो वह इसलिये नहीं उसे उठके देगा कि उसका मित्र है तौभी उसके लाज छोड़के मांगनेके कारण उठके उसको जितना कुछ आवश्यक हो उतना देगा। और मैं तुम्होंसे कहता हूं कि मांगो तो तुम्हें दिया जायगा ढूंढ़ो तो तुम पाओगे खटखटाओ तो तुम्हारे लिये खोला जायगा। क्योंकि जो कोई मांगता है उसे मिलता है और जो ढूंढ़ता है सो पाता है और जो खटखटाता है उसके लिये खोला जायगा। तुममेंसे कौन पिता होगा जिससे पुत्र रोटी मांगे क्या वह उसको पत्थर देगा. और जो वह मछली मांगे तो क्या वह मछलीकी सन्ती उसको सांप देगा। अथवा जो वह अंडा मांगे तो क्या वह उसको बिच्छू देगा। सो यदि तुम बुरे होके अपने लड़कोंको अच्छे दान देने जानते हो तो कितना अधिक करके स्वर्गीय पिता उन्होंको जो उससे मांगते हैं पवित्र आत्मा देगा।

यीशु एक भूतको जो गूंगा था निकालता था. जब भूत निकल गया तब वह गूंगा बोलने लगा और लोगोंने अचंभा किया। परन्तु उनमेंसे कोई कोई बोले यह तो बालजिबूल नाम भूतोंके प्रधानकी सहायतासे भूतोंको निकालता है। औरोंने उसकी परीक्षा करनेको उससे आकाशका एक चिन्ह मांगा। पर उसने उनके मनकी बातें जानके उनसे कहा जिस जिस राज्यमें फूट पड़ी है वह राज्य उजड़ जाता है और घरसे घर जो बिगड़ता है सो नाश होता है। और यदि शैतानमें भी फूट पड़ी है तो उसका राज्य क्योंकर ठहरेगा. तुम लोग तो कहते हो कि मैं बालजिबूलकी सहायतासे भूतोंको निकालता हूं। पर यदि मैं बालजिबूलकी सहायतासे भूतोंको निकालता हूं तो तुम्हारे सन्तान किसकी सहायतासे निकालते हैं. इसलिये वे तुम्हारे न्याय करनेहारे होंगे। परन्तु जो मैं ईश्वरकी उंगलीसे भूतोंको निकालता हूं तो अवश्य ईश्वरका राज्य तुम्हारे पास पहुंच चुका है। जब हथियार बांधे हुए बलवन्त अपने घरकी रखवाली करता है तब उसकी सम्पत्ति कुशलसे रहती है। परन्तु जब वह जो उससे अधिक बलवन्त है उसपर आ पहुंचकर उसे जीतता है तब उसके सम्पूर्ण हथियार जिनपर वह भरोसा रखता था छीन लेता और उसका लूटा हुआ धन बांटता है। जो मेरे संग नहीं है सो मेरे बिरुद्ध है और जो मेरे संग नहीं बटोरता सो बिथराता है।

जब अशुद्ध भूत मनुष्यसे निकल जाता है तब सूखे स्थानोंमें बिश्राम ढूंढ़ता फिरता है परन्तु जब नहीं पाता

तब कहता है कि मैं अपने घरमें जहांसे निकला फिर जाऊंगा। और वह आके उसे झाड़ा बुहारा सुथरा पाता है। तब वह जाके अपनेसे अधिक दुष्ट सात और भूतोंको ले आता है और वे भीतर पैठके वहां बास करते हैं और उस मनुष्यकी पिछली दशा पहिलीसे बुरी होती है।

वह यह बातें कहताही था कि भीड़मेंसे किसी स्त्रीने ऊंचे शब्दसे उससे कहा धन्य वह गर्भ जिसने तुझे धारण किया और वे स्तन जो तूने पिये। उसने कहा हां पर वेही धन्य हैं जो ईश्वरका बचन सुनके पालन करते हैं।

जब बहुत लोगोंकी भीड़ एकट्ठी होने लगी तब वह कहने लगा कि इस समयके लोग दुष्ट हैं. वे चिन्ह ढूंढ़ते हैं परन्तु कोई चिन्ह उनको नहीं दिया जायगा केवल यूनस भविष्यद्वक्ताका चिन्ह। जैसा यूनस निनिवीय लोगोंके लिये चिन्ह था वैसाही मनुष्यका पुत्र इस समय-के लोगोंके लिये होगा। दक्षिणकी राणी बिचारके दिनमें इस समयके मनुष्योंके संग उठके उन्हें दोषी ठहरावेगी क्योंकि वह सुलेमानका ज्ञान सुननेको पृथि-वीके अन्तसे आई और देखो यहां एक है जो सुलेमानसे भी बड़ा है। निनिवीके लोग बिचारके दिनमें इस समयके लोगोंके संग खड़े हो उन्हें दोषी ठहरावेंगे क्योंकि उन्होंने यूनसका उपदेश सुनके पश्चात्ताप किया और देखो यहां एक है जो यूनससे भी बड़ा है।

कोई मनुष्य दीपकको बारके गुप्तमें अथवा बर्त्तनके नीचे नहीं रखता है परन्तु दीवटपर कि जो भीतर आवें सो उजियाला देखें। शरीरका दीपक आंख है इसलिये

जब तेरी आंख निर्मल है तब तेरा सकल शरीर भी उजियाला है परन्तु जब वह बुरी है तब तेरा शरीर भी अंधियारा है। सो देख लो कि जो ज्योति तुझमें है सो अंधकार न होवे। यदि तेरा सकल शरीर उजियाला हो और उसका कोई अंश अंधियारा न हो तो जैसा कि जब दीपक अपनी चमकसे तुझे ज्योति देवे तैसाही वह सब प्रकाशमान होगा।

जब यीशु बात करता था तब किसी फरीशीने उससे बिन्ती किई कि मेरे यहां भोजन कीजिये और वह भीतर जाके भोजनपर बैठा। फरीशीने जब देखा कि उसने भोजनके पहिले नहीं धोया तब अचंभा किया। प्रभुने उससे कहा अब तुम फरीशी लोग कटोरे और थालको बाहर बाहर शुद्ध करते हो परन्तु तुम्हारा अन्तर अन्धेर और दुष्टतासे भरा है। हे निर्बुद्धि लोगो जिसने बाहरको बनाया क्या उसने भीतरको भी नहीं बनाया। परन्तु भीतरवाली बस्तुओंको दान करो तो देखो तुम्हारे लिये सब कुछ शुद्ध है। परन्तु हाय तुम फरीशियो तुम पोदीने और आरूदेको और सब भांतिके साग पातका दसवां अंश देते हो परन्तु न्यायको और ईश्वरके प्रेमको उल्लंघन करते हो. इन्हें करना और उन्हें न छोड़ना उचित था। हाय तुम फरीशियो तुम्हें सभाके घरोंमें ऊंचे आसन और बाजारोंमें नमस्कार प्रिय लगते हैं। हाय तुम कपटी अध्यापको और फरीशियो तुम उन कबरोंके समान हो जो दिखाई नहीं देतीं और मनुष्य जो उनके ऊपरसे चलते हैं नहीं जानते हैं।

तब व्यवस्थापकोंमेंसे किसीने उसको उत्तर दिया कि हे गुरु यह बातें कहनेसे आप हमोंकी भी निन्दा करते हैं । उसने कहा हाय तुम व्यवस्थापको भी तुम बोझे जिनको उठाना कठिन है मनुष्योंपर लादते हो परन्तु तुम आप उन बोझोंको अपनी एक उंगलीसे नहीं छूते हो । हाय तुम लोग तुम भविष्यद्वक्ताओंकी कबरें बनाते हो जिन्हें तुम्हारे पितरोंने मार डाला । सो तुम अपने पितरोंके कामोंपर साक्षी देते हो और उनमें सम्मति देते हो क्योंकि उन्होंने तो उन्हें मार डाला और तुम उनकी कबरें बनाते हो । इसलिये ईश्वरके ज्ञानने कहा है कि मैं उन्होंके पास भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितोंको भेजूंगा और वे उनमेंसे कितनोंको मार डालेंगे और सतावेंगे . कि हाबिलके लोहूसे लेके जिखरियाहके लोहूतक जो बेदी और मन्दिरके बीचमें घात किया गया जितने भविष्यद्वक्ताओंका लोहू जगतकी उत्पत्तिसे बहाया जाता है सबका लेखा इस समयके लोगोंसे लिया जाय । हां मैं तुमसे कहता हूं उसका लेखा इसी समय-के लोगोंसे लिया जायगा । हाय तुम व्यवस्थापको तुमने ज्ञानकी कुंजी ले लिई है . तुमने आपही प्रवेश नहीं किया है और प्रवेश करनेहारोंको बर्जा है ।

जब वह उन्होंसे यह बातें कहता था तब अध्यापक और फरीशी लोग निपट बैर करने और बहुत बातोंके विषयमें उसे कहवाने लगे . और दांव ताकते हुए उसके मुंहसे कुछ पकड़ने चाहते थे कि उसपर दोष लगावें ।

---

१२ बारहवां पर्ब्ब ।

१ यीशुका अपने शिष्योंको अनेक बातोंके विषयमें चिताना । १३ निर्बुद्धि धनवानका दृष्टान्त । २२ संसारमें मन लगानेका निषेध । ३५ सचेत रहनेका उपदेश और दासोंका दृष्टान्त । ४९ अवैये दु:खोंका भविष्यद्वाक्य । ५४ कपटियोंपर उलहना ।

उस समयमें सहस्रों लोग एकट्ठे हुए यहांलों कि एक दूसरेपर गिरे पड़ते थे इसपर यीशु अपने शिष्योंसे पहिले कहने लगा कि फरीशियोंके खमीरसे अर्थात कपटसे चौकस रहो। कुछ छिपा नहीं है जो प्रगट न किया जायगा और न कुछ गुप्त है जो जाना न जायगा। इसलिये जो कुछ तुमने अंधियारेमें कहा है सो उजियालेमें सुना जायगा और जो तुमने कोठरियोंमें कानोंमें कहा है सो कोठोंपरसे प्रचार किया जायगा। मैं तुम्होंसे जो मेरे मित्र हो कहता हूं कि जो शरीरको मार डालते हैं परन्तु उसके पीछे और कुछ नहीं कर सकते हैं उनसे मत डरो। मैं तुम्हें बताऊंगा तुम किससे डरो. घात करनेके पीछे नरकमें डालनेका जिसको अधिकार है उसीसे डरो. हां मैं तुमसे कहता हूं उसीसे डरो। क्या दो पैसेमें पांच गौरैया नहीं बिकतीं तौभी ईश्वर उनमेंसे एकको भी नहीं भूलता है। परन्तु तुम्हारे सिरके बाल भी सब गिने हुए हैं इसलिये मत डरो तुम बहुत गौरैयाओंसे अधिक मोलके हो। मैं तुमसे कहता हूं जो कोई मनुष्योंके आगे मुझे मान लेवे उसे मनुष्यका पुत्र भी ईश्वरके दूतोंके आगे मान लेगा। परन्तु जो मनुष्योंके आगे मुझे नकारे सो ईश्वरके दूतोंके आगे नकारा जायगा। जो कोई मनुष्यके पुत्रके बिरोधमें बात कहे वह

उसके लिये क्षमा किई जायगी परन्तु जो पवित्र आत्मा-की निन्दा करे वह उसके लिये नहीं क्षमा किई जायगी। जब लोग तुम्हें सभाओं और अध्यक्षों और अधिकारियों-के आगे ले जावें तब किस रीतिसे अथवा क्या उत्तर देओगे अथवा क्या कहोगे इसकी चिन्ता मत करो। क्योंकि जो कुछ कहना उचित होगा सो पवित्र आत्मा उसी घड़ी तुम्हें सिखावेगा।

भीड़मेंसे किसीने उससे कहा हे गुरु मेरे भाईसे कहिये कि पिताका धन मेरे संग बांट लेवे। उसने उससे कहा हे मनुष्य किसने मुझे तुम्होंपर न्यायी अथवा बांटनेहारा ठहराया। और उसने लोगोंसे कहा देखो लोभसे बचे रहो क्योंकि किसीको धन बहुत होय तौभी उसका जीवन उसके धनसे नहीं है। उसने उन्होंसे एक दृष्टान्त भी कहा कि किसी धनवान मनुष्यकी भूमिमें बहुत कुछ उपजा। तब वह अपने मनमें बिचार करने लगा कि मैं क्या करूं क्योंकि मुझको अपना अन्न रखनेका स्थान नहीं है। और उसने कहा मैं यही करूंगा मैं अपनी बखारियां तोड़के बड़ी बड़ी बनाऊंगा और वहां अपना सब अन्न और अपनी सम्पत्ति रखूंगा। और मैं अपने मनसे कहूंगा हे मन तेरे पास बहुत बरसोंके लिये बहुत सम्पति रखी हुई है बिश्राम कर खा पी सुखसे रह। परन्तु ईश्वरने उससे कहा हे मूर्ख इसी रात तेरा प्राण तुझसे ले लिया जायगा तब जो कुछ तूने एकट्ठा किया है सो किसका होगा। जो अपने लिये धन बटोरता है और ईश्वरकी ओर धनी नहीं है सो ऐसाही है।

फिर उसने अपने शिष्योंसे कहा इसलिये मैं तुमसे कहता हूं अपने प्राणके लिये चिन्ता मत करो कि हम क्या खायेंगे न शरीरके लिये कि क्या पहिरेंगे। भोजनसे प्राण और बस्त्रसे शरीर बड़ा है। कौवोंको देख लो. वे न बोते हैं न लवते हैं उनको न भंडार न खत्ता है तौभी ईश्वर उनको पालता है. तुम पंछियोंसे कितने बड़े हो। तुममेंसे कौन मनुष्य चिन्ता करनेसे अपनी आयुकी दौड़को एक हाथ भी बढ़ा सकता है। सो यदि तुम अति छोटा काम भी नहीं कर सकते हो तो और बातोंके लिये क्यों चिन्ता करते हो। सोसन फूलोंको देख लो वे कैसे बढ़ते हैं. वे न परिश्रम करते हैं न कातते हैं परन्तु मैं तुमसे कहता हूं कि सुलेमान भी अपने सारे बिभवमें उनमेंसे एकके तुल्य बिभूषित न था। यदि ईश्वर घासको जो आज खेतमें है और कल चूल्हेमें झोंकी जायगी ऐसी बिभूषित करता है तो हे अल्पबिश्वासियो कितना अधिक करके वह तुम्हें पहिरावेगा। तुम यह खोज मत करो कि हम क्या खायेंगे अथवा क्या पीयेंगे और न सन्देह करो। जगतके देवपूजक लोग इन सब बस्तुओंको खोज करते हैं और तुम्हारा पिता जानता है कि तुम्हें इन बस्तुओंका प्रयोजन है। परन्तु ईश्वरके राज्यको खोज करो तब यह सब बस्तु भी तुम्हें दिई जायेंगीं। हे छोटे झुंड मत डरो क्योंकि तुम्हारे पिताको तुम्हें राज्य देनेमें प्रसन्नता है। अपनी सम्पत्ति बेचके दान करो. अजर थैलियां और अक्षय धन अपने लिये स्वर्गमें एकट्ठा करो जहां चोर नहीं पहुंचता है और न

कीड़ा बिगाड़ता है। क्योंकि जहां तुम्हारा धन है तहां तुम्हारा मन भी लगा रहेगा ।

तुम्हारी कमरें बंधी और दीपक जलते रहें। और तुम उन मनुष्योंके समान होओ जो अपने स्वामीकी बाट देखते हैं कि वह बिवाहसे कब लौटेगा इसलिये कि जब वह आके द्वार खटखटावे तब वे उसके लिये तुरन्त खोलें। वे दास धन्य हैं जिन्हें स्वामी आके जागते पावे . मैं तुमसे सच कहता हूं वह कमर बांधके उन्हें भोजनपर बैठावेगा और आके उनकी सेवा करेगा। जो वह दूसरे पहर आवे अथवा तीसरे पहर आवे और ऐसाही पावे तो वे दास धन्य हैं। तुम यह जानते हो कि यदि घरका स्वामी जानता चोर किस घड़ी आवेगा तो वह जागता रहता और अपने घरमें सेंध पड़ने न देता। इसलिये तुम भी तैयार रहो क्योंकि जिस घड़ीका अनुमान तुम नहीं करते हो उसी घड़ी मनुष्यका पुत्र आवेगा। तब पितरने उससे कहा हे प्रभु क्या आप हमोंसे अथवा सब लोगोंसे भी यह दृष्टान्त कहते हैं । प्रभुने कहा वह बिश्वासयोग्य और बुद्धिमान भंडारी कौन है जिसे स्वामी अपने परिवारपर प्रधान करेगा कि समयमें उन्हें सीधा देवे । वह दास धन्य है जिसे उसका स्वामी आके ऐसा करते पावे। मैं तुमसे सच कहता हूं वह उसे अपनी सब सम्पत्तिपर प्रधान करेगा। परन्तु जो वह दास अपने मनमें कहे कि मेरा स्वामी आनेमें बिलंब करता है और दासों और दासियोंको मारने लगे और खाने पीने और मतवाला होने लगे . तो जिस दिन वह बाट

जोहता न रहे और जिस घड़ीका वह अनुमान न करे उसीमें उस दासका स्वामी आवेगा और उसको बड़ी ताड़ना देके अविश्वासियोंके संग उसका अंश देगा। वह दास जो अपने स्वामीकी इच्छा जानता था परन्तु तैयार न रहा और उसकी इच्छाके समान न किया बहुतसी मार खायगा परन्तु जो नहीं जानता था और मार खानेके योग्य काम किया सो थोड़ीसी मार खायगा। और जिस किसीको बहुत दिया गया है उससे बहुत मांगा जायगा और जिसको लोगोंने बहुत सौंपा है उससे वे अधिक मांगेंगे।

मैं पृथिवीपर आग लगाने आया हूं और मैं क्या चाहता हूं केवल यह कि अभी सुलग जाती। मुझे एक बपतिसमा लेना है और जबलों वह सम्पूर्ण न होय तबलों मैं कैसे सकेतमें हूं। क्या तुम समझते हो कि मैं पृथिवीपर मिलाप करवाने आया हूं. मैं तुमसे कहता हूं सो नहीं परन्तु फूट। क्योंकि अबसे एक घरमें पांच जन अलग अलग होंगे तीन दोके बिरुद्ध और दो तीनके बिरुद्ध। पिता पुत्रके बिरुद्ध और पुत्र पिताके बिरुद्ध मां बेटीके बिरुद्ध और बेटी मांके बिरुद्ध सास अपनी पतोहके बिरुद्ध और पतोह अपनी सासके बिरुद्ध अलग अलग होंगे।

और भी उसने लोगोंसे कहा जब तुम मेघको पश्चिमसे उठते देखते हो तब तुरन्त कहते हो कि झड़ी आती है और ऐसा होता है। और जब दक्षिणकी बयार चलते देखते हो तब कहते हो कि घाम होगा और वह भी होता है। हे कपटियो तुम धरती और आकाशका रूप

चीन्ह सकते हो परन्तु इस समयको क्योंकर नहीं चीन्हते हो। और जो उचित है उसको तुम आपहीसे क्यों नहीं बिचार करते हो। जब तू अपने मुद्दईके संग अध्यक्षके पास जाता है मार्गहीमें उससे छूटनेका यत्न कर ऐसा न हो कि वह तुझे न्यायीके पास खींच ले जाय और न्यायी तुझे प्यादेको सौंपे और प्यादा तुझे बन्दीगृहमें डाले। मैं तुझसे कहता हूं कि जबलों तू कौड़ी कौड़ी भर न देवे तबलों वहांसे छूटने न पावेगा।

१३ तेरहवां पर्ब्ब ।

१ पश्चात्ताप करनेकी आवश्यकता। ६ निष्फल गूलर वृक्षका दृष्टान्त। १० यीशुका एक कुबड़ी स्त्रीको चंगा करना और बिश्रामवारके विषयमें निर्णय करना। १८ राईके दाने और खमीरके दृष्टान्त। २२ सकेत फाटकसे पैठनेका उपदेश। ३१ हेरोदपर उलहना और यिरूशलीमके नाश होनेकी भविष्यद्वाणी।

उस समयमें कितने लोग आ पहुंचे और उन गालीलियोंके विषयमें जिनका लोहू पिलातने उनके बलिदानोंके संग मिलाया था यीशुसे बात करने लगे। उसने उन्हें उत्तर दिया क्या तुम समझते हो कि ये गालीली लोग सब गालीलियोंसे अधिक पापी थे कि उन्होंपर ऐसी बिपत्ति पड़ी। मैं तुमसे कहता हूं सो नहीं परन्तु जो तुम पश्चात्ताप न करो तो तुम सब उसी रीतिसे नष्ट होगे। अथवा क्या तुम समझते हो कि वे अठारह जन जिन्होंपर शीलोहमें गुम्मट गिर पड़ा और उन्हें नाश किया सब मनुष्योंसे जो यिरूशलीममें रहते थे अधिक अपराधी थे। मैं तुमसे कहता हूं सो नहीं परन्तु जो तुम पश्चात्ताप न करो तो तुम सब उसी रीतिसे नष्ट होगे।

उसने यह दृष्टान्त भी कहा कि किसी मनुष्यकी दाखकी बारीमें एक गूलरका वृक्ष लगाया गया था और उसने आके उसमें फल ढूंढ़ा पर न पाया। तब उसने मालीसे कहा देख मैं तीन बरससे आके इस गूलरके वृक्षमें फल ढूंढ़ता हूं पर नहीं पाता हूं. उसे काट डाल वह भूमिको क्यों निकम्मी करता है। मालीने उसको उत्तर दिया कि हे स्वामी उसको इस बरस भी रहने दीजिये जबलों मैं उसका थाला खोदके खाद भरूं। तब जो उसमें फल लगे तो भला. नहीं तो पीछे उसे कटवा डालिये।

बिश्रामके दिन यीशु एक सभाके घरमें उपदेश करता था। और देखो एक स्त्री थी जिसे अठारह बरससे एक दुर्बल करनेवाला भूत लगा था और वह कुबड़ी थी और किसी रीतिसे अपनेको सीधी न कर सकती थी। यीशुने उसे देखके अपने पास बुलाया और उससे कहा हे नारी तू अपनी दुर्बलतासे छुड़ाई गई है। तब उसने उसपर हाथ रखा और वह तुरन्त सीधी हुई और ईश्वरकी स्तुति करने लगी। परन्तु यीशुने बिश्रामके दिनमें चंगा किया इससे सभाका अध्यक्ष रिसियाने लगा और उत्तर दे लोगोंसे कहा छः दिन हैं जिनमें काम करना उचित है सो उन दिनोंमें आके चंगे किये जाओ और बिश्रामके दिनमें नहीं। प्रभुने उसको उत्तर दिया कि हे कपटी क्या बिश्रामके दिन तुम्हेंामेंसे हर एक अपने बैल अथवा गधेको थानसे खोलके जल पिलानेको नहीं ले जाता। और क्या उचित न था कि यह स्त्री जो इब्राहीमकी पुत्री है जिसे शैतानने देखो अठारह

बरससे बांध रखा था बिश्रामके दिनमें इस बंधनसे खोली जाय । जब उसने यह बातें कहीं तब उसके सब बिरोधी लज्जित हुए और समस्त लोग सब प्रतापके कर्म्मोंके लिये जो वह करता था आनन्दित हुए ।

फिर उसने कहा ईश्वरका राज्य किसके समान है और मैं उसकी उपमा किससे देऊंगा । वह राईके एक दानेकी नाईं है जिसे किसी मनुष्यने लेके अपनी बारीमें बोया और वह बढ़ा और बड़ा पेड़ हो गया और आकाशके पंछियोंने उसकी डालियोंपर बसेरा किया । उसने फिर कहा मैं ईश्वरके राज्यकी उपमा किससे देऊं-गा । वह खमीरकी नाईं है जिसको किसी स्त्रीने लेके तीन पसेरी आटेमें छिपा रखा यहांलों कि सब खमीर हो गया ।

वह उपदेश करता हुआ नगर नगर और गांव गांव होके यिरूशलीमकी ओर जाता था । तब किसीने उससे कहा हे प्रभु क्या त्राण पानेहारे थोड़े हैं । उसने उन्होंसे कहा सकेत फाटकसे प्रवेश करनेको साहस करो क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि बहुत लोग प्रवेश करने चाहेंगे और नहीं सकेंगे । जब घरका स्वामी उठके द्वार मूंद चुके-गा और तुम बाहर खड़े हुए द्वार खटखटाने लगोगे और कहोगे हे प्रभु हे प्रभु हमारे लिये खोलिये और वह तुम्हें उत्तर देगा मैं तुम्हें नहीं जानता हूं तुम कहांके हो . तब तुम कहने लगोगे कि हम लोग आपके साम्ने खाते औ पीते थे और आपने हमारी सड़कोंमें उपदेश किया । परन्तु वह कहेगा मैं तुमसे कहता हूं मैं तुम्हें नहीं जानता हूं तुम कहांके हो . हे कुकर्म्म करनेहारो

तुम सब मुझसे दूर होओ। वहां रोना औ दांत पीसना होगा कि उस समय तुम इब्राहीम और इसहाक और याकूब और सब भविष्यद्वक्ताओंको ईश्वरके राज्यमें बैठे हुए और अपनेको बाहर निकाले हुए देखोगे। और लोग पूर्व्व और पश्चिम और उत्तर और दक्षिणसे आके ईश्वरके राज्यमें बैठेंगे। और देखो कितने पिछले हैं जो अगले होंगे और कितने अगले हैं जो पिछले होंगे।

उसी दिन कितने फरीशियोंने आके उससे कहा यहांसे निकलके चला जा क्योंकि हेरोद तुझे मार डालने चाहता है। उसने उनसे कहा जाके उस लोमड़ीसे कहो कि देखो मैं आज और कल भूतोंको निकालता और रोगियोंको चंगा करता हूं और तीसरे दिन सिद्ध होंगा। तौभी आज और कल और परसों फिरना मुझे अवश्य है क्योंकि हो नहीं सकता कि कोई भविष्यद्वक्ता यिरूशलीमके बाहर नाश किया जाय। हे यिरूशलीम यिरूशलीम जो भविष्यद्वक्ताओंको मार डालती है और जो तेरे पास भेजे गये हैं उन्हें पत्थरवाह करती है जैसे मुर्गी अपने बच्चोंको पंखोंके नीचे एकट्ठे करती है वैसेही मैंने कितनी बेर तेरे बालकोंको एकट्ठे करनेकी इच्छा किई परन्तु तुमने न चाहा। देखो तुम्हारा घर तुम्हारे लिये उजाड़ छोड़ा जाता है और मैं तुमसे सच कहता हूं जिस समयमें तुम कहोगे धन्य वह जो परमेश्वरके नामसे आता है वह समय जबलों न आवे तबलों तुम मुझे फिर न देखोगे।

---

१४ चैादहवां पर्ब्ब ।

१ यीशुका बिश्रामके दिनमें एक जलंधरीको चंगा करना । ७ नेवतहरियोंके दृष्टान्तसे नम्र होनेका उपदेश । १२ नेवता करनेके दृष्टान्तसे परोपकारका उपदेश। १५ बियारीका दृष्टान्त । २५ यीशुके शिष्य होनेमें जो दुःख सहना होगा उसे आगेसे सोचनेका उपदेश ।

जब यीशु बिश्रामके दिन प्रधान फरीशियोंमेंसे किसीके घरमें रोटी खानेको गया तब वे उसको ताकते थे । और देखो एक मनुष्य उसके साम्हने था जिसे जलंधर रोग था । इसपर यीशुने व्यवस्थापकों और फरीशियोंसे कहा क्या बिश्रामके दिनमें चंगा करना उचित है. परन्तु वे चुप रहे । तब उसने उस मनुष्यको लेके चंगा करके बिदा किया . और उन्हें उत्तर दिया कि तुममेंसे किसका गधा अथवा बैल कूंएमें गिरेगा और वह तुरन्त बिश्रामके दिनमें उसे न निकालेगा। वे उसको इन बातोंका उत्तर नहीं दे सके ।

जब उसने देखा कि नेवतहरी लोग क्योंकर ऊंचे ऊंचे स्थान चुन लेते हैं तब एक दृष्टान्त दे उन्होंसे कहा . जब कोई तुझे बिवाहके भोजमें बुलावे तब ऊंचे स्थानमें मत बैठ ऐसा न हो कि उसने तुझसे अधिक आदरके योग्य किसीको बुलाया हो. और जिसने तुझे और उसे नेवता दिया सो आके तुझसे कहे कि इस मनुष्यको स्थान दीजिये और तब तू लज्जित हो सबसे नीचा स्थान लेने लगे । परन्तु जब तू बुलाया जाय तब सबसे नीचे स्थानमें जाके बैठ इसलिये कि जब वह जिसने तुझे नेवता दिया है आवे तब तुझसे कहे हे मित्र और ऊपर आइये . तब तेरे संग बैठनेहारोंके साम्ने तेरा आदर होगा । क्योंकि

जो कोई अपनेको ऊंचा करे सो नीचा किया जायगा और जो अपनेको नीचा करे सो ऊंचा किया जायगा।

तब जिसने उसे नेवता दिया था उसने उससे भी कहा जब तू दिनका अथवा रातका भोजन बनावे तब अपने मित्रों वा अपने भाइयों वा अपने कुटुंबों वा धनवान पड़ोसियोंको मत बुला ऐसा न हो कि वे भी इसके बदले तुझे नेवता देवें और यही तेरा प्रतिफल होय। परन्तु जब तू भोज करे तब कंगालों टुंडों लंगड़ों और अन्धोंको बुला। और तू धन्य होगा क्योंकि वे तुझे प्रतिफल नहीं दे सकते हैं परन्तु धर्म्मियोंके जी उठनेपर प्रतिफल तुझको दिया जायगा।

उसके संग बैठनेहारोंमेंसे एकने यह बातें सुनके उससे कहा धन्य वह जो ईश्वरके राज्यमें रोटी खायगा। उसने उससे कहा किसी मनुष्यने बड़ी बियारी बनाई और बहुतोंको बुलाया। बियारीके समयमें उसने अपने दासके हाथ नेवतहरियोंको कहला भेजा कि आओ सब कुछ अब तैयार है। परन्तु वे सब एक मत होके क्षमा मांगने लगे. पहिलेने उस दाससे कहा मैंने कुछ भूमि मोल लिई है और उसे जाके देखना मुझे अवश्य है मैं तुझसे बिन्ती करता हूं मुझे क्षमा करवा। दूसरेने कहा मैंने पांच जोड़े बैल मोल लिये हैं और उन्हें परखनेको जाता हूं मैं तुझसे बिन्ती करता हूं मुझे क्षमा करवा। तीसरेने कहा मैंने बिवाह किया है इसलिये मैं नहीं आ सकता हूं। उस दासने आके अपने स्वामीको यह बातें सुनाईं तब घरके स्वामीने क्रोध कर अपने

दाससे कहा नगरकी सड़कों श्रीर गलियोंमें शीघ्र जाके कंगालों श्री टुंडों श्री लंगड़ों श्रीर अन्धोंको यहां ले आ। दासने फिर कहा हे स्वामी जैसे आपने आज्ञा दिई तैसे किया गया है श्रीर अब भी जगह है। स्वामीने दाससे कहा राजपथोंमें श्रीर गाछोंके नीचे जाके लोगोंको बिन लानेसे मत छोड़ कि मेरा घर भर जावे। क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि उन नेवते हुए मनुष्योंमेंसे कोई मेरी बियारी न चीखेगा।

बड़ी भीड़ यीशुके संग जाती थी श्रीर उसने पीछे फिरके उन्होंसे कहा . यदि कोई मेरे पास आवे श्रीर अपनी माता श्रीर पिता श्रीर स्त्री श्रीर लड़कों श्रीर भाइयों श्रीर बहिनोंको हां श्रीर अपने प्राणको भी अप्रिय न जाने तो वह मेरा शिष्य नहीं हो सकता है। श्रीर जो कोई अपना क्रूश उठाये हुए मेरे पीछे न आवे वह मेरा शिष्य नहीं हो सकता है। तुममेंसे कौन है कि गढ़ बनाने चाहता हो श्रीर पहिले बैठके खर्च न जोड़े कि समाप्ति करनेको बिसात मुझे है कि नहीं। ऐसा न हो कि जब वह नेव डालके समाप्ति न कर सके तब सब देखनेहारे उसे ठट्ठेमें उड़ाने लगें . श्रीर कहें यह मनुष्य बनाने लगा परन्तु समाप्ति नहीं कर सका। अथवा कौन राजा है कि दूसरे राजासे लड़ाई करनेको जाता हो श्रीर पहिले बैठके बिचार न करे कि जो बीस सहस्र लेके मेरे बिरुद्ध आता है मैं दस सहस्र लेके उसका साम्हना कर सकता हूं कि नहीं। श्रीर जो नहीं तो उसके दूर रहतेही वह दूतोंको भेजके मिलाप चाहता है। इसी रीतिसे

तुम्होंमेंसे जो कोई अपना सर्व्वस्व त्यागन न करे वह मेरा शिष्य नहीं हो सकता है। लोण अच्छा है परन्तु यदि लोणका स्वाद बिगड़ जाय तो वह किससे स्वादित किया जायगा। वह न भूमिके न खादके लिये काम आता है. लोग उसे बाहर फेंकते हैं. जिसको सुन-नेके कान हों सो सुने।

१५ पन्द्रहवां पर्ब्ब।

१ खोई हुई भेड़ और खोई हुई सूकीके दृष्टान्त। ११ उड़ाऊ पुत्रका दृष्टान्त

कर उगाहनेहारे और पापी लोग सब यीशु पास आते थे कि उसकी सुनें। और फरीशी और अध्यापक कुड़कुड़ाके कहने लगे यह तो पापियोंको ग्रहण करता और उनके संग खाता है। तब उसने उन्होंसे यह दृष्टान्त कहा. तुममेंसे कौन मनुष्य है कि उसकी सौ भेड़ हों और उसने उनमेंसे एकको खोया हो और वह निन्नानवेको जंगलमें न छोड़े और जबलों उस खोई हुईको न पावे तबलों उसके खोजमें न जाय। और वह उसे पाके आनन्दसे अपने कांधोंपर रखता है और घरमें आके मित्रों औ पड़ोसियोंको एकट्ठे बुलावे उन्होंसे कहता है मेरे संग आनन्द करो कि मैंने अपनी खोई हुई भेड़ पाई है। मैं तुमसे कहता हूं कि इसी रीतिसे जिन्हें पश्चात्ताप करनेका प्रयोजन न होय ऐसे निन्नानवे धर्म्मियोंसे अधिक एक पापीके लिये जो पश्चात्ताप करे स्वर्गमें आनन्द होगा।

अथवा कौन स्त्री है कि उसकी दस सूकी हों और वह जो एक सूकी खोवे तो दीपक बारके औ घर बुहारके

उसे जबलों न पावे तबलों यत्नसे न ढूंढे। और वह उसे पाके सखियों औ पड़ोसिनियोंको एकट्ठी बुलाके कहती है मेरे संग आनन्द करो कि मैंने जो सूकी खोई थी सो पाई है। मैं तुमसे कहता हूं कि इसी रीतिसे एक पापीके लिये जो पश्चात्ताप करता है ईश्वरके दूतोंमें आनन्द होता है।

फिर उसने कहा किसी मनुष्यके दो पुत्र थे। उनमेंसे छुटकेने पितासे कहा हे पिता सम्पत्तिमेंसे जो मेरा अंश होय सो मुझे दीजिये. तब उसने उनको अपनी सम्पत्ति बांट दिई। बहुत दिन नहीं बीते कि छुटका पुत्र सब कुछ एकट्ठा करके दूर देश चला गया और वहां लुचपन-में दिन बिताते हुए अपनी सम्पत्ति उड़ा दिई। जब वह सब कुछ उठा चुका तब उस देशमें बड़ा अकाल पड़ा और वह कंगाल हो गया। और वह जाके उस देशके निवासियोंमेंसे एकके यहां रहने लगा जिसने उसे अपने खेतोंमें सूअर चरानेको भेजा। और वह उन छीमियोंसे जिन्हें सूअर खाते थे अपना पेट भरने चाहता था और कोई नहीं उसको कुछ देता था। तब उसे चेत हुआ और उसने कहा मेरे पिताके कितने मजूरोंको भोजनसे अधिक रोटी होती है और मैं भूखसे मरता हूं। मैं उठके अपने पिता पास जाऊंगा और उससे कहूंगा हे पिता मैंने स्वर्गके बिरुद्ध और आपके साम्ने पाप किया है। मैं फिर आपका पुत्र कहावनेके योग्य नहीं हूं मुझे अपने मजूरोंमेंसे एकके समान कीजिये। तब वह उठके अपने पिता पास चला पर वह दूरही था कि

उसके पिताने उसे देखके दया किई और दौड़के उसके गलेमें लिपटके उसे चूमा। पुत्रने उससे कहा हे पिता मैंने स्वर्गके बिरुद्ध और आपके साम्ने पाप किया है और फिर आपका पुत्र कहावनेके योग्य नहीं हूं। परन्तु पिताने अपने दासोंसे कहा सबसे उत्तम बस्त्र निकालके उसे पहिनाओ और उसके हाथमें अंगूठी और पांवोंमें जूते पहिनाओ। और मोटा बछड़ू लाके मारो और हम खावें और आनन्द करें। क्योंकि यह मेरा पुत्र मूआ था फिर जीआ है खो गया था फिर मिला है. तब वे आनन्द करने लगे। उसका जेठा पुत्र खेतमें था और जब वह आते हुए घरके निकट पहुंचा तब बाजा और नाचका शब्द सुना। और उसने अपने सेवकोंमेंसे एकको अपने पास बुलाके पूछा यह क्या है। उसने उससे कहा आपका भाई आया है और आपके पिताने मोटा बछड़ू मारा है इसलिये कि उसे भला चंगा पाया है। परन्तु उसने क्रोध किया और भीतर जाने न चाहा इसलिये उसका पिता बाहर आ उसे मनाने लगा। उसने पिताको उत्तर दिया कि देखिये मैं इतने बरसोंसे आपकी सेवा करता हूं और कभी आपकी आज्ञाको उल्लंघन न किया और आपने मुझे कभी एक मेम्ना भी न दिया कि मैं अपने मित्रोंके संग आनन्द करता। परन्तु आपका यह पुत्र जो बेश्याओंके संग आपकी सम्पत्ति खा गया है ज्योंही आया त्योंही आपने उसके लिये मोटा बछड़ू मारा है पिताने उससे कहा हे पुत्र तू सदा मेरे संग है और जो कुछ मेरा है सो सब तेरा है। परन्तु आनन्द

करना और हर्षित होना उचित था क्योंकि यह तेरा भाई मूआ था फिर जीआ है खो गया था फिर मिला है।

१६ सोलहवां पर्ब्ब ।

१ चतुर भंडारीका दृष्टान्त। १० अनेक बातोंका उपदेश। १९ धनवान और भिखारीका दृष्टान्त।

१ यीशुने अपने शिष्योंसे भी कहा कोई धनवान मनुष्य था जिसका एक भंडारी था और यह दोष उसके आगे भंडारीपर लगाया गया कि वह आपकी सम्पत्ति उड़ा २ देता है। उसने उसे बुलाके उससे कहा यह क्या है जो मैं तेरे विषयमें सुनता हूं. अपने भंडारपनका लेखा दे ३ क्योंकि तू आगेको भंडारी नहीं रह सकेगा। तब भंडारीने अपने मनमें कहा मैं क्या करूं कि मेरा स्वामी भंडारीका काम मुझसे छीन लेता है. मैं कोड़ नहीं सकता हूं ४ और भीख मांगनेसे मुझे लाज आती है। मैं जानता हूं मैं क्या करूंगा इसलिये कि जब मैं भंडारपनसे छुड़ाया ५ जाऊं तब लोग मुझे अपने घरोंमें ग्रहण करें। और उसने अपने स्वामीके ऋणियोंमेंसे एक एकको अपने पास बुला- ६ के पहिलेसे कहा तू मेरे स्वामीका कितना धारता है। उस- ने कहा सौ मन तेल. वह उससे बोला अपना पत्र ले ७ और बैठके शीघ्र पचास मन लिख। फिर दूसरेसे कहा तू कितना धारता है. उसने कहा सौ मन गेहूं. वह ८ उससे बोला अपना पत्र ले और अस्सी मन लिख। स्वा- मीने उस अधर्म्मी भंडारीको सराहा कि इसने बुद्धिका काम किया है. क्योंकि इस संसारके सन्तान अपने समयके लोगोंके विषयमें ज्योतिके सन्तानोंसे अधिक बुद्धिमान हैं।

और मैं तुम्होंसे कहता हूं कि अधर्म्मके धनके द्वारा अपने लिये मित्र कर लो कि जब तुम छूट जावो तब वे तुम्हें अनन्त निवासोंमें ग्रहण करें।

जो अति थोड़ेमें बिश्वासयोग्य है सो बहुतमें भी बिश्वासयोग्य है और जो अति थोड़ेमें अधर्म्मी है सो बहुतमें भी अधर्म्मी है। इसलिये जो तुम अधर्म्मके धनमें बिश्वासयोग्य न हुए हो तो सच्चा धन तुम्हें कौन सोंपेगा। और जो तुम पराये धनमें बिश्वासयोग्य न हुए हो तो तुम्हारा धन तुम्हें कौन देगा। कोई सेवक दो स्वामियोंकी सेवा नहीं कर सकता है क्योंकि वह एकसे बैर करेगा और दूसरेको प्यार करेगा अथवा एकसे लगा रहेगा और दूसरेको तुच्छ जानेगा. तुम ईश्वर और धन दोनोंकी सेवा नहीं कर सकते हो।

फरीशियोंने भी जो लोभी थे यह सब बातें सुनीं और उसका ठट्ठा किया। उसने उन्होंसे कहा तुम तो मनुष्योंके आगे अपनेको धर्म्मी ठहराते हो परन्तु ईश्वर तुम्हारे मनको जानता है. जो मनुष्योंके लेखे महान है सो ईश्वरके आगे घिनित है। व्यवस्था और भविष्य-द्वक्ता लोग योहनलों थे तबसे ईश्वरके राज्यका सुसमा-चार सुनाया जाता है और सब कोई उसमें बरियाईसे प्रवेश करते हैं। व्यवस्थाके एक बिन्दुके लोप होनेसे आ-काश औ पृथिवीका टल जाना सहज है। जो कोई अपनी स्त्रीको त्यागके दूसरीसे बिवाह करे सो परस्त्रीगमन करता है और जो स्त्री अपने स्वामीसे त्यागी गई है उससे जो कोई बिवाह करे सो परस्त्रीगमन करता है।

१९ एक धनवान मनुष्य था जो बैंजनी बस्त्र और मलमल पहिनता और प्रतिदिन बिभव और सुखसे रहता था। २० और इलियाजर नाम एक कंगाल उसकी डेवढ़ीपर २१ डाला गया था जो घावोंसे भरा हुआ था . और उन चूरचारोंसे जो धनवानकी मेजसे गिरते थे पेट भरने चाहता था और कुत्ते भी आके उसके घावोंको चाटते २२ थे। वह कंगाल मर गया और दूतोंने उसको इब्राहीमकी गोदमें पहुंचाया और वह धनवान भी मरा और गाड़ा २३ गया । और परलोकमें उसने पीड़ामें पड़े हुए अपनी आंखें उठाईं और दूरसे इब्राहीमको और उसकी गोदमें २४ इलियाजरको देखा । तब वह पुकारके बोला हे पिता इब्राहीम मुझपर दया करके इलियाजरको भेजिये कि अपनी उंगलीका छोर पानीमें डुबोके मेरी जीभको ठंढी २५ करे क्योंकि मैं इस ज्वालामें कलपता हूं। परन्तु इब्राहीमने कहा हे पुत्र स्मरण कर कि तू अपने जीतेजी अपनी सम्पत्ति पा चुका है और वैसाही इलियाजर बिपत्ति परन्तु अब वह शांति पाता है और तू कलपता है। २६ और भी हमारे और तुम्हारे बीचमें बड़ा अन्तर ठहराया गया है कि जो लोग इधरसे उस पार तुम्हारे पास जाया चाहें सो नहीं जा सकें और न उधरके लोग इस पार २७ हमारे पास आवें। उसने कहा तब हे पिता मैं आपसे २८ बिन्ती करता हूं उसे मेरे पिताके घर भेजिये . क्योंकि मेरे पांच भाई हैं वह उन्हें साक्षी देवे ऐसा न हो कि वे भी २९ इस पीड़ाके स्थानमें आवें। इब्राहीमने उससे कहा मूसा और भविष्यद्वक्ताओंके पुस्तक उनके पास हैं वे उनकी

सुनें । वह बोला हे पिता इब्राहीम सो नहीं परन्तु यदि मृतकोंमेंसे कोई उनके पास जाय तो वे पश्चात्ताप करेंगे । उसने उससे कहा जो वे मूसा श्रोर भविष्यद्वक्ता-श्रोंकी नहीं सुनते हैं तो यदि मृतकोंमेंसे कोई जी उठे तैाभी नहीं मानेंगे ।

१७ सत्रहवां पर्ब्ब ।

१ ठोकर खिलानेका निषेध । ३ क्षमा करनेका उपदेश श्रोर बिश्वासके गुणका बखान । ७ दासके दृष्टान्तसे अभिमानका निषेध । ११ यीशुका दस कोढ़ियोंका चंगा करना । २० ईश्वरके राज्यके आनेका बर्णन । २२ मनुष्यके पुत्रके आनेका वर्णन श्रोर जलप्रलयसे श्रोर सदोमके बिनाशसे उस समयकी उपमा ।

यीशुने शिष्योंसे कहा ठोकरोंका न लगना अन्होना है परन्तु हाय वह मनुष्य जिसके द्वारासे वे लगती हैं । इन छोटोंमेंसे एकके ठोकर खिलानेसे उसके लिये भला होता कि चक्कीका पाट उसके गलेमें बांधा जाता श्रोर वह समुद्रमें डाला जाता ।

अपने विषयमें सचेत रहो . यदि तेरा भाई तेरा अपराध करे तो उसके समझा दे श्रोर यदि पछतावे तो उसे क्षमा कर । जो वह दिनभरमें सात बेर तेरा अपराध करे श्रोर सात बेर दिनभरमें तेरी श्रोर फिरके कहे मैं पछताता हूं तो उसे क्षमा कर । तब प्रेरितोंने प्रभुसे कहा हमारा बिश्वास बढ़ाइये । प्रभुने कहा यदि तुमके राईके एक दानेके तुल्य बिश्वास होता तो तुम इस गूलरके वृक्षसे जो कहते कि उखड़ जा श्रोर समुद्रमें लग जा वह तुम्हारी आज्ञा मानता ।

तुममेंसे कैान है कि उसका दास हल जोतता अथवा

चरवाही करता हो और ज्योंही वह खेतसे आवे त्योंही उससे कहेगा तुरन्त आ भोजनपर बैठ। क्या वह उससे न कहेगा मेरी बियारी बनाके जबलों मैं खाऊं और पीऊं तबलों कमर बांधके मेरी सेवा कर और इसके पीछे तू खायगा और पीयेगा। क्या उस दासका उसपर कुछ निहोरा हुआ कि उसने वह काम किया जिसकी आज्ञा उसको दिई गई. मैं ऐसा नहीं समझता हूं। इस रीतिसे तुम भी जब सब काम कर चुको जिसकी आज्ञा तुम्हें दिई गई है तब कहो हम निकम्मे दास हैं कि जो हमें करना उचित था सोई भर किया है।

यीशु यिरूशलीमको जाते हुए शोमिरोन और गालीलके बीचमेंसे होके जाता था। जब वह किसी गांवमें प्रवेश करता था तब दस कोढ़ी उसके सन्मुख आ दूर खड़े हुए। और वे ऊंचे शब्दसे बोले हे यीशु गुरु हमपर दया कीजिये। यह देखके उसने उन्होंसे कहा जाके अपने तईं याजकोंको दिखाओ. जाते हुए वे शुद्ध किये गये। तब उनमेंसे एकने जब देखा कि मैं चंगा हुआ हूं बड़े शब्दसे ईश्वरकी स्तुति करता हुआ फिर आया. और यीशुको धन्य मानते हुए उसके चरणोंपर मुंहके बल गिरा. और वह शोमिरोनी था। इसपर यीशुने कहा क्या दसों शुद्ध न किये गये तो नौ कहां हैं। क्या इस अन्यदेशीको छोड़ कोई नहीं ठहरे जो ईश्वरकी स्तुति करनेको फिर आवें। तब उसने उससे कहा उठ चला जा तेरे बिश्वासने तुझे बचाया है।

जब फरीशियोंने उससे पूछा कि ईश्वरका राज्य कब

आवेगा तब उसने उन्होंको उत्तर दिया कि ईश्वरका राज्य प्रत्यक्ष रूपसे नहीं आता है. और न लोग कहेंगे देखो यहां है अथवा देखो वहां है क्योंकि देखो ईश्वर-का राज्य तुम्होंमें है।

उसने शिष्योंसे कहा वे दिन आवेंगे जिनमें तुम मनुष्यके पुत्रके दिनोंमेंसे एक दिन देखने चाहोगे पर न देखोगे। लोग तुम्होंसे कहेंगे देखो यहां है अथवा देखो वहां है पर तुम मत जाओ और न उनके पीछे हो लेओ। क्योंकि जैसे बिजली जो आकाशकी एक ओरसे चमकती है आकाशकी दूसरी ओरतक ज्योति देती है वैसाही मनुष्यका पुत्र भी अपने दिनमें होगा। परन्तु पहिले उसको अवश्य है कि बहुत दुःख उठावे और इस समयके लोगोंसे तुच्छ किया जाय। जैसा नूहके दिनोंमें हुआ वैसाही मनुष्यके पुत्रके दिनोंमें भी होगा। जिस दिनलों नूह जहाजपर न चढ़ा उस दिनलों लोग खाते पीते बिवाह करते औ बिवाह दिये जाते थे. तब उस दिन जलप्रलयने आके उन सभोंको नाश किया। और जिस रीतिसे लूतके दिनोंमें हुआ कि लोग खाते पीते मोल लेते बेचते बोते औ घर बनाते थे. परन्तु जिस दिन लूत सदोमसे निकला उस दिन आग और गन्धक आकाशसे बरसी और उन सभोंको नाश किया. इसी रीतिसे मनुष्यके पुत्रके प्रगट होनेके दिनमें होगा। उस दिनमें जो कोठेपर हो और उसकी सामग्री घरमें होय सो उसे लेनेको न उतरे और वैसेही जो खेतमें हो सो पीछे न फिरे। लूतकी स्त्रीको स्मरण करो।

जो कोई अपना प्राण बचाने चाहे सो उसे खोवेगा और जो कोई उसे खोवे सो उसकी रक्षा करेगा। मैं तुमसे कहता हूं उस रातमें दो मनुष्य एक खाटपर होंगे एक लिया जायगा और दूसरा छोड़ा जायगा। दो स्त्रियां एक संग चक्की पीसती रहेंगीं एक लिई जायगी और दूसरी छोड़ी जायगी। दो जन खेतमें होंगे एक लिया जायगा और दूसरा छोड़ा जायगा। उन्होंने उसको उत्तर दिया हे प्रभु कहां. उसने उनसे कहा जहां लोथ होय तहां गिद्ध एकट्ठे होंगे।

१८ अठारहवां पर्ब्ब ।

१ अधर्म्मी विचारकर्त्ताके पास बिधवाकी प्रार्थनाका दृष्टान्त। ९ फरीशी और कर उगाहनेहारेका दृष्टान्त। १५ यीशुका बालकोंको आशीस देना। १८ एक धनवान जवानसे उसकी बातचीत। २४ धनी लोगोंकी दशाका बर्णन। २८ शिष्योंके फलकी प्रतिज्ञा। ३१ यीशुका अपनी मृत्युका भविष्यद्वाक्य कहना। ३५ एक अंधेके नेत्र खोलना।

नित्य प्रार्थना करने और साहस न छोड़नेकी आवश्यकताके विषयमें यीशुने उन्होंसे एक दृष्टान्त कहा. कि किसी नगरमें एक बिचारकर्त्ता था जो न ईश्वरसे डरता न मनुष्यको मानता था। और उसी नगरमें एक बिधवा थी जिसने उस पास आ कहा मेरे मुद्दईसे मेरा पलटा लीजिये। उसने कितनी बेरलों न माना परन्तु पीछे अपने मनमें कहा यद्यपि मैं न ईश्वरसे डरता न मनुष्यको मानता हूं. तौभी यह बिधवा मुझे दुःख देती है इस कारण मैं उसका पलटा लेऊंगा ऐसा न हो कि नित्य नित्य आनेसे वह मेरे मुंहमें कालिख लगावे। तब प्रभुने कहा सुनो यह अधर्म्मी बिचारकर्त्ता क्या कहता है। और

ईश्वर यद्यपि अपने चुने हुए लोगोंके विषयमें जो रात दिन उस पास पुकारते हैं धीरज धरे तौभी क्या उनका पलटा न लेगा । मैं तुमसे कहता हूं वह शीघ्र उनका पलटा लेगा तौभी मनुष्यका पुत्र जब आवेगा तब क्या पृथिवीपर बिश्वास पावेगा ।

और उसने कितनोंसे जो अपनेपर भरोसा रखते थे कि हम धर्म्मी हैं और औरोंको तुच्छ जानते थे यह दृष्टान्त कहा । दो मनुष्य मन्दिरमें प्रार्थना करनेको गये एक फरीशी और दूसरा कर उगाहनेहारा । फरीशीने अलग खड़ा हो यह प्रार्थना किई कि हे ईश्वर मैं तेरा धन्य मानता हूं कि मैं और मनुष्योंके समान नहीं हूं जो उपद्रवी अन्यायी और परस्त्रीगामी हैं और न इस कर उगाहनेहारेके समान । मैं अठवारेमें दो बार उपवास करता हूं मैं अपनी सब कमाईका दसवां अंश देता हूं। कर उगाहनेहारेने दूर खड़ा हो स्वर्गकी ओर आंखें उठाने भी न चाहा परन्तु अपनी छाती पीटके कहा हे ईश्वर मुझ पापीपर दया कर । मैं तुमसे कहता हूं कि वह दूसरा नहीं पर यही मनुष्य धर्म्मी ठहराया हुआ अपने घरको गया क्योंकि जो कोई अपनेको ऊंचा करे सो नीचा किया जायगा और जो अपनेको नीचा करे सो ऊंचा किया जायगा ।

लोग कितने बालकोंको भी यीशु पास लाये कि वह उन्हे छूवे परन्तु शिष्योंने यह देखके उन्हें डांटा । यीशुने बालकोंको अपने पास बुलाके कहा बालकोंको मेरे पास आने दो और उन्हें मत बर्जो क्योंकि ईश्वर-

का राज्य ऐसोंका है । मैं तुमसे सच कहता हूं कि जो कोई ईश्वरके राज्यको बालककी नाईं ग्रहण न करे वह उसमें प्रवेश करने न पावेगा ।

किसी प्रधानने उससे पूछा हे उत्तम गुरु कौन काम करनेसे मैं अनन्त जीवनका अधिकारी होंगा । यीशुने उससे कहा तू मुझे उत्तम क्यों कहता है. कोई उत्तम नहीं है केवल एक अर्थात ईश्वर । तू आज्ञाओंको जानता है कि परस्त्रीगमन मत कर नरहिंसा मत कर चोरी मत कर झूठी साक्षी मत दे अपनी माता और अपने पिताका आदर कर । उसने कहा इन सभोंको मैंने अपने लड़कपनसे पालन किया है । यीशुने यह सुनके उससे कहा तुझे अब भी एक बातकी घटी है. जो कुछ तेरा है सो बेचके कंगालोंको बांट दे और तू स्वर्गमें धन पावेगा और आ मेरे पीछे हो ले । वह यह सुनके अति उदास हुआ क्योंकि वह बड़ा धनी था ।

यीशुने उसे अति उदास देखके कहा धनवानोंको ईश्वरके राज्यमें प्रवेश करना कैसा कठिन होगा । ईश्वरके राज्यमें धनवानके प्रवेश करनेसे ऊंटका सूईके नाकेमेंसे जाना सहज है । सुननेहारोंने कहा तब तो किसका त्राण हो सकता है । उसने कहा जो बातें मनुष्योंसे अन्होनी हैं सो ईश्वरसे हो सकती हैं ।

पितरने कहा देखिये हम लोग सब कुछ छोड़के आपके पीछे हो लिये हैं । उसने उनसे कहा मैं तुमसे सच कहता हूं कि जिसने ईश्वरके राज्यके लिये घर वा माता पिता वा भाइयों वा स्त्री वा लड़कोंको त्यागा

हो . ऐसा कोई नहीं है जो इस समयमें बहुत गुण अधिक और परलोकमें अनन्त जीवन न पावेगा ।

यीशुने बारह शिष्योंको लेके उनसे कहा देखो हम यिरूशलीमको जाते हैं और जो कुछ मनुष्यके पुत्रके विषयमें भविष्यद्वक्ताओंसे लिखा गया है सो सब पूरा किया जायगा । वह अन्यदेशियोंके हाथ सौंपा जायगा और उससे ठट्ठा और अपमान किया जायगा और वे उसपर थूकेंगे. और उसे कोड़े मारके घात करेंगे और वह तीसरे दिन जी उठेगा । उन्होंने इन बातोंमेंसे कोई बात न समझी और यह बात उनसे गुप्त रही और जो कहा जाता था सो वे नहीं बूझते थे ।

जब वह यिरीहो नगरके निकट आता था तब एक अन्धा मनुष्य मार्गकी ओर बैठा भीख मांगता था । जब उसने सुना कि बहुत लोग साम्नेसे जाते हैं तब पूछा यह क्या है । लोगोंने उसको बताया कि यीशु नासरी जाता है । तब उसने पुकारके कहा हे यीशु दाऊदके सन्तान मुझपर दया कीजिये । जो लोग आगे जाते थे उन्होंने उसे डांटा कि वह चुप रहे परन्तु उसने बहुत अधिक पुकारा हे दाऊदके सन्तान मुझपर दया कीजिये । तब यीशु खड़ा रहा और उसे अपने पास लानेकी आज्ञा किई और जब वह निकट आया तब उससे पूछा . तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिये करूं. वह बोला हे प्रभु मैं अपनी दृष्टि पाऊं। यीशुने उससे कहा अपनी दृष्टि पा तेरे बिश्वासने तुझे चंगा किया है। और वह तुरन्त देखने लगा और ईश्वरकी स्तुति

करता हुआ यीशुके पीछे हो लिया और सब लोगोंने देखके ईश्वरका धन्यबाद किया ।

१९ उनीसवां पर्ब्ब ।

१ जक्कई नाम कर उगाहनेहारेका वृत्तान्त । ११ दस मोहरका दृष्टान्त। २८ यीशुका यिरूशलीममें जाना । ४१ उसपर आनेवाली बिपत्तिका भविष्यद्वाक्य कहना । ४५ व्योपारियोंको मन्दिरसे निकालना और उपदेश वहां करना ।

यीशु यिरीहोमें प्रवेश करके उसके बीचसे होके जाता था । और देखो जक्कई नाम एक मनुष्य था जो कर उगाहनेहारोंका प्रधान था और वह धनवान था । वह यीशुको देखने चाहता था कि वह कैसा मनुष्य है परन्तु भीड़के कारण नहीं सका क्योंकि नाटा था। तब जिस मार्गसे यीशु जानेपर था उसमें वह आगे दौड़के उसे देखनेको एक गूलरके वृक्षपर चढ़ा। जब यीशु उस स्थानपर पहुंचा तब ऊपर दृष्टि कर उसे देखा और उससे कहा हे जक्कई शीघ्र उतर आ क्योंकि आज मुझे तेरे घरमें रहना होगा । उसने शीघ्र उतरके आनन्दसे उसकी पहुनई किई । यह देखके सब लोग कुड़कुड़ाके बोले वह तो पापी मनुष्यके यहां पाहुन होने गया है । जक्कईने खड़ा हो प्रभुसे कहा हे प्रभु देखिये मैं अपना आधा धन कंगालोंको देता हूं और यदि झूठे दोष लगाके किसीसे कुछ ले लिया है तो चौगुणा फेर देता हूं। तब यीशुने उसको कहा आज इस घरानेका त्राण हुआ है इसलिये कि यह भी इब्राहीमका सन्तान है। क्योंकि मनुष्यका पुत्र खोये हुएको ढूंढ़ने और बचाने आया है।

जब लोग यह सुनते थे तब वह एक दृष्टान्त भी कहने

लगा इसलिये कि वह यिरूशलीमके निकट था और वे समझते थे कि ईश्वरका राज्य तुरन्त प्रगट होगा। उसने कहा एक कुलीन मनुष्य दूर देशको जाता था कि राजपद पाके फिर आवे। और उसने अपने दासोंमें-से दसको बुलाके उन्हें दस मोहर देके उनसे कहा जबलों मैं न आऊं तबलों ब्योपार करो। परन्तु उसके नगरके निवासी उससे बैर रखते थे और उसके पीछे यह सन्देश भेजा कि हम नहीं चाहते हैं कि यह हमोंपर राज्य करे। जब वह राजपद पाके फिर आया तब उसने उन दासोंको जिन्हें रोकड़ दिई थी अपने पास बुलानेकी आज्ञा किई जिस्तें वह जाने कि किसने कौनसा ब्योपार किया है। तब पहिलेने आके कहा हे प्रभु आपकी मोहर-से दस मोहर लाभ हुईं। उसने उससे कहा धन्य हे उत्तम दास तू अति थोड़ेमें बिश्वासयोग्य हुआ तू दस नगरोंपर अधिकारी हो। दूसरेने आके कहा हे प्रभु आपकी मोहरसे पांच मोहर लाभ हुईं। उसने उससे भी कहा तू भी पांच नगरोंका प्रधान हो। तीसरेने आके कहा हे प्रभु देखिये आपकी मोहर जिसे मैंने अंगोछेमें धर रखा। क्योंकि मैं आपसे डरता था इसलिये कि आप कठोर मनुष्य हैं जो आपने नहीं धरा सो उठा लेते हैं और जो आपने नहीं बोया सो लवते हैं। उसने उससे कहा हे दुष्ट दास मैं तेरेही मुंहसे तुझे दोषी ठहराऊंगा. तू जानता था कि मैं कठोर मनुष्य हूं जो मैंने नहीं धरा सो उठा लेता हूं और जो मैंने नहीं बोया सो लवता हूं। तो तूने मेरी रोकड़ कोठीमें क्यों नहीं दिई और

मैं आके उसे ब्याज समेत ले लेता। तब जो लोग निकट खड़े थे उसने उन्होंसे कहा वह मोहर उससे लेओ और जिस पास दस मोहर हैं उसको देओ। उन्होंने उससे कहा हे प्रभु उस पास दस मोहर हैं। मैं तुमसे कहता हूं जो कोई रखता है उसको और दिया जायगा परन्तु जो नहीं रखता है उससे जो कुछ उस पास है सो भी ले लिया जायगा। परन्तु मेरे उन बैरियोंको जो नहीं चाहते थे कि मैं उन्होंपर राज्य करूं यहां लाके मेरे साम्हने बध करो।

जब यीशु यह बातें कह चुका तब यिरूशलीमको जाते हुए आगे बढ़ा। और जब वह जैतून नाम पर्ब्बतके निकट बैतफगी और बैथनिया गांवों पास पहुंचा तब उसने अपने शिष्योंमेंसे दोको यह कहके भेजा. कि जो गांव सन्मुख है उसमें जाओ और उसमें प्रवेश करते हुए तुम एक गधीके बच्चेको जिसपर कभी कोई मनुष्य नहीं चढ़ा बंधे हुए पाओगे उसे खोलके लाओ। जो तुमसे कोई पूछे तुम उसे क्यों खोलते हो तो उससे यूं कहो प्रभुको इसका प्रयोजन है। जो भेजे गये थे उन्होंने जाके जैसा उसने उनसे कहा वैसा पाया। जब वे बच्चेको खोलते थे तब उसके स्वामियोंने उनसे कहा तुम बच्चेको क्यों खोलते हो। उन्होंने कहा प्रभुको इसका प्रयोजन है। सो वे बच्चेको यीशु पास लाये और अपने कपड़े उसपर डालके यीशुको बैठाया। ज्यों ज्यों वह आगे बढ़ा त्यों त्यों लोगोंने अपने अपने कपड़े मार्गमें बिछाये। जब वह निकट आया अर्थात जैतून पर्ब्बतके उतारलों पहुंचा

तब शिष्योंकी सारी मंडली आनन्दित हो सब आश्चर्य्य कर्म्मोंके लिये जो उन्होंने देखे थे बड़े शब्दसे ईश्वरकी स्तुति करने लगी . कि धन्य वह राजा जो परमेश्वरके नामसे आता है . स्वर्गमें शांति और सबसे ऊंचे स्थानमें गुणानुवाद होय। तब भीड़मेंसे कितने फरीशी लोग उससे बोले हे गुरु अपने शिष्योंको डांटिये। उसने उन्हें उत्तर दिया कि मैं तुमसे कहता हूं जो ये लोग चुप रहें तो पत्थर पुकार उठेंगे।

जब वह निकट आया तब नगरको देखके उसपर रोया . और कहा तू भी अपने कुशलकी बातें हां अपने इस दिनमें भी जो जानता . परन्तु अब वे तेरे नेत्रोंसे छिपी हैं। वे दिन तुझपर आवेंगे कि तेरे शत्रु तुझपर मोर्चा बांधेंगे और तुझे घेरेंगे और चारों ओर रोक रखेंगे . और तुझको औ तुझमें तेरे बालकोंको मिट्टी-में मिलावेंगे और तुझमें पत्थरपर पत्थर न छोड़ेंगे क्योंकि तूने वह समय जिसमें तुझपर दृष्टि किई गई न जाना।

तब वह मन्दिरमें जाके जो लोग उसमें बेचते औ मोल लेते थे उन्हें निकालने लगा . और उनसे बोला लिखा है कि मेरा घर प्रार्थनाका घर है . परन्तु तुमने उसे डाकूओंका खोह बनाया है। वह मन्दिरमें प्रतिदिन उपदेश करता था और प्रधान याजक और अध्यापक और लोगोंके प्रधान उसे नाश करने चाहते थे . परन्तु नहीं जानते थे कि क्या करें क्योंकि सब लोग उसकी सुननेको लौलीन थे।

२० बीसवां पर्ब्ब ।

१ यीशुका प्रधान याजकोंको निरुत्तर करना । ९ दुष्ट मालियोंका दृष्टान्त । २० यीशुका कर देनेके विषयमें फरीशियोंको निरुत्तर करना । २७ जी उठनेके विषयमें सदूकियोंको निरुत्तर करना । ४१ अपनी पदवीके विषयमें लोगोंको निरुत्तर करना । ४५ अध्यापकोंके दोष प्रगट करना ।

उन दिनोंमेंसे एक दिन जब यीशु मन्दिरमें लोगोंको उपदेश देता और सुसमाचार सुनाता था तब प्रधान याजक और अध्यापक लोग प्राचीनोंके संग निकट आये . और उससे बोले हमसे कह तुझे ये काम करनेका कैसा अधिकार है अथवा कौन है जिसने तुझको यह अधिकार दिया । उसने उनको उत्तर दिया कि मैं भी तुमसे एक बात पूछूंगा मुझे उत्तर देओ । योहनका बपतिसमा देना क्या स्वर्गकी अथवा मनुष्योंकी ओरसे हुआ। तब उन्होंने आपसमें बिचार किया कि जो हम कहें स्वर्गकी ओरसे तो वह कहेगा फिर तुमने उसका बिश्वास क्यों नहीं किया । और जो हम कहें मनुष्योंकी ओरसे तो सब लोग हमें पत्थरवाह करेंगे क्योंकि वे निश्चय जानते हैं कि योहन भविष्यद्वक्ता था । सो उन्होंने उत्तर दिया कि हम नहीं जानते वह कहांसे हुआ । यीशुने उनसे कहा तो मैं भी तुमको नहीं बताता हूं कि मुझे ये काम करनेका कैसा अधिकार है ।

तब वह लोगोंसे यह दृष्टान्त कहने लगा कि किसी मनुष्यने दाखकी बारी लगाई और मालियोंको उसका ठीका दे बहुत दिनलों परदेशको चला गया । समयमें उसने मालियोंके पास एक दासको भेजा कि वे दाखकी

बारीका कुछ फल उसको देवें परन्तु मालियोंने उसे मारके छूछे हाथ फेर दिया। फिर उसने दूसरे दासको भेजा और उन्होंने उसे भी मारके और अपमान करके छूछे हाथ फेर दिया। फिर उसने तीसरेको भेजा और उन्होंने उसे भी घायल करके निकाल दिया। तब दाखकी बारीके स्वामीने कहा मैं क्या करूं. मैं अपने प्रिय पुत्रको भेजूंगा क्या जाने वे उसे देखके उसका आदर करेंगे। परन्तु माली लोग उसे देखके आपसमें बिचार करने लगे कि यह तो अधिकारी है आओ हम उसे मार डालें कि अधिकार हमारा हो जाय। और उन्होंने उसे दाखकी बारीसे बाहर निकालके मार डाला. इसलिये दाखकी बारीका स्वामी उन्होंसे क्या करेगा। वह आके इन मालियोंको नाश करेगा और दाखकी बारी दूसरोंके हाथ देगा. यह सुनके उन्होंने कहा ऐसा न होवे। उसने उन्होंपर दृष्टि कर कहा तो धर्म्मपुस्तकके इस बचनका अर्थ क्या है कि जिस पत्थरको थवइयोंने निकम्मा जाना वही कोनेका सिरा हुआ है। जो कोई उस पत्थरपर गिरेगा सो चूर हो जायगा और जिस किसीपर वह गिरेगा उसको पीस डालेगा। प्रधान याजकों और अध्यापकोंने उसी घड़ी उसपर हाथ बढ़ाने चाहा क्योंकि जानते थे कि उसने हमारे बिरुद्ध यह दृष्टान्त कहा परन्तु वे लोगोंसे डरे।

तब उन्होंने दांव ताकके भेदियोंको भेजा जो छलसे अपनेको धर्म्मी दिखावें इसलिये कि उसका बचन पकड़ें और उसे देशाध्यक्षके न्याय और अधिकारमें सौंप देवें।

उन्होंने उससे पूछा कि हे गुरु हम जानते हैं कि आप यथार्थ कहते और सिखाते हैं और पक्षपात नहीं करते हैं परन्तु ईश्वरका मार्ग सत्यतासे बताते हैं। क्या कैसर-को कर देना हमें उचित है अथवा नहीं। उसने उनकी चतुराई बूझके उनसे कहा मेरी परीक्षा क्यों करते हो। एक सूकी मुझे दिखाओ . इसपर किसकी मूर्त्ति और छाप है . उन्होंने उत्तर दिया कैसरकी। उसने उनसे कहा तो जो कैसरका है सो कैसरको देओ और जो ईश्वरका है सो ईश्वरको देओ। वे लोगोंके साम्ने उसकी बात पकड़ न सके और उसके उत्तरसे अचंभित हो चुप रहे।

सदूकी लोग भी जो कहते हैं कि मृतकोंका जी उठना नहीं होगा उन्होंमेंसे कितने उस पास आये और उससे पूछा . कि हे गुरु मूसाने हमारे लिये लिखा कि यदि किसीका भाई अपनी स्त्रीके रहते हुए निःसन्तान मर जाय तो उसका भाई उस स्त्रीसे बिवाह करे और अपने भाईके लिये बंश खड़ा करे। सो सात भाई थे.. पहिला भाई बिवाह कर निःसन्तान मर गया। तब दूसरे भाईने उस स्त्रीसे बिवाह किया और वह भी निःसन्तान मर गया। तब तीसरेने उससे बिवाह किया और वैसाही सातों भाइयोंने . पर वे सब निःसन्तान मर गये। सबके पीछे स्त्री भी मर गई। सो मृतकोंके जी उठनेपर वह उनमेंसे किसकी स्त्री होगी क्योंकि सातोंने उससे बिवाह किया। यीशुने उनको उत्तर दिया कि इस लोकके सन्तान बिवाह करते और बिवाह दिये जाते हैं। परन्तु जो

लोग उस लोकमें पहुंचने और मृतकोंमेंसे जी उठनेके योग्य गिने जाते वे न बिवाह करते न बिवाह दिये जाते हैं। और न वे फिर मर सकते हैं क्योंकि वे स्वर्गदूतोंके समान हैं और जी उठनेके सन्तान होनेसे ईश्वरके सन्तान हैं। और मृतक लोग जो जी उठते हैं यह बात मूसाने भी झाड़ीकी कथामें प्रगट किई है कि वह परमेश्वरको इब्राहीमका ईश्वर और इसहाकका ईश्वर और याकूबका ईश्वर कहता है। ईश्वर मृतकोंका नहीं परन्तु जीवतोंका ईश्वर है क्योंकि उसके लिये सब जीते हैं। अध्यापकोंमेंसे कितनोंने उत्तर दिया कि हे गुरु आपने अच्छा कहा है। और उन्हें फिर उससे कुछ पूछनेका साहस न हुआ।

तब उसने उनसे कहा लोग क्योंकर कहते हैं कि खीष्ट दाऊदका पुत्र है। दाऊद आपही गीतोंके पुस्तकमें कहता है कि परमेश्वरने मेरे प्रभुसे कहा . जबलों मैं तेरे शत्रुओंको तेरे चरणोंकी पीढ़ी न बनाऊं तबलों तू मेरी दहिनी ओर बैठ। दाऊद तो उसे प्रभु कहता है फिर वह उसका पुत्र क्योंकर है।

जब सब लोग सुनते थे तब उसने अपने शिष्योंसे कहा . अध्यापकोंसे चौकस रहो जो लंबे वस्त्र पहिने हुए फिरने चाहते हैं और जिनको बाजारोंमें नमस्कार और सभाके घरोंमें ऊंचे आसन और जेवनारोंमें ऊंचे स्थान प्रिय लगते हैं। वे बिधवाओंके घर खा जाते हैं और बहानाके लिये बड़ी बेरलों प्रार्थना करते हैं. वे अधिक दंड पावेंगे।

२१ एकईसवां पर्ब्ब ।

१ एक बिधवाके दानकी प्रशंसा । ५ मन्दिरके नाश होनेकी भविष्यद्वाणी । ७ उस समयके चिन्ह । १२ शिष्योंपर उपद्रव होगा । २० यिहूदी लोग बड़ा कष्ट पावेंगे । २५ मनुष्यके पुत्रके आनेका बर्णन । २९ गूलरके वृक्षका दृष्टान्त । ३४ सचेत रहनेका उपदेश ।

यीशुने आंख उठाके धनवानोंको अपने अपने दान भंडारमें डालते देखा। और उसने एक कंगाल बिधवाको भी उसमें दो छदाम डालते देखा। तब उसने कहा मैं तुमसे सच कहता हूं कि इस कंगाल बिधवाने सभोंसे अधिक डाला है। क्योंकि इन सभोंने अपनी बढ़तीमेंसे ईश्वरको चढ़ाई हुई बस्तुओंमें कुछ कुछ डाला है परन्तु इसने अपनी घटतीमेंसे अपनी सारी जीविका डाली है।

जब कितने लोग मन्दिरके विषयमें बोलते थे कि वह सुन्दर पत्थरोंसे और चढ़ाई हुई बस्तुओंसे संवारा गया है तब उसने कहा. यह सब जो तुम देखते हो वे दिन आवेंगे जिन्होंमें पत्थरपर पत्थर भी न छोड़ा जायगा जो गिराया न जायगा।

उन्होंने उससे पूछा हे गुरु यह कब होगा और यह बातें जिस समयमें हो जायेंगीं उस समयका क्या चिन्ह होगा। उसने कहा चौकस रहो कि भरमाये न जावो क्योंकि बहुत लोग मेरे नामसे आके कहेंगे मैं वही हूं और समय निकट आया है. सो तुम उनके पीछे मत जाओ। जब तुम लड़ाइयों और हुल्लड़ोंकी चर्चा सुनो तब मत घबराओ क्योंकि इनका पहिले होना अवश्य है पर अन्त तुरन्त नहीं होगा। तब उसने उन्होंसे

कहा देश देशके और राज्य राज्यके बिरुद्ध उठेंगे। और अनेक स्थानोंमें बड़े भुईंडोल और अकाल और मरियां होंगीं और भयंकर लक्षण और आकाशसे बड़े बड़े चिन्ह प्रगट होंगे।

परन्तु इन सभोंके पहिले लोग तुमपर अपने हाथ बढ़ावेंगे और तुम्हें सतावेंगे और मेरे नामके कारण सभाके घरों और बन्दीगृहोंमें रखवावेंगे और राजाओं और अध्यक्षोंके आगे ले जावेंगे। पर इससे तुम्हारे लिये साक्षी हो जायगी। सो अपने अपने मनमें ठहरा रखो कि हम उत्तर देनेके लिये आगेसे चिन्ता न करेंगे। क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बचन और ज्ञान देऊंगा कि तुम्हारे सब बिरोधी उसका खंडन अथवा साम्हना नहीं कर सकेंगे। तुम्हारे माता पिता और भाई और कुटुंब और मित्र लोग तुम्हें पकड़वायेंगे और तुममेंसे कितनोंको घात करवायेंगे। और मेरे नामके कारण सब लोग तुम-से बैर करेंगे। परन्तु तुम्हारे सिरका एक बाल भी नष्ट न होगा। अपनी धीरतासे अपने प्राणोंकी रक्षा करो।

जब तुम यिरूशलीमको सेनाओंसे घेरे हुए देखो तब जानो कि उसका उजड़ जाना निकट आया है। तब जो यिहूदियामें हों सो पहाड़ोंपर भागें. जो यिरू-शलीमके बीचमें हों सो निकल जावें और जो गांवोंमें हों सो उसमें प्रवेश न करें। क्योंकि येही दंड देनेके दिन होंगे कि धर्म्मपुस्तककी सब बातें पूरी होवें। उन दिनोंमें हाय हाय गर्भवतियां और दूध पिलाने-वालियां क्योंकि देशमें बड़ा क्लेश और इन लोगोंपर क्रोध

होगा । वे खड्गकी धारसे मारे पड़ेंगे श्रीर सब देशोंके लोगोंमें बंधुवे किये जायेंगे श्रीर जबलों श्रन्यदेशियोंका समय पूरा न होवे तबलों यिरूशलीम श्रन्यदेशियोंसे रौंदा जायगा ।

सूर्य्य श्रीर चांद श्रीर तारोंमें चिन्ह दिखाई देंगे श्रीर पृथिवीपर देश देशके लोगोंको संकट श्रो घबराहट होगी श्रीर समुद्र श्रो लहरोंका गर्जना होगा । श्रीर संसारपर श्रानेहारी बातोंके भयसे श्रीर बाट देखनेसे मनुष्य मृतकके ऐसे हो जायेंगे क्योंकि श्राकाशकी सेना डिग जायगी । तब वे मनुष्यके पुत्रको पराक्रम श्रीर बड़े ऐश्वर्य्यसे मेघपर श्राते देखेंगे । जब इन बातोंका श्रारंभ होगा तब तुम सीधे होके श्रपने सिर उठाश्रो क्योंकि तुम्हारा उद्धार निकट श्राता है ।

उसने उन्होंसे एक दृष्टान्त भी कहा कि गूलरका वृक्ष श्रीर सब वृक्षोंको देखो । जब उनकी कोंपलें निकलती हैं तब तुम देखकर श्रापही जानते हो कि धूपकाला श्रब निकट है । इस रीतिसे जब तुम यह बातें होते देखो तब जानो कि ईश्वरका राज्य निकट है । मैं तुमसे सच कहता हूं कि जबलों सब बातें पूरी न हो जायें तबलों इस समयके लोग नहीं जाते रहेंगे । श्राकाश श्रीर पृथिवी टल जायेंगे परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगीं ।

श्रपने विषयमें सचेत रहो ऐसा न हो कि तुम्हारे मन श्रफराई श्रीर मतवालपन श्रीर सांसारिक चिन्ता-श्रोंसे भारी हो जावें श्रीर वह दिन तुमपर श्रचांचक श्रा पहुंचे । क्योंकि वह फंदेकी नाईं सारी पृथिवीके

सब रहनेहारोंपर आवेगा। इसलिये जागते रहो और नित्य प्रार्थना करो कि तुम इन सब आनेहारी बातोंसे बचनेके और मनुष्यके पुत्रके सन्मुख खड़े होनेके योग्य गिने जावो।

यीशु दिनको मन्दिरमें उपदेश करता था और रातको बाहर जाके जैतून नाम पर्ब्बतपर टिकता था। और तड़के सब लोग उसकी सुननेको मन्दिरमें उस पास आते थे।

२२ बाईसवां पर्ब्ब।

१ यीशुको बध करनेका परामर्श। ३ यिहूदाका बिश्वासघात करना। ७ शिष्योंका निस्तार पर्ब्बका भोजन बनाना। १४ उनके संग यीशुका भोजन करना। १९ प्रभु भोजका निरूपण। २१ यिहूदाके विषयमें यीशुका भविष्यद्वाक्य। २४ दीन होनेका उपदेश। ३१ पितरके यीशुसे मुकर जानेकी भविष्यद्वाणी। ३५ शिष्योंके साहस करनेका उपदेश। ३९ बारीमें यीशुका महा शोक। ४७ उसका पकड़ा जाना। ५४ उसको महायाजकके पास ले जाना और पितरका उससे मुकर जाना। ६३ उसको अपमान करना और बधके योग्य ठहराना।

अखमीरी रोटीका पर्ब्ब जो निस्तार पर्ब्ब कहावता है निकट आया। और प्रधान याजक और अध्यापक लोग खोज करते थे कि यीशुको क्योंकर मार डालें क्योंकि वे लोगोंसे डरते थे।

तब शैतानने यिहूदामें जो इस्करियोती कहावता है और बारह शिष्योंमें गिना जाता था प्रवेश किया। उसने जाके प्रधान याजकों और पहरुओंके अध्यक्षोंके संग बातचीत किई कि यीशुको क्योंकर उन्होंके हाथ पकड़वावे। वे आनन्दित हुए और रुपैये देनेको उससे नियम बांधा। वह अंगीकार करके उसे बिना हुल्लड़के उन्होंके हाथ पकड़वानेका अवसर ढूंढ़ने लगा।

तब अखमीरी रोटीके पर्व्वका दिन जिसमें निस्तार पर्व्वका मेम्ना मारना उचित था आ पहुंचा। और यीशुने पितर और योहनको यह कहके भेजा कि जाके हमारे लिये निस्तार पर्व्वका भोजन बनाओ कि हम खायें। वे उससे बोले आप कहां चाहते हैं कि हम बनावें। उसने उनसे कहा देखो जब तुम नगरमें प्रवेश करो तब एक मनुष्य जलका घड़ा उठाये हुए तुम्हें मिलेगा. जिस घरमें वह पैठे तुम उसके पीछे उस घरमें जाओ। और उस घरके स्वामीसे कहो गुरु तुझसे कहता है कि पाहुनशाला कहां है जिसमें मैं अपने शिष्योंके संग निस्तार पर्व्वका भोजन खाऊं। वह तुम्हें एक सजी हुई बड़ी उपरौठी कोठरी दिखावेगा वहां तैयार करो। उन्होंने जाके जैसा उसने उन्होंसे कहा तैसा पाया और निस्तार पर्व्वका भोजन बनाया।

जब वह घड़ी पहुंची तब यीशु और बारहों प्रेरित उसके संग भोजनपर बैठे। और उसने उनसे कहा मैंने यह निस्तार पर्व्वका भोजन दुःख भोगनेके पहिले तुम्हारे संग खानेकी बड़ी लालसा किई। क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि जबलों वह ईश्वरके राज्यमें पूरा न होवे तबलों मैं उसे फिर कभी न खाऊंगा। तब उसने कटोरा ले धन्य मानके कहा इसको लेओ और आपसमें बांटो। क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि जबलों ईश्वरका राज्य न आवे तबलों मैं दाख रस कभी न पीऊंगा।

फिर उसने रोटी लेके धन्य माना और उसे तोड़के उनको दिया और कहा यह मेरा देह है जो तुम्हारे

लिये दिया जाता है. मेरे स्मरणके लिये यह किया करो। इसी रीतिसे उसने बियारीके पीछे कटोरा भी देके कहा यह कटोरा मेरे लोहूपर जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नया नियम है।

परन्तु देखो मेरे पकड़वानेहारेका हाथ मेरे संग मेजपर है। मनुष्यका पुत्र जैसा ठहराया गया है वैसा-ही जाता है परन्तु हाय वह मनुष्य जिससे वह पकड़-वाया जाता है। तब वे आपसमें बिचार करने लगे कि हममेंसे कौन है जो यह काम करेगा।

उन्होंमें यह बिबाद भी हुआ कि उनमेंसे कौन बड़ा समझा जाय। यीशुने उनसे कहा अन्यदेशियोंके राजा उन्होंपर प्रभुता करते हैं और उन्होंके अधिकारी लोग परोपकारी कहावते हैं। परन्तु तुम ऐसे न होओ पर जो तुम्होंमें बड़ा है सो छोटेकी नाईं होवे और जो प्रधान है सो सेवककी नाईं होवे। कौन बड़ा है भोजनपर बैठनेहारा अथवा सेवक. क्या भोजनपर बैठनेहारा बड़ा नहीं है. परन्तु मैं तुम्हारे बीचमें सेवककी नाईं हूं। तुमही हो जो मेरी परीक्षाओंमें मेरे संग रहे हो। और जैसे मेरे पिताने मेरे लिये राज्य ठहराया है तैसा मैं तुम्हारे लिये ठहराता हूं. कि तुम मेरे राज्यमें मेरी मेजपर खावो और पीवो और सिंहासनोंपर बैठके इस्रायेलके बारह कुलोंका न्याय करो।

और प्रभुने कहा हे शिमोन हे शिमोन देख शैतानने तुम्हें मांग लिया है इसलिये कि गेहूंकी नाईं तुम्हें फटके। परन्तु मैंने तेरे लिये प्रार्थना किई है कि तेरा बिश्वास

घर न जाय और जब तू फिरे तब अपने भाइयोंको स्थिर कर। उसने उससे कहा हे प्रभु मैं आपके संग बंदीगृहमें जानेको और मरनेको तैयार हूं। उसने कहा हे पितर मैं तुझसे कहता हूं कि आजही जबलों तू तीन बार मुझे नकारके न कहे कि मैं उसे नहीं जानता हूं तबलों मुर्ग न बोलेगा।

और उसने उनसे कहा जब मैंने तुम्हें बिन थैली औ बिन झोली औ बिन जूते भेजा तब क्या तुमको किसी बस्तुकी घटी हुई. वे बोले किसूकी नहीं। उसने उनसे कहा परन्तु अब जिस पास थैली हो सो उसे ले ले और वैसेही झोली भी और जिस पास खड्ग न होय सो अपना बस्त्र बेचके एकको मोल लेवे। क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं अवश्य है कि धर्म्मपुस्तकका यह बचन भी कि वह कुकर्म्मियोंके संग गिना गया मुझपर पूरा किया जाय क्योंकि मेरे विषयमेंकी बातें सम्पूर्ण होनेपर हैं। तब वे बोले हे प्रभु देखिये यहां दो खड्ग हैं. उसने उनसे कहा बहुत है।

तब यीशु बाहर निकलके अपनी रीतिके अनुसार जैतून पर्ब्बतपर गया और उसके शिष्य भी उसके पीछे हो लिये। उस स्थानमें पहुंचके उसने उनसे कहा प्रार्थना करो कि तुम परीक्षामें न पड़ो। और वह आप ढेला फेंकनेके टप्पेभर उनसे अलग गया और घुटने टेकके प्रार्थना किई. कि हे पिता जो तेरी इच्छा होय तो इस कटोरेको मेरे पाससे टाल दे तौभी मेरी नहीं पर तेरी इच्छा पूरी हो जाय। तब एक दूत उसे सामर्थ्य

देनेको स्वर्गसे उसको दिखाई दिया। और उसने बड़े संकटमें होके अधिक दृढ़तासे प्रार्थना किई और उसका पसीना ऐसा हुआ जैसे लोहूके थक्के जो भूमिपर गिरें। तब वह प्रार्थनासे उठा और अपने शिष्योंके पास आ उन्हें शोकके मारे सोते पाया . और उनसे कहा क्यों सोते हो उठो प्रार्थना करो कि तुम परीक्षामें न पड़ो।

वह बोलताही था कि देखो बहुत लोग आये और बारह शिष्योंमेंसे एक शिष्य जिसका नाम यिहूदा था उनके आगे आगे चलता था और यीशुका चूमा लेनेको उस पास आया। यीशुने उससे कहा हे यिहूदा क्या तू मनुष्यके पुत्रको चूमा लेके पकड़वाता है। यीशुके संगियोंने जब देखा कि क्या होनेवाला है तब उससे कहा हे प्रभु क्या हम खड्गसे मारें। और उनमेंसे एकने महायाजकके दासको मारा और उसका दहिना कान उड़ा दिया। इसपर यीशुने कहा यहांतक रहने दो . और उस दासका कान छूके उसे चंगा किया। तब यीशुने प्रधान याजकों और मन्दिरके पहरुओंके अध्यक्षों और प्राचीनोंसे जो उस पास आये थे कहा क्या तुम जैसे डाकूपर खड्ग और लाठियां लेके निकले हो। जब मैं मन्दिरमें प्रतिदिन तुम्हारे संग था तब तुम्होंने मुझपर हाथ न बढ़ाये परन्तु यही तुम्हारी घड़ी और अंधकारका पराक्रम है।

वे उसे पकड़के ले चले और महायाजकके घरमें लाये और पितर दूर दूर उसके पीछे हो लिया। जब वे अंगनेमें आग सुलगाके एकट्ठे बैठे तब पितर उन्होंके बीचमें बैठ गया। और एक दासी उसे आगके पास बैठे

देखके उसकी ओर ताकके बोली यह भी उसके संग था। उसने उसे नकारके कहा हे नारी मैं उसे नहीं जानता हूं। थोड़ी बेर पीछे दूसरेने उसे देखके कहा तू भी उनमेंसे एक है. पितरने कहा हे मनुष्य मैं नहीं हूं। घड़ी एक बीते दूसरेने दृढ़तासे कहा यह भी सचमुच उसके संग था क्योंकि वह गालीली भी है। पितरने कहा हे मनुष्य मैं नहीं जानता तू क्या कहता है. और तुरन्त ज्यों वह कह रहा त्यों मुर्ग बोला। तब प्रभुने मुंह फेरके पितरपर दृष्टि किई और पितरने प्रभुका बचन स्मरण किया कि उसने उससे कहा था मुर्गके बोलनेसे आगे तू तीन बार मुझसे मुकरेगा। तब पितर बाहर निकलके बिलक बिलक रोया।

जो मनुष्य यीशुको धरे हुए थे वे उसे मारके ठट्ठा करने लगे. और उसकी आंखें ढांपके उसके मुंहपर थपेड़े मारके उससे पूछा कि भविष्यद्वाणी बोल किसने तुझे मारा। और उन्होंने बहुतसी और निन्दाकी बातें उसके बिरुद्धमें कहीं। ज्योंही बिहान हुआ त्योंही लोगोंके प्राचीन और प्रधान याजक और अध्यापक लोग एकट्ठे हुए और उसे अपनी न्यायसभामें लाये और बोले जो तू खीष्ट है तो हमसे कह। उसने उनसे कहा जो मैं तुमसे कहूं तो तुम प्रतीति नहीं करोगे। और जो मैं कुछ पूछूं तो तुम न उत्तर देओगे न मुझे छोड़ोगे। अबसे मनुष्यका पुत्र सर्व्वशक्तिमान ईश्वरकी दाहिनी ओर बैठेगा। सभोंने कहा तो क्या तू ईश्वरका पुत्र है. उसने उन्होंसे कहा तुम तो कहते हो कि मैं हूं। तब

उन्होंने कहा अब हमें साक्षीका और क्या प्रयोजन क्योंकि हमने आपही उसके मुखसे सुना है ।

२३ तेईसवां पर्ब्ब ।

१ यीशुका पिलातके हाथ सोंपा जाना और पिलातका उसे बिचार करना । ६ पिलातका उसे हेरोदके पास भेजना । १३ उसको छोड़नेकी युक्ति करनेके पीछे घातकोंके हाथ सोंपना । २७ बिलाप करनेहारी स्त्रियोंसे यीशुकी कथा । ३३ उसका क्रूशपर चढ़ाया जाना । ३५ उसपर लोगोंका हंसना । ३९ क्रूशपर चढ़ाये हुए डाकूओंका वृत्तान्त । ४४ यीशुका पुकारना और प्राण त्यागना और लोगोंका अचंभा करना । ५० यूसफका उसको कबरमें रखना ।

तब सारा समाज उठके यीशुको पिलातके पास ले गया . और उसपर यह कहके दोष लगाने लगा कि हमने यही पाया है कि यह मनुष्य लोगोंको बहकाता है और अपनेको खीष्ट राजा कहके कैसरको कर देना बर्जता है । पिलातने उससे पूछा क्या तू यिहूदियोंका राजा है . उसने उसको उत्तर दिया कि आपही तो कहते हैं । तब पिलातने प्रधान याजकों और लोगोंसे कहा मैं इस मनुष्यमें कुछ दोष नहीं पाता हूं । परन्तु उन्होंने अधिक दृढ़ताईसे कहा वह गालीलसे लेके यहांलों सारे यिहूदियामें उपदेश करके लोगोंको उसकाता है ।

पिलातने गालीलका नाम सुनके पूछा क्या यह मनुष्य गालीली है । जब उसने जाना कि वह हेरोदके राज्य-मेंका है तब उसे हेरोदके पास भेजा कि वह भी उन दिनोंमें यिरूशलीममें था । हेरोद यीशुको देखके अति आनन्दित हुआ क्योंकि वह बहुत दिनसे उसको देखने चाहता था इसलिये कि उसके विषयमें बहुत बातें सुनी थीं और उसका कुछ आश्चर्य्य कर्म्म देखनेकी उसको

आशा हुई । उसने उससे बहुत बातें पूछीं परन्तु उसने उसको कुछ उत्तर न दिया । और प्रधान याजकों और अध्यापकोंने खड़े हुए बड़ी धुनसे उसपर दोष लगाये। तब हेरोदने अपनी सेनाके संग उसे तुच्छ जानके ठट्ठा किया और भड़कीला बस्त्र पहिराके उसे पिलातके पास फेर भेजा । उसी दिन पिलात और हेरोद जिन्होंके बीचमें आगेसे शत्रुता थी आपसमें मित्र हो गये।

पिलातने प्रधान याजकों और अध्यक्षों और लोगोंको एकट्ठे बुलाके उन्होंसे कहा . तुम इस मनुष्यको लोगोंका बहकानेहारा कहके मेरे पास लाये हो और देखो मैंने तुम्हारे साम्हने बिचार किया है परन्तु जिन बातोंमें तुम इस मनुष्यपर दोष लगाते हो उन बातोंके विषयमें मैंने उसमें कुछ दोष नहीं पाया है। न हेरोदने पाया है क्योंकि मैंने तुम्हें उस पास भेजा और देखो बधके योग्य कोई काम उससे नहीं किया गया है। सो मैं उसे कोड़े मारके छोड़ देऊंगा। पिलातको अवश्य भी था कि उस पर्ब्बमें एक मनुष्यको लोगोंके लिये छोड़ देवे। तब लोग सब मिलके चिल्लाये कि इसको ले जाइये और हमारे लिये बरब्बाको छोड़ दीजिये। यही बरब्बा किसी बलवेके कारण जो नगरमें हुआ था और नरहिंसाके कारण बन्दीगृहमें डाला गया था। पिलात यीशुको छोड़नेकी इच्छा कर लोगोंसे फिर बोला । परन्तु उन्होंने पुकारा कि उसे क्रूशपर चढ़ाइये क्रूशपर चढ़ाइये। उसने तीसरी बेर उनसे कहा। क्यों उसने कौनसी बुराई किई है . मैंने उसमें बधके योग्य कोई दोष नहीं

पाया है इसलिये मैं उसे कोड़े मारके छोड़ देऊंगा। परन्तु वे ऊंचे ऊंचे शब्दसे यत्न करके मांगने लगे कि वह क्रूशपर चढ़ाया जाय और उन्होंके और प्रधान याजकोंके शब्द प्रबल ठहरे। सो पिलातने आज्ञा दिई कि उनकी बिन्तीके अनुसार किया जाय। और उसने उस मनुष्यको जो बलवे और नरहिंसाके कारण बन्दीगृहमें डाला गया था जिसे वे मांगते थे उनके लिये छोड़ दिया और यीशुको उनकी इच्छापर सोंप दिया। जब वे उसे ले जाते थे तब उन्होंने शिमोन नाम कुरीनी देशके एक मनुष्यको जो गांवसे आता था पकड़के उसपर क्रूश धर दिया कि उसे यीशुके पीछे ले चले।

लोगोंकी बड़ी भीड़ उसके पीछे हो लिई और बहुतेरी स्त्रियां भी जो उसके लिये छाती पीटती और बिलाप करती थीं। यीशुने उन्होंकी ओर फिरके कहा हे यिरूशलीमकी पुत्रियो मेरे लिये मत रोओ परन्तु अपने लिये और अपने बालकोंके लिये रोओ। क्योंकि देखो वे दिन आते हैं जिन्होंमें लोग कहेंगे धन्य वे स्त्रियां जो बांझ हैं और वे गर्भ जिन्होंने लड़के न जन्माये और वे स्तन जिन्होंने दूध न पिलाया है। तब वे पर्व्वतोंसे कहने लगेंगे कि हमोंपर गिरो और टीलोंसे कि हमें ढांपो। क्योंकि जो वे हरे पेड़से यह करते हैं तो सूखेसे क्या किया जायगा। वे और दो मनुष्योंको भी जो कुकर्म्मी थे यीशुके संग घात करनेको ले चले।

जब वे उस स्थानपर जो खोपड़ी कहावता है पहुंचे तब उन्होंने वहां उसको और उन कुकर्म्मियोंको एकको

दहिनी ओर और दूसरेको बाईं ओर क्रूशोंपर चढ़ाया। तब यीशुने कहा हे पिता उन्हें क्षमा कर क्योंकि वे नहीं जानते क्या करते हैं . और उन्होंने चिट्ठियां डालके उसके कपड़े बांट लिये।

लोग खड़े हुए देखते रहे और अध्यक्षोंने भी उनके संग ठट्ठा कर कहा उसने औरोंको बचाया जो वह ईश्वरका चुना हुआ जन खीष्ट है तो अपनेको बचावे। योद्धाओंने भी उससे ठट्ठा करनेको निकट आके उसे सिरका दिया . और कहा जो तू यिहूदियोंका राजा है तो अपनेको बचा। और उसके ऊपरमें एक पत्र भी था जो यूनानीय औ रोमीय औ इब्रीय अक्षरोंमें लिखा हुआ था कि यह यिहूदियोंका राजा है।

जो कुकर्म्मी लटकाये गये थे उनमेंसे एकने उसकी निन्दा कर कहा जो तू खीष्ट है तो अपनेको और हमोंको बचा। इसपर दूसरेने उसे डांटके कहा क्या तू ईश्वरसे कुछ डरता भी नहीं . तुझपर तो वैसाही दंड दिया जाता है। और हमोंपर न्यायकी रीतिसे दिया जाता क्योंकि हम अपने कर्म्मोंके योग्य फल भोगते हैं परन्तु इसने कोई अनुचित काम नहीं किया है। तब उसने यीशुसे कहा हे प्रभु जब आप अपने राज्यमें आवें तब मेरी सुध लीजिये। यीशुने उससे कहा मैं तुझसे सच कहता हूं कि आजही तू मेरे संग स्वर्गलोकमें होगा।

जब दो पहरके निकट हुआ तब सारे देशमें तीसरे पहरलों अंधकार हो गया। सूर्य्य अंधियारा हो गया और मन्दिरका परदा बीचसे फट गया। और यीशुने बड़े

शब्दसे पुकारके कहा हे पिता मैं अपना आत्मा तेरे हाथमें सोंपता हूं और यह कहके प्राण त्यागा। जो हुआ था सो देखके शतपतिने ईश्वरका गुणानुबाद कर कहा निश्चय यह मनुष्य धर्म्मी था। और सब लोग जो यह देखनेको एकट्ठे हुए थे जो कुछ हुआ था सो देखके अपनी अपनी छाती पीटते हुए फिर गये। और यीशुके सब चिन्हार और वे स्त्रियां जो गालीलसे उसके संग आई थीं दूर खड़े हो यह सब देखते रहे।

और देखो यूसफ नाम यिहूदियोंके अरिमथिया नगरका एक मनुष्य था जो मन्त्री था और उत्तम और धर्म्मी पुरुष होके दूसरे मन्त्रियोंके बिचार और काममें नहीं मिला था। और वह आप भी ईश्वरके राज्यकी बाट जोहता था। उसने पिलातके पास जाके यीशुकी लोथ मांग लिई। तब उसने उसे उतारके चद्दरमें लपेटा और एक कबरमें रखा जो पत्थरमें खोदी हुई थी जिसमें कोई कभी नहीं रखा गया था। वह दिन तैयारीका दिन था और बिश्रामवार समीप था। वे स्त्रियां भी जो गालील से उसके संग आई थीं पीछे हो लिईं और कबरको और उसकी लोथ क्योंकर रखी गई उसको देख लिया। और उन्होंने लौटके सुगन्ध द्रव्य और सुगन्ध तेल तैयार किया और आज्ञाके अनुसार बिश्रामके दिनमें बिश्राम किया।

२४ चौबीसवां पर्ब्ब।

१ स्त्रियोंका दूतसे यीशुके जी उठनेका समाचार सुनना और शिष्योंको कह देना। १३ यीशुका इम्माऊको जाते हुए दो शिष्योंको दर्शन देना और उनसे बातचीत करना। ३६ यिरूशलीममें शिष्योंको दर्शन देना और उन्हें प्रेरण करना। ५० स्वर्गमें जाना।

तब अठवारेके पहिले दिन बड़ी भोर ये स्त्रियां और उनके संग कई एक और स्त्रियां वह सुगन्ध जो उन्होंने तैयार किया था लेके कबरपर आईं। परन्तु उन्होंने पत्थरको कबरके साम्हनेसे लुढ़काया हुआ पाया. और भीतर जाके प्रभु यीशुकी लोथ न पाई। जब वे इस बातके विषयमें दुबधा कर रहीं तब देखो दो पुरुष चमकते बस्त्र पहिने हुए उनके निकट खड़े हो गये। जब वे डर गईं और धरतीकी ओर मुंह झुकाये रहीं तब वे उनसे बोले तुम जीवतेको मृतकोंके बीचमें क्यों ढूंढ़ती हो। वह यहां नहीं है परन्तु जी उठा है. स्मरण करो कि उसने गालीलमें रहते हुए तुमसे कहा. अवश्य है कि मनुष्यका पुत्र पापी लोगोंके हाथमें पकड़वाया जाय और क्रूशपर घात किया जाय और तीसरे दिन जी उठे। तब उन्होंने उसकी बातोंको स्मरण किया। और कबरसे लौटके उन्होंने ग्यारह शिष्योंको और और सभोंको यह सब बातें सुनाईं। मरियम मगदलीनी और योहाना और याकूबकी माता मरियम और उनके संगकी और स्त्रियां थीं जिन्होंने प्रेरितोंसे यह बातें कहीं। परन्तु उनकी बातें उन्होंके आगे कहानीसी समझ पड़ीं और उन्होंने उनकी प्रतीति न किई। तब पितर उठके कबरपर दौड़ गया और झुकके केवल चद्दर पड़ी हुई देखी और जो हुआ था उससे अपने मनमें अचंभा करता हुआ चला गया।

देखो उसी दिन उनमेंसे दो जन इम्माऊ नाम एक गांवको जो यिरूशलीमसे कोश चार एक पर था जाते थे। और वे इन सब बातोंपर जो हुई थीं आपसमें बात-

चीत करते थे। ज्यों वे बातचीत श्रीर बिचार कर रहे
त्यों यीशु श्रापही निकट श्राके उनके संग हो लिया।
परन्तु उनकी दृष्टि ऐसी रोकी गई कि उन्होंने उसको
नहीं चीन्हा। उसने उनसे कहा यह क्या बातें हैं जिन-
पर तुम चलते हुए श्रापसमें बातचीत करते श्रीर उदास
होते हो। तब एक जनने जिसका नाम क्लियोपा था
उत्तर देके उससे कहा क्या केवल तूही यिरूशलीममें
डेरा करके वे बातें जो उसमें इन दिनोंमें हुई हैं नहीं
जानता है। उसने उनसे कहा कौनसी बातें. उन्होंने
उससे कहा यीशु नासरीके विषयमें जो भविष्यद्वक्ता श्रीर
ईश्वरके श्रीर सब लोगोंके श्रागे काममें श्रीर बचन-
में शक्तिमान पुरुष था। क्योंकर हमारे प्रधान याजकों
श्रीर श्रध्यक्षोंने उसे सोंप दिया कि उसपर बध किये
जानेकी श्राज्ञा दिई जाय श्रीर उसे क्रूशपर घात किया
है। परन्तु हमें श्राशा थी कि वही है जो इस्रायेलका
उद्धार करेगा. श्रीर भी जबसे यह हुश्रा तबसे श्राज
उसको तीसरा दिन है। श्रीर हमोंमेंसे कितनी स्त्रियोंने
भी हमें बिस्मित किया है कि वे भोरको कबरपर गईं. पर
उसकी लोथ न पाके फिर श्राके बोलीं कि हमने स्वर्ग-
दूतोंका दर्शन भी पाया है जो कहते हैं कि वह जीता है।
तब हमारे संगियोंमेंसे कितने जन कबरपर गये श्रीर जैसा
स्त्रियोंने कहा तैसाही पाया परन्तु उसको न देखा। तब
यीशुने उनसे कहा हे निर्बुद्धि श्रीर भविष्यद्वक्ताश्रोंकी सब
बातोंपर विश्वास करनेमें मन्दमति लोगो. क्या श्रवश्य
न था कि खीष्ट यह दुःख उठाके श्रपने ऐश्वर्य्यमें प्रवेश

करे । तब उसने मूसासे श्रीर सब भविष्यद्वक्ताओंसे आरंभ कर सारे धर्म्मपुस्तकमें अपने विषयमेंकी बातोंका अर्थ उन्होंको बताया। इतनेमें वे उस गांवके पास पहुंचे जहां वे जाते थे श्रीर उसने ऐसा किया जैसा कि आगे जाता है । परन्तु उन्होंने यह कहके उसको रोका कि हमारे संग रहिये क्योंकि सांझ हो चली श्रीर दिन ढल गया है. तब वह उनके संग रहनेको भीतर गया। जब वह उनके संग भोजनपर बैठा तब उसने रोटी लेके धन्यबाद किया श्रीर उसे तोड़के उनको दिया । तब उनकी दृष्टि खुल गई श्रीर उन्होंने उसको चीन्हा श्रीर वह उनसे अन्तर्द्धान हो गया। श्रीर उन्होंने आपसमें कहा जब वह मार्गमें हमसे बात करता था श्रीर धर्म्म-पुस्तकका अर्थ हमें बताता था तब क्या हमारा मन हममें न तपता था। वे उसी घड़ी उठके यिरूशलीमको लौट गये श्रीर ग्यारह शिष्योंको श्रीर उनके संगियोंको एकट्ठे हुए श्रीर यह कहते हुए पाया. कि निश्चय प्रभु जी उठा है श्रीर शिमोनको दिखाई दिया है। तब उन दोनोंने कह सुनाया कि मार्गमें क्या हुआ था श्रीर यीशु क्योंकर रोटी तोड़नेमें उनसे पहचाना गया।

वे यह कहतेही थे कि यीशु आपही उनके बीचमें खड़ा हो उनसे बोला तुम्हारा कल्याण होय। परन्तु वे व्याकुल श्रीर भयमान हुए श्रीर समझा कि हम प्रेतको देखते हैं । उसने उनसे कहा क्यों व्याकुल हो श्रीर तुम्हारे मनमें सन्देह क्यों उत्पन्न होता है। मेरे हाथ श्रीर मेरे पांव देखो कि मैं आपही हूं. मुझे टोओ श्रीर

देख लो क्योंकि जैसे तुम मुझमें देखते हो तैसे प्रेतको हाड़ मांस नहीं होते हैं। यह कहके उसने अपने हाथ पांव उन्हें दिखाये। ज्यों वे मारे आनन्दके प्रतीति न करते थे और अचंभित हो रहे त्यों उसने उनसे कहा क्या तुम्हारे पास यहां कुछ भोजन है। उन्होंने उसको कुछ भूनी मछली और मधुका छत्ता दिया। उसने लेके उनके साम्हने खाया। और उसने उनसे कहा यही वे बातें हैं जो मैंने तुम्हारे संग रहते हुए तुमसे कहीं कि जो कुछ मेरे विषयमें मूसाकी व्यवस्थामें और भविष्यद्वक्ताओं और गीतोंके पुस्तकोंमें लिखा है सबका पूरा होना अवश्य है। तब उसने धर्म्मपुस्तक समझनेको उनका ज्ञान खोला. और उनसे कहा यूं लिखा है और इसी रीतिसे अवश्य था कि ख्रीष्ट दुःख उठावे और तीसरे दिन मृतकोंमेंसे जी उठे. और यिरूशलीमसे आरंभ कर सब देशोंके लोगोंमें उसके नामसे पश्चात्तापकी और पाप मोचनकी कथा सुनाई जावे। तुम इन बातोंके साक्षी हो। देखो मेरे पिताने जिसकी प्रतिज्ञा किई उसको मैं तुम्होंपर भेजता हूं और तुम जबलों ऊपरसे शक्ति न पावो तबलों यिरूशलीम नगरमें रहो।

तब वह उन्हें बैथनियालों बाहर ले गया और अपने हाथ उठाके उन्हें आशीस दिई। उन्हें आशीस देते हुए वह उनसे अलग हो गया और स्वर्गपर उठा लिया गया। और वे उसको प्रणाम कर बड़े आनन्दसे यिरूशलीमको लौट गये. और नित्य मन्दिरमें ईश्वरकी स्तुति और धन्यवाद किया करते थे। आमीन॥

प्रेरितोंकी क्रियाओंका वृत्तान्त।

---

१ पहिला पर्ब्ब ।

१ यीशुका शिष्योंको आज्ञा देना और स्वर्गमें जाना । १२ शिष्योंका एकट्ठे रहके प्रार्थना करना । १५ यिहूदाकी सन्ती मत्तथियाहको प्रेरितके कामपर ठहराना।

हे थियोफिल वह पहिला वृत्तान्त मैंने सब बातोंके विषयमें रचा जो यीशु उस दिनलों करने और सिखानेका आरंभ किये था. जिस दिन वह पवित्र आत्माके द्वारासे जिन प्रेरितोंको उसने चुना था उन्हें आज्ञा देकरके उठा लिया गया। और उसने उन्हें बहुतेरे अचल प्रमाणोंसे अपने तईं दुःख भोगनेके पीछे जीवता दिखाया कि चालीस दिनलों वे उसे देखा करते थे और वह ईश्वरके राज्यके विषयमें उनसे बातें करता था। और जब वह उनके संग एकट्ठा हुआ तब उन्हें आज्ञा दिई कि यिरूशलीमको मत छोड़ जाओ परन्तु पिताकी जो प्रतिज्ञा तुमने मुझसे सुनी है उसकी बाट जोहते रहो। क्योंकि योहनने तो जलमें बपतिसमा दिया परन्तु थोड़े दिनोंके पीछे तुम्हें पवित्र आत्मामें बपतिसमा दिया जायगा। सो उन्होंने एकट्ठे होके उससे पूछा कि हे प्रभु क्या आप इसी समयमें इस्रायेली लोगोंको राज्य फेर देते हैं। उसने उनसे कहा जिन कालों अथवा समयोंको पिताने अपनेही बशमें रखा है उन्हें जाननेका अधिकार तुम्हें नहीं है। परन्तु तुमपर पवित्र आत्माके आनेसे तुम सामर्थ्य पाओगे और यिरूशलीममें और सारे यिहूदिया और शोमिरोन देशोंमें

और पृथिवीके अन्तलों मेरे साक्षी होओगे। यह कहके वह उनके देखते हुए ऊपर उठाया गया और मेघने उसे उनकी दृष्टिसे छिपा लिया। ज्योंही वे उसके जाते हुए स्वर्गकी ओर तकते रहे त्योंही देखो दो पुरुष उजला बस्त्र पहिने हुए उनके निकट खड़े हो गये. और कहा हे गालीली लोगो तुम क्यों स्वर्गकी ओर देखते हुए खड़े हो. यही यीशु जो तुम्हारे पाससे स्वर्गपर उठा लिया गया है जिस रीतिसे तुमने उसे स्वर्गको जाते देखा है उसी रीतिसे आवेगा।

तब वे जैतून नाम पर्ब्बतसे जो यिरूशलीमके निकट अर्थात एक बिश्रामवारकी बाट भर दूर है यिरूशलीमको लौटे। और जब वे पहुंचे तब उपरौठी कोठरीमें गये जहां वे अर्थात पितर औ याकूब औ योहन औ अन्द्रिय और फिलिप औ थोमा और बर्थलमई औ मत्ती और अलफईका पुत्र याकूब औ शिमोन उद्योगी और याकूबका भाई यिहूदा रहते थे। ये सब एक चित्त होके स्त्रियोंके और यीशुकी माता मरियमके संग और उसके भाइयोंके संग प्रार्थना और बिन्तीमें लगे रहते थे।

उन दिनोंमें पितर शिष्योंके बीचमें खड़ा हुआ. एक सौ बीस जनके अटकल एकट्ठे थे. और कहा हे भाइयो अवश्य था कि धर्म्मपुस्तकका यह बचन पूरा होय जो पवित्र आत्माने दाऊदके मुखसे यिहूदाके विषयमें जो यीशुके पकड़नेहारोंका अगुवा था आगेसे कह दिया। क्योंकि वह हमारे संग गिना गया था और इस सेवकाईका अधिकार पाया था। उसने तो अधर्म्मकी मजूरीसे

एक खेत मोल लिया और औंधे मुंह गिरके बीचसे फट गया और उसकी सब अन्तड़ियां निकल पड़ीं । यह बात यिरूशलीमके सब निवासियोंको जान पड़ी इसलिये वह खेत उनकी भाषामें हकलदामा अर्थात लोहूका खेत कहलाया । गीतोंके पुस्तकमें लिखा है कि उसका घर उजाड़ होय और उसमें कोई न बसे और कि उसका रखवालीका काम दूसरा लेवे । इसलिये प्रभु यीशु योहनके बपतिसमाके समयसे लेके उस दिनलों कि वह हमारे पाससे उठा लिया गया जितने दिन हमारे बीचमें आया जाया किया . जो मनुष्य सब दिन हमारे संग रहे हैं उन्होंमेंसे उचित है कि एक जन हमारे संग यीशुके जी उठनेका साक्षी होय । तब उन्होंने दोको अर्थात यूसफको जो बर्शबा कहावता है जिसका उपनाम युस्त था और मत्तथियाहको खड़ा किया . और प्रार्थना करके कहा हे प्रभु सभोंके अन्तर्यामी इन दोनोंमेंसे एकको जिसे तूने चुना है ठहरा दे . कि वह इस सेवकाई और प्रेरिताईका अधिकार पावे जिससे यिहूदा पतित हुआ कि अपने निज स्थानको जाय । तब उन्होंने चिट्ठियां डालीं और चिट्ठी मत्तथियाहके नामपर निकली और वह एग्यारह प्रेरितोंके संग गिना गया ।

२ दूसरा पर्ब्ब ।

१ पवित्र आत्माका दिया जाना और शिष्योंका अनेक बोलियां बोलना । ५ लोगोंका अचंभा करना । १४ पितरका उपदेश । ३७ बहुत लोगोंका इस उपदेशको ग्रहण करना । ४१ उनके बपतिसमा लेने और सुचाल चलनेका बर्णन ।

जब पेंतिकोष्ट पर्ब्बका दिन आ पहुंचा तब वे सब एक चित्त होकर एकट्ठे हुए थे । और अचांचक प्रबल

बयारके चलनेकासा स्वर्गसे एक शब्द हुआ जिससे सारा घर जहां वे बैठे थे भर गया। और आगकीसी जीभें अलग अलग होती हुईं उन्हें दिखाई दिईं और वह हर एक जनपर ठहर गई। तब वे सब पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हुए और जैसे आत्माने उन्हें बुलवाया तैसे आन आन बोलियां बोलने लगे।

यिरूशलीममें कितने भक्त यिहूदी लोग बास करते थे जो स्वर्गके नीचेके हर एक देशसे आये थे। इस शब्दके होनेपर बहुत लोग एकट्ठे हुए और घबरा गये क्योंकि उन्होंने उनको हर एक अपनीही भाषामें बोलते हुए सुना। और वे सब बिस्मित और अचंभित हो आपसमें कहने लगे देखो ये सब जो बोलते हैं क्या गालीली लोग नहीं हैं। फिर हम लोग क्योंकर हर एक अपने अपने जन्म देशकी भाषामें सुनते हैं। हम जो पर्थी और मादी और एलमी लोग और मिसपतामिया और यिहूदिया औ कपदोकिया और पन्त औ आशिया . और फ्रूगिया औ पंफुलिया और मिसर औ कुरीनीके आसपासका लूबिया देश इन सब देशोंके निवासी और रोम नगरसे आये हुए लोग क्या यिहूदी क्या यिहूदीय मतावलंबी . क्रीतीय भी औ अरब लोग हैं उन्हें अपनी अपनी बोलियोंमें ईश्वरके महाकार्य्योंकी बात बोलते हुए सुनते हैं। सो वे सब बिस्मित हो दुबधामें पड़े और एक दूसरेसे कहने लगा इसका अर्थ क्या है। परन्तु और लोग ठट्ठेमें कहने लगे वे नई मदिरासे छकाछक हुए हैं।

तब पितरने एग्यारह शिष्योंके संग खड़ा होके ऊंचे शब्दसे उन्हें कहा हे यिहूदियो और यिरूशलीमके सब निवासियो इस बातको बूझ लो और मेरी बातोंपर कान लगाओ। ये तो मतवाले नहीं हैं जैसा तुम समझते हो क्योंकि पहरही दिन चढ़ा है। परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्तासे कही गई. कि ईश्वर कहता है पिछले दिनोंमें ऐसा होगा कि मैं सब मनुष्योंपर अपना आत्मा उंडेलूंगा और तुम्हारे पुत्र और तुम्हारी पुत्रियां भविष्यद्वाक्य कहेंगे और तुम्हारे जवान लोग दर्शन देखेंगे और तुम्हारे वृद्ध लोग स्वप्न देखेंगे। और भी मैं अपने दासों और अपनी दासियों-पर उन दिनोंमें अपना आत्मा उंडेलूंगा और वे भविष्यद्वाक्य कहेंगे। और मैं ऊपर आकाशमें अद्भुत काम और नीचे पृथिवीपर चिन्ह अर्थात लोहू और आग और धूएंकी भाफ दिखाऊंगा। परमेश्वरके बड़े और प्रसिद्ध दिनके आनेके पहिले सूर्य्य अंधियारा और चांद लोहूसा हो जायगा। और जो कोई पर-मेश्वरके नामकी प्रार्थना करेगा सो त्राण पावेगा।

हे इस्रायेली लोगो यह बातें सुनो. यीशु नासरी एक मनुष्य जिसका प्रमाण ईश्वरसे आश्चर्य्य कर्म्मों और अद्भुत कामों और चिन्होंसे तुम्हें दिया गया है जो ईश्वर-ने तुम्हारे बीचमें जैसा तुम आप भी जानते हो उसके द्वारासे किये. उसीको जब वह ईश्वरके स्थिर मत और भविष्यत ज्ञानके अनुसार सोंपा गया तुमने लिया और अधर्म्मियोंके हाथोंके द्वारा क्रूशपर ठोंकके मार डाला।

उसीको ईश्वरने मृत्युके बंधन खोलके जिला उठाया क्योंकि अन्होना था कि वह मृत्युके बशमें रहे। क्योंकि दाऊदने उसके विषयमें कहा मैंने परमेश्वरको सदा अपने साम्हने देखा कि वह मेरी दहिनी ओर है जिस्तें मैं डिग न जाऊं। इस कारण मेरा मन आनन्दित हुआ और मेरी जीभ हर्षित हुई हां मेरा शरीर भी आशामें बिश्राम करेगा। क्योंकि तू मेरे प्राणको परलोकमें न छोड़ेगा और न अपने पवित्र जनको सड़ने देगा। तूने मुझे जीवनका मार्ग बताया है तू मुझे अपने सन्मुख आनन्दसे परिपूर्ण करेगा।

हे भाइयो उस कुलपति दाऊदके विषयमें मैं तुमसे खोलके कहूं. वह तो मरा और गाड़ा भी गया और उसकी कबर आजलों हमारे बीचमें है। सो भविष्यद्वक्ता होके और यह जानके कि ईश्वरने मुझसे किरिया खाई है कि मैं शरीरके भावसे खीष्टको तेरे बंशमेंसे उत्पन्न करूंगा कि वह तेरे सिंहासनपर बैठे. उसने होन्हारको आगेसे देखके खीष्टके जी उठनेके विषयमें कहा कि उसका प्राण परलोकमें नहीं छोड़ा गया और न उसका देह सड़ गया। इसी यीशुको ईश्वरने जिला उठाया और इस बातके हम सब साक्षी हैं। सो ईश्वरके दहिने हाथ ऊंच पद प्राप्त करके और पवित्र आत्माके विषयमें जो कुछ प्रतिज्ञा किया गया सोई पितासे पाके उसने यह जो तुम अब देखते और सुनते हो उंडेल दिया है। क्योंकि दाऊद स्वर्गपर नहीं चढ़ गया परन्तु उसने कहा कि परमेश्वरने मेरे प्रभुसे कहा. जबलों मैं तेरे शत्रुओं-

को तेरे चरणोंकी पीढ़ी न बनाऊं तबलों तू मेरी दहिनी ओर बैठ। सो इस्रायेलका सारा घराना निश्चय जाने कि यह यीशु जिसे तुमने क्रूशपर घात किया इसीको ईश्वरने प्रभु और ख्रीष्ट ठहराया है।

तब सुननेहारोंके मन छिद गये और वे पितरसे और दूसरे प्रेरितोंसे बोले हे भाइयो हम क्या करें। पितरने उनसे कहा पश्चात्ताप करो और हर एक जन यीशु ख्रीष्टके नामसे बपतिसमा लेओ कि तुम्हारा पापमोचन होय और तुम पवित्र आत्मा दान पाओगे। क्योंकि वह प्रतिज्ञा तुम्होंके लिये और तुम्हारे सन्तानोंके लिये और दूर दूरके सब लोगोंके लिये है जितनोंको परमेश्वर हमारा ईश्वर अपने पास बुलावे। बहुत और बातोंसे भी उसने साक्षी और उपदेश दिया कि इस समयके टेढ़े लोगोंसे बच जाओ।

तब जिन्होंने उसका बचन आनन्दसे ग्रहण किया उन्होंने बपतिसमा लिया और उस दिन तीन सहस्र जनके अटकल शिष्योंमें मिल गये। और वे प्रेरितोंके उपदेशमें और संगतिमें और रोटी तोड़नेमें और प्रार्थनामें लगे रहते थे। और सब मनुष्योंको भय हुआ और बहुतेरे अद्भुत काम और चिन्ह प्रेरितोंके द्वारा प्रगट होते थे। और सब बिश्वास करनेहारे एकट्ठे थे और उन्होंकी सब सम्पत्ति साझेकी थी। और वे धन सम्पत्तिको बेचके जैसा जिसको प्रयोजन होता था तैसा सभोंमें बांट लेते थे। और वे प्रतिदिन मन्दिरमें एक चित्त होके लगे रहते थे और घर घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मनकी

सूधाईसे भोजन करते थे. और ईश्वरकी स्तुति करते थे और सब लोगोंका उनपर अनुग्रह था. और प्रभु त्राण पानेहारोंको प्रतिदिन मंडलीमें मिलाता था।

३ तीसरा पर्व्व।

१ पितरसे एक लंगड़ेका चंगा होना। ९ लोगोंका एकट्ठे होना। १२ पितरका उनसे बातें करना।

तीसरे पहर प्रार्थनाके समयमें पितर और योहन एक संग मन्दिरको जाते थे। और लोग किसी मनुष्यको जो अपनी माताके गर्भहीसे लंगड़ा था लिये जाते थे जिसको वे प्रतिदिन मन्दिरके उस द्वारपर जो सुन्दर कहावता है रख देते थे कि वह मन्दिरमें जानेहारोंसे भीख मांगे। उसने पितर और योहनको देखके कि मन्दिरमें जानेपर हैं उनसे भीख मांगी। पितरने योहनके संग उसकी ओर दृष्टि कर कहा हमारी ओर देख। सो वह उनसे कुछ पानेकी आशा करते हुए उनकी ओर ताकने लगा। परन्तु पितरने कहा चांदी और सोना मेरे पास नहीं है परन्तु यह जो मेरे पास है मैं तुझे देता हूं यीशु ख्रीष्ट नासरीके नामसे उठ और चल। तब उसने उसका दहिना हाथ पकड़के उसे उठाया और तुरन्त उसके पांवों और घुट्ठियोंमें बल हुआ। और वह उछलके खड़ा हुआ और फिरने लगा और फिरता और कूदता और ईश्वरकी स्तुति करता हुआ उनके संग मन्दिरमें प्रवेश किया।

सब लोगोंने उसे फिरते और ईश्वरकी स्तुति करते हुए देखा. और उसको चीन्हा कि वही है जो मन्दिरके

सुन्दर फाटकपर भीखके लिये बैठा रहता था और जो उसको हुआ था उससे वे अति अचंभित और बिस्मित हुए। जिस समय वह लंगड़ा जो चंगा हुआ था पितर और योहनको पकड़े रहा सब लोग बहुत अचंभा करते हुए उस ओसारेमें जो सुलेमानका कहावता है उनके पास दौड़े आये।

यह देखके पितरने लोगोंसे कहा हे इस्रायेली लोगो तुम इस मनुष्यसे क्यों अचंभा करते हो अथवा हमारी ओर क्यों ऐसा ताकते हो कि जैसा हमने अपनीही शक्ति अथवा भक्तिसे इसको चलनेका सामर्थ्य दिया होता। इब्राहीम और इसहाक और याकूबके ईश्वरने हमारे पितरोंके ईश्वरने अपने सेवक यीशुकी महिमा प्रगट किई जिसे तुमने पकड़वाया और उसको पिलातके सन्मुख नकारा जब कि उसने उसे छोड़ देनेको ठहराया था। परन्तु तुमने उस पवित्र और धर्म्मीको नकारा और मांगा कि एक हत्यारा तुम्हें दिया जाय। और तुमने जीवनके कर्त्ताको घात किया परन्तु ईश्वरने उसे मृतकोंमेंसे उठाया और इस बातके हम साक्षी हैं। और उसके नामके बिश्वाससे उसके नामहीने इस मनुष्यको जिसे तुम देखते औ जानते हो सामर्थ्य दिया है हां जो बिश्वास उसके द्वारासे है उसीसे यह संपूर्ण आरोग्य तुम सभोंके साम्ने इसको मिला है।

और अब हे भाइयो मैं जानता हूं कि तुम्होंने वह काम अज्ञानतासे किया और वैसे तुम्हारे प्रधानोंने भी किया। परन्तु ईश्वरने जो बात उसने अपने सब भविष्य-

दूक्ताओंके मुखसे आगे बताई थी कि ख्रीष्ट दुःख भोगेगा वह बात इस रीतिसे पूरी किई। इसलिये पश्चात्ताप करके फिर जाओ कि तुम्हारे पाप मिटाये जायें जिस्तें जीवका ठंढा होनेका समय परमेश्वरकी ओरसे आवे. और वह यीशु ख्रीष्टको भेजे जिसका समाचार तुम्हें आगेसे कहा गया है. जिसे अवश्य है कि स्वर्ग सब बातोंके सुधारे जानेके उस समयलों ग्रहण करे जिसकी कथा ईश्वरने आदिसे अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओंके मुखसे कही है।

मूसाने पितरोंसे कहा परमेश्वर तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे भाइयोंमेंसे मेरे समान एक भविष्यद्वक्ताको तुम्हारे लिये उठावेगा जो जो बातें वह तुमसे कहे उन सब बातोंमें तुम उसकी सुनो। परन्तु हर एक मनुष्य जो उस भविष्यद्वक्ताकी न सुने लोगोंमेंसे नाश किया जायगा। और सब भविष्यद्वक्ताओंने भी शमुएलसे और उसके पीछेके भविष्यद्वक्ताओंसे लेके जितनोंने बातें किईं इन दिनोंका भी आगेसे सन्देश दिया है। तुम भविष्यद्वक्ताओंके और उस नियमके सन्तान हो जो ईश्वरने हमारे पितरोंके संग बांधा कि उसने इब्राहीमसे कहा पृथिवीके सारे घराने तेरे बंशके द्वारासे आशीस पावेंगे। तुम्हारे पास ईश्वरने अपने सेवक यीशुको उठाके पहिले भेजा जो तुममेंसे हर एकको तुम्हारे कुकर्म्मोंसे फिरानेमें तुम्हें आशीस देता था।

४ चौथा पर्ब्बे ।

१ पितर और योहनका बन्दीगृहमें डाला जाना । ५ पितरका महायाजकके आगे उत्तर देना । १३ न्याइयोंका आपसमें बिचार करना और पितर औ योहनको धमकाना और छोड़ देना । २३ उन दोनोंका शिष्योंके संग मिलके प्रार्थना करना । ३२ शिष्योंका अपने धनको आपसमें बांट लेना और बर्णबाकी कथा ।

जिस समय वे लोगोंसे कह रहे याजक लोग और मन्दिरके पहरुओंका अध्यक्ष और सटूकी लोग उनपर चढ़ आये. कि वे अप्रसन्न होते थे इसलिये कि वे लोगोंको सिखाते थे और मृतकोंमेंसे जी उठनेकी बात यीशुके प्रमाणसे प्रचार करते थे । और उन्होंने उन्हें पकड़के बिहानलों बन्दीगृहमें रखा क्योंकि सांझ हुई थी। परन्तु बचनके सुननेहारोंमेंसे बहुतोंने बिश्वास किया और उन मनुष्योंकी गिन्ती पांच सहस्रके अटकल हुई ।

बिहान हुए लोगोंके प्रधान और प्राचीन और अध्यापक लोग. और हन्नस महायाजक और कियाफा और योहन और सिकन्दर और महायाजकके घरानेके जितने लोग थे ये सब यिरूशलीममें एकट्ठे हुए । और उन्होंने पितर और योहनको बीचमें खड़ा करके पूछा तुमने यह काम किस सामर्थ्यसे अथवा किस नामसे किया । तब पितरने पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हो उनसे कहा हे लोगोंके प्रधानो और इस्रायेलके प्राचीनो . इस दुर्ब्बल मनुष्यपर जो भलाई किई गई है यदि उसके विषयमें आज हमसे पूछा जाता है कि वह किस नामसे चंगा किया गया है. तो आप लोग सब जानिये और समस्त इस्रायेली लोग जानें कि यीशु ख्रीष्ट नासरीके नामसे जिसे आप लोगोंने क्रूशपर घात किया जिसे ईश्वरने मृतकों-

मेंसे उठाया उसीसे यह मनुष्य आप लोगोंके आगे चंगा खड़ा है। यही वह पत्थर है जिसे आप थवइयोंने तुच्छ जाना जो कोनेका सिरा हुआ है। और किसी दूसरेसे त्राण नहीं है क्योंकि स्वर्गके नीचे दूसरा नाम नहीं है जो मनुष्योंके बीचमें दिया गया है जिससे हमें त्राण पाना होगा।

तब उन्होंने पितर और योहनका साहस देखके और यह जानके कि वे बिद्याहीन और अज्ञान मनुष्य हैं अचंभा किया और उनको चीन्हा कि वे यीशुके संग थे। और उस चंगा किये हुए मनुष्यको उनके संग खड़े देखके वे कोई बात बिरोधमें न कह सके। परन्तु उनको सभाके बाहर जानेकी आज्ञा देके उन्होंने आपसमें बिचार किया. कि हम इन मनुष्योंसे क्या करें क्योंकि एक प्रसिद्ध आश्चर्य्य कर्म्म उन्होंसे हुआ है यह बात यिरूशलीमके सब निवासियोंपर प्रगट है और हम नहीं मुकर सकते हैं। परन्तु जिस्तें लोगोंमें अधिक फैल न जावे आओ हम उन्हें बहुत धमकावें कि वे इस नामसे फिर किसी मनुष्यसे बात न करें। और उन्होंने उन्हें बुलाके आज्ञा दिई कि यीशुके नामसे कुछ भी मत बोलो और मत सिखाओ। परन्तु पितर और योहनने उनको उत्तर दिया कि ईश्वरसे अधिक आप लोगोंको मानना क्या ईश्वरके आगे उचित है सो आप लोग बिचार कीजिये। क्योंकि जो हमने देखा और सुना है उसको न कहना हमसे नहीं हो सकता है। तब उन्होंने और धमकी देके उन्हें छोड़ दिया कि उन्हें दंड देनेका लोगोंके कारण कोई

उपाय नहीं मिलता था क्योंकि जो हुआ था उसके लिये सब लोग ईश्वरका गुणानुबाद करते थे । क्योंकि वह मनुष्य जिसपर यह चंगा करनेका आश्चर्य्य कर्म्म किया गया था चालीस बरसके ऊपरका था ।

वे छूटके अपने संगियोंके पास आये और जो कुछ प्रधान याजकों औ प्राचीनोंने उनसे कहा था सो सुना दिया । वे सुनके एक चित्त होकर ऊंचा शब्द करके ईश्वरसे बोले हे प्रभु तू ईश्वर है जिसने स्वर्ग औ पृथिवी औ समुद्र और सब कुछ जो उनमें है बनाया . जिसने अपने सेवक दाऊदके मुखसे कहा अन्यदेशियोंने क्यों कोप किया और लोगोंने क्यों व्यर्थ चिन्ता किई । परमेश्वरके और उसके अभिषिक्त जनके बिरुद्ध पृथिवीके राजा लोग खड़े हुए और अध्यक्ष लोग एक संग एकट्ठे हुए । क्योंकि सचमुच तेरे पवित्र सेवक यीशुके बिरुद्ध जिसे तूने अभिषेक किया हेरोद और पन्तिय पिलात भी अन्यदेशियों और इस्रायेली लोगोंके संग एकट्ठे हुए . कि जो कुछ तेरे हाथ और तेरे मतने आगेसे ठहराया था कि हो जाय सोई करें । और अब हे प्रभु उनकी धमकियोंको देख . और चंगा करनेके लिये और चिन्हों और अद्भुत कामोंके तेरे पवित्र सेवक यीशुके नामसे किये जानेके लिये अपना हाथ बढ़ानेसे अपने दासोंको यह दीजिये कि तेरा बचन बड़े साहससे बोलें । जब उन्होंने प्रार्थना किई थी तब वह स्थान जिसमें वे एकट्ठे हुए थे हिल गया और वे सब पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हुए और ईश्वरका बचन साहससे बोलने लगे ।

बिश्वासियोंकी मंडलीका एक मन और एक जीव था और न कोई अपनी सम्पत्तिमेंसे कोई वस्तु अपनी कहता था परन्तु उन्होंकी सब सम्पत्ति साझेकी थी। और प्रेरित लोग बड़े सामर्थ्यसे प्रभु यीशुके जी उठनेकी साक्षी देते थे और उन सभोंपर बड़ा अनुग्रह था। और न उनमेंसे कोई दरिद्र था क्योंकि जो जो लोग भूमि अथवा घरोंके अधिकारी थे सो उन्हें बेचते थे. और बेची हुई वस्तुओं-का दाम लाके प्रेरितोंके पांवोंपर रखते थे और जैसा जिसको प्रयोजन होता था तैसा हर एकको बांटा जाता था। और योशी नाम कुप्रस टापूका एक लेवीय जिसे प्रेरितोंने बर्णबा अर्थात शांतिका पुत्र कहा उसकी कुछ भूमि थी। सो वह उसे बेचके रुपैयोंको लाया और प्रेरितोंके पांवोंपर रखा।

५ पांचवां पर्व्व ।

१ अननियाह और सफीराका कपट करना और मर जाना। १२ प्रेरितोंके अनेक आश्चर्य्य कर्म्म। १७ प्रेरितोंका बन्दीगृहमें रखा जाना और स्वर्गदूतका उन्हें छुड़ाना। २७ पितरका महायाजकको उत्तर देना। ३३ गमलियेलका परामर्श। ४० प्रेरितोंका मार खाके छूट जाना और सताये जानेमें आनन्द करना।

परन्तु अननियाह नाम एक मनुष्यने अपनी स्त्री सफीराके संगमें कुछ भूमि बेची. और दाममेंसे कुछ रख छोड़ा जो उसकी स्त्री भी जानती थी और कुछ लाके प्रेरितोंके पांवोंपर रखा। परन्तु पितरने कहा हे अननि-याह शैतानने क्यों तेरे मनमें यह मत दिया है कि तू पवित्र आत्मासे झूठ बोले और भूमिके दाममेंसे कुछ रख छोड़े। जबलों वह रही क्या तेरी न रही और जब

बिक गई क्या तेरे बशमें न थी. यह क्या है कि तूने यह बात अपने मनमें रखी है. तू मनुष्योंसे नहीं परन्तु ईश्वरसे झूठ बोला है। अननियाह यह बातें सुनतेही गिर पड़ा औ प्राण छोड़ दिया और इन बातोंके सब सुननेहारोंको बड़ा भय हुआ। और जवानोंने उठके उसे लपेटा और बाहर ले जाके गाड़ा। पहर एकके पीछे उसकी स्त्री यह जो हुआ था न जानके भीतर आई। इसपर पितरने उससे कहा मुझसे कह दे क्या तुमने वह भूमि इतनेहीमें बेची. वह बोली हां इतने-में। तब पितरने उससे कहा यह क्या है कि तुम दोनोंने परमेश्वरके आत्माकी परीक्षा करनेको एक संग युक्ति बांधी है. देख तेरे स्वामीके गाड़नेहारोंके पांव द्वारपर हैं और वे तुझे बाहर ले जायेंगे। तब वह तुरन्त उसके पांवोंके पास गिर पड़ी औ प्राण छोड़ दिया और जवानोंने भीतर आके उसे मरी हुई पाया और बाहर ले जाके उसके स्वामीके पास गाड़ा। और सारी मंडलीको और इन बातोंके सब सुननेहारोंको बड़ा भय हुआ।

प्रेरितोंके हाथोंसे बहुत चिन्ह और अद्भुत काम लोगोंके बीचमें किये जाते थे और वे सब एक चित्त होके सुलेमानके ओसारेमें थे। औरोंमेंसे किसीको उनके संग मिलनेका साहस नहीं था परन्तु लोग उनकी बड़ाई करते थे। और और भी बहुत लोग पुरुष और स्त्रियां भी बिश्वास करके प्रभुसे मिल जाते थे। इससे लोग रोगियोंको बाहर सड़कोंमें लाके खाटों और खटोलोंपर रखते थे कि जब पितर आवे तब उसकी

परछाईं भी उनमेंसे किसीपर पड़े। आसपासके नगरोंके लोग भी रोगियोंको और अशुद्ध भूतोंसे सताये हुए लोगोंको लिये हुए यिरूशलीममें एकट्ठे होते थे और वे सब चंगे किये जाते थे।

तब महायाजक उठा और उसके सब संगी जो सदूकियोंका पंथ है और डाहसे भर गये. और प्रेरितोंको पकड़के उन्हें सामान्य बन्दीगृहमें रखा। परन्तु परमेश्वरके एक दूतने रातको बन्दीगृहके द्वार खोलके उन्हें बाहर लाके कहा. जाओ और मन्दिरमें खड़े होके इस जीवनकी सारी बातें लोगोंसे कहो। यह सुनके उन्होंने भोरको मन्दिरमें प्रवेश किया और उपदेश करने लगे. तब महायाजक और उसके संगी लोग आये और न्याइयोंकी सभाको और इस्रायेलके सन्तानोंके सारे प्राचीनोंको एकट्ठे बुलाया और प्यादोंको बन्दीगृहमें भेजा कि उन्हें लावें। प्यादोंने जब पहुंचे तब उन्हें बन्दीगृहमें न पाया परन्तु लौटके सन्देश दिया. कि हमने बन्दीगृहको बड़ी दृढ़तासे बन्द किये हुए और पहरुओंको बाहर द्वारोंके साम्ने खड़े हुए पाया परन्तु जब खोला तब भीतर किसीको न पाया। जब महायाजक और मन्दिरके पहरुओंके अध्यक्ष और प्रधान याजकोंने यह बातें सुनीं तब वे उन्होंके विषयमें दुबधामें पड़े कि यह क्या हुआ चाहता है। तब किसीने आके उन्हें सन्देश दिया कि देखिये वे मनुष्य जिनको आप लोगोंने बन्दीगृहमें रखा मन्दिरमें खड़े हुए लोगोंको उपदेश देते हैं। तब पहरुओंका अध्यक्ष प्यादोंके संग जाके उन्हें ले आया परन्तु

बरियाईसे नहीं क्योंकि वे लोगोंसे डरते थे ऐसा न हो कि पत्थरवाह किये जायें ।

उन्होंने उन्हें लाके न्याइयोंकी सभामें खड़ा किया और महायाजकने उनसे पूछा . क्या हमने तुम्हें दृढ़ आज्ञा न दिई कि इस नामसे उपदेश मत करो . तौभी देखो तुमने यिरूशलीमको अपने उपदेशसे भर दिया है और इस मनुष्यका लोहू हमोंपर लाने चाहते हो । तब पितरने और प्रेरितोंने उत्तर दिया कि मनुष्योंकी आज्ञासे अधिक ईश्वरकी आज्ञाको मानना उचित है । हमारे पितरोंके ईश्वरने यीशुको जिसे आप लोगोंने काठपर लटकाके घात किया जिला उठाया । उसको ईश्वरने कर्त्ता और त्राताका ऊंच पद अपने दहिने हाथ दिया है कि वह इस्रायेली लोगोंसे पश्चात्ताप करवाके उन्हें पापमोचन देवे । और इन बातोंमें हम उसके साक्षी हैं और पवित्र आत्मा भी जिसे ईश्वरने अपने आज्ञाकारियोंको दिया है साक्षी है ।

यह सुननेसे उनको तीरसा लग गया और वे उन्हें मार डालनेका विचार करने लगे । परन्तु न्याइयोंकी सभामें गमलियेल नाम एक फरीशी जो व्यवस्थापक और सब लोगोंमें मर्य्यादिक था खड़ा हुआ और प्रेरितोंको थोड़ी बेर बाहर करनेकी आज्ञा किई . और उनसे कहा हे इस्रायेली मनुष्यो अपने विषयमें सचेत रहो कि तुम इन मनुष्योंसे क्या किया चाहते हो । क्योंकि इन दिनोंके आगे थूदा यह कहता हुआ उठा कि मैं भी कोई हूं और लोग गिन्तीमें चार सौके अटकल उसके

साथ लग गये परन्तु वह मारा गया और जितने लोग उसको मानते थे सब तितर बितर हुए और बिला गये। उसके पीछे नाम लिखानेके दिनोंमें यिहूदा गाली- ली उठा और बहुत लोगोंको अपने पीछे बहका लिया. वह भी नष्ट हुआ और जितने लोग उसको मानते थे सब तितर बितर हुए। और अब मैं तुम्होंसे कहता हूं इन मनुष्योंसे हाथ उठाओ और उन्हें जाने दो क्योंकि यह बिचार अथवा यह काम यदि मनुष्योंकी ओरसे होय तो लोप हो जायगा। परन्तु यदि ईश्वरसे है तो तुम उसे लोप नहीं कर सकते हो. ऐसा न हो कि तुम ईश्वरसे भी लड़नेहारे ठहरो।

तब उन्होंने उसकी मान लिई और प्रेरितोंको बुला- के उन्हें कोड़े मारके आज्ञा दिई कि यीशुके नामसे बात मत करो. तब उन्हें छोड़ दिया। सो वे इस बातसे कि हम उसके नामके लिये निन्दित होनेके योग्य गिने गये आनन्द करते हुए न्याइयोंकी सभाके साम्हनेसे चले गये. और प्रतिदिन मन्दिरमें और घर घर उपदेश करने और यीशु खीष्टका सुसमाचार सुनानेसे नहीं थंभे।

६ छठवां पर्ब्ब।

१ कंगालोंकी सेवाके लिये सात सेवकोंका ठहराया जाना। ८ स्तिफानका उपदेश करना। ११ बिबादियोंका उसपर झूठा दोष लगाना।

उन दिनोंमें जब शिष्य बहुत होने लगे तब यूनानीय भाषा बोलनेहारे इब्रियोंपर कुड़कुड़ाने लगे कि प्रति- दिनकी सेवकाईमें हमारी बिधवाओंकी सुध नहीं लिई जाती। तब बारह प्रेरितोंने शिष्योंकी मंडलीको अपने

पास बुलाके कहा यह अच्छा नहीं लगता है कि हम लोग ईश्वरका बचन छोड़के खिलाने पिलानेकी सेवकाईमें रहें। इसलिये हे भाइयो अपनेमेंसे सात सुख्यात मनुष्योंको जो पवित्र आत्मासे और बुद्धिसे परिपूर्ण हों चुन लो कि हम उनको इस कामपर नियुक्त करें। परन्तु हम तो प्रार्थनामें और बचनकी सेवकाईमें लगे रहेंगे। यह बात सारी मंडलीको अच्छी लगी और उन्होंने स्तिफान एक मनुष्यको जो बिश्वाससे और पवित्र आत्मासे परिपूर्ण था और फिलिप औ प्रखर औ निकानर औ तीमोन औ पर्मिना और अन्तैखिया नगरके यिहूदीय मतावलंबी निकोलावको चुन लिया . और उन्हें प्रेरितोंके आगे खड़ा किया और उन्होंने प्रार्थना करके उनपर हाथ रखे। और ईश्वरका बचन फैलता गया और यिरूशलीममें शिष्य लोग गिन्तीमें बहुत बढ़ते गये और बहुतेरे याजक लोग बिश्वासके अधीन हुए ।

स्तिफान बिश्वास और सामर्थ्यसे पूर्ण होके बड़े बड़े अद्भुत और आश्चर्य्य कर्म्म लोगोंके बीचमें करता था। तब उस सभामेंसे जो लिबर्त्तिनियोंकी कहावती है और कुरीनीय औ सिकन्दरीय लोगोंमेंसे और किलिकिया औ आशिया देशोंके लोगोंमेंसे कितने उठके स्तिफानसे बिबाद करने लगे . परन्तु उस ज्ञानका और उस आत्माका जिन करके वह बात करता था साम्हना नहीं कर सकते थे ।

तब उन्होंने लोगोंको उभाड़ा जो बोले हमने उसको मूसाके और ईश्वरके बिरोधमें निन्दाकी बातें बोलते

सुना है। और लोगों औ प्राचीनों औ अध्यापकोंको उसकाके वे चढ़ आये और उसे पकड़के न्याइयोंकी सभामें लाये. और झूठे साक्षियोंको खड़ा किया जो बोले यह मनुष्य इस पवित्र स्थानके और ब्यवस्थाके बिरोधमें निन्दाकी बातें बोलनेसे नहीं थंभता है। क्योंकि हमने उसे कहते सुना है कि यह यीशु नासरी इस स्थानको ढायगा और जो ब्यवहार मूसाने हमें सोंप दिये उन्हें बदल डालेगा। तब सब लोगोंने जो सभामें बैठे थे उसकी ओर ताकके उसका मुंह स्वर्ग दूतके मुंहके ऐसा देखा।

७ सातवां पर्ब्ब।

१ स्तिफानका महायाजकको उत्तर देना, इब्राहीम इत्यादिका बर्णन। १७ मूसा-की कथा। ४१ यिहूदियोंकी मूर्त्तिपूजाका वृत्तान्त। ४४ ईश्वरकी सेवाके तम्बूओंका ब्योरा। ५१ यिहूदियोंपर उलहना। ५४ यिहूदियोंका स्तिफानको पत्थरोंसे मारना।

तब महायाजकने कहा क्या यह बातें यूंहीं हैं। स्ति-फानने कहा हे भाइयो और पितरो सुनो. हमारा पिता इब्राहीम हारान नगरमें बसनेके पहिले जब मिसपता-मिया देशमें था तब तेजोमय ईश्वरने उसको दर्शन दिया. और उससे कहा तू अपने देश और अपने कुटुंबोंमेंसे निकलके जो देश मैं तुझे दिखाऊं उसीमें आ। तब उसने कलदियोंके देशसे निकलके हारानमें बास किया और वहांसे उसके पिताके मरनेके पीछे ईश्वरने उसको इस देशमें लाके बसाया जिसमें आप लोग अब बसते हैं। और उसने इस देशमें उसको कुछ अधिकार न दिया पैर रखने भर भूमि भी नहीं परन्तु उसको पुत्र न रहतेही उसको प्रतिज्ञा दिई कि मैं यह देश तुझको और तेरे

पीछे तेरे बंशको अधिकारके लिये देऊंगा । और ईश्वरने यूं कहा कि तेरे सन्तान पराये देशमें बिदेशी होंगे और वे लोग उन्हें दास बनावेंगे और चार सौ बरस उन्हें दुःख देंगे। और जिन लोगोंके वे दास होंगे उन लोगोंको (ईश्वरने कहा) मैं बिचार करूंगा और इसके पीछे वे निकल आवेंगे और इसी स्थानमें मेरी सेवा करेंगे । और उसने उसको खतनेका नियम दिया और इस रीतिसे इसहाक उससे उत्पन्न हुआ और उसने आठवें दिन उसका खतना किया और इसहाकने याकूबका और याकूबने बारह कुलपतियोंका । और कुलपतियोंने यूसफसे डाह करके उसे मिसर देश जानेहारोंके हाथ बेचा परन्तु ईश्वर उसके संग था. और उसे उसके सब क्लेशोंसे छुड़ाके मिसरके राजा फिरऊनके आगे अनुग्रहके योग्य और बुद्धिमान किया और उसने उसे मिसर देशपर और अपने सारे घरपर प्रधान ठहराया । तब मिसर और कनानके सारे देशमें अकाल और बड़ा क्लेश पड़ा और हमारे पितरोंको अन्न नहीं मिलता था । परन्तु याकूबने यह सुनके कि मिसरमें अनाज है हमारे पितरोंको पहिली बेर भेजा । और दूसरी बेरमें यूसफ अपने भाइयोंसे पहचाना गया और यूसफका घराना फिरऊनपर प्रगट हुआ। तब यूसफने अपने पिता याकूबको और अपने सब कुटुंबोंको जो पछत्तर जन थे बुलवा भेजा । सो याकूब मिसरको गया और वह आप मरा और हमारे पितर लोग . और वे शिखिम नगरमें पहुंचाये गये और उस कबरमें

रखे गये जिसे इब्राहीमने चांदी देके शिखिमके पिता हमोरके सन्तानोंसे मोल लिया।

परन्तु जो प्रतिज्ञा ईश्वरने किरिया खाके इब्राहीमसे किई थी उसका समय ज्योंही निकट आया त्योंही वे लोग मिसरमें बढ़े और बहुत हो गये। इतनेमें दूसरा राजा उठा जो यूसफको नहीं जानता था। उसने हमारे लोगोंसे चतुराई करके हमारे पितरोंके साथ ऐसी बुराई किई कि उनके बालकोंको बाहर फिंकवाया कि वे जीते न रहें। उस समयमें मूसा उत्पन्न हुआ जो परमसुन्दर था और वह अपने पिताके घरमें तीन मास पाला गया। जब वह बाहर फेंका गया तब फिरऊनकी बेटीने उसे उठा लिया और अपना पुत्र करके उसे पाला। और मूसाको मिसरियोंकी सारी बिद्या सिखाई गई और वह बातों और कामोंमें सामर्थी था। जब वह चालीस बरसका हुआ तब उसके मनमें आया कि अपने भाइयोंको अर्थात इस्रायेलके सन्तानोंको देख लेवे। और उसने एकपर अन्याय होते देखके रक्षा किई और मिसरीको मारके सताये हुएका पलटा लिया। वह बिचार करता था कि मेरे भाई समझेंगे कि ईश्वर मेरे हाथसे उन्होंका निस्तार करता है परन्तु उन्होंने नहीं समझा। अगले दिन वह उन्हें जब वे आपसमें लड़ते थे दिखाई दिया और यह कहके उन्हें मिलाप करनेको मनाया कि हे मनुष्यो तुम तो भाई हो एक दूसरेसे क्यों अन्याय करते हो। परन्तु जो अपने पड़ोसीसे अन्याय करता था उसने उसको हटाके कहा किसने तुझे हमोंपर अध्यक्ष और न्यायी ठहराया। क्या

जिस रीतिसे तूने कल मिसरीको मार डाला तू मुझे मार डालने चाहता है। इस बातपर मूसा भागा और मिदियान देशमें परदेशी हुआ और वहां दो पुत्र उसको उत्पन्न हुए। जब चालीस बरस बीत गये तब परमेश्वरके दूतने सीनई पर्ब्बतके जंगलमें उसको एक झाड़ीकी आगकी ज्वालामें दर्शन दिया। मूसाने देखके उस दर्शनसे अचंभा किया और जब वह दृष्टि करनेको निकट आता था तब परमेश्वरका शब्द उस पास पहुंचा. कि मैं तेरे पितरोंका ईश्वर अर्थात इब्राहीमका ईश्वर और इसहाकका ईश्वर और याकूबका ईश्वर हूं. तब मूसा कांपने लगा और दृष्टि करनेका उसे साहस न रहा। तब परमेश्वरने उससे कहा अपने पांवोंकी जूतियां खोल क्योंकि वह स्थान जिसपर तू खड़ा है पवित्र भूमि है। मैंने दृष्टि करके अपने लोगोंकी जो मिसरमें हैं दुर्द्दशा देखी है और उनका कहरना सुना है और उन्हें छुड़ानेको उतर आया हूं और अब आ मैं तुझे मिसरको भेजूंगा। यही मूसा जिसे उन्होंने नकारके कहा किसने तुझे अध्यक्ष और न्यायी ठहराया उसीको ईश्वरने उस दूतके हाथसे जिसने उसको झाड़ीमें दर्शन दिया अध्यक्ष और निस्तारक करके भेजा। यही मिसर देशमें और लाल समुद्रमें और जंगलमें चालीस बरस अद्भुत काम और चिन्ह दिखाके उन्हें निकाल लाया। यही वह मूसा है जिसने इस्रायेलके सन्तानोंसे कहा परमेश्वर तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे भाइयोंमेंसे मेरे समान एक भविष्यद्वक्ताको तुम्हारे लिये उठावेगा तुम उसकी सुनो। यही है जो जंगलमें

मंडलीके बीचमें उस दूतके संग जो सीनई पर्व्वतपर उससे बोला और हमारे पितरोंके संग था और उसने हमें देनेके लिये जीवती बाणियां पाईं। पर हमारे पितरोंने उसके आज्ञाकारी होनेकी इच्छा न किई परन्तु उसे हटाके अपने मनमें मिसरकी ओर फिरे. और हारोनसे बोले हमारे लिये देवोंको बनाइये जो हमारे आगे जायें क्योंकि यह मूसा जो हमें मिसर देशमेंसे निकाल लाया उसे हम नहीं जानते क्या हुआ है।

उन दिनोंमें उन्होंने बछड़ू बनाके उस मूर्त्तिके आगे बलि चढ़ाया और अपने हाथोंके कामोंसे मगन होते थे। तब ईश्वरने मुंह फेरके उन्हें आकाशकी सेना पूजनेको त्याग दिया जैसा भविष्यद्वक्ताओंके पुस्तकमें लिखा है कि हे इस्रायेलके घराने क्या तुमने चालीस बरस जंगलमें मेरे आगे पशुमेध और बलि चढ़ाये। तौभी तुमने मोलकका तंबू और अपनी देवता रिंफनका तारा उठा लिया अर्थात उन आकारोंको जो तुमने पूजनेको बनाये. और मैं तुम्हें बाबुलसे और उधर ले जाके बसाऊंगा।

साक्षीका तंबू जंगलमें हमारे पितरोंके बीचमें था जैसा उसीने ठहराया जिसने मूसासे कहा कि जो आकार तूने देखा है उसके अनुसार उसको बना। और उसको हमारे पितर लोग यिहोशुआके संग अगलोंसे पाके तब यहां लाये जब उन्होंने उन अन्यदेशियोंका अधिकार पाया जिन्हें ईश्वरने हमारे पितरोंके साम्नेसे निकाल दिया. सोई दाऊदके दिनोंतक हुआ जिसपर ईश्वरका अनुग्रह था और जिसने मांगा कि मैं याकूबके ईश्वरके

लिये डेरा ठहराऊं। पर सुलेमानने उसके लिये घर बनाया। परन्तु सर्ब्बप्रधान जो है सो हाथके बनाये हुए मन्दिरोंमें बास नहीं करता है जैसा भविष्यद्वक्ताने कहा है. कि परमेश्वर कहता है स्वर्ग मेरा सिंहासन और पृथिवी मेरे चरणोंकी पीढ़ी है तुम मेरे लिये कैसा घर बनाओगे अथवा मेरे बिश्रामका कौनसा स्थान है। क्या मेरे हाथने यह सब बस्तु नहीं बनाईं।

हे हठीले और मन और कानोंके खतनाहीन लोगो तुम सदा पवित्र आत्माका साम्हना करते हो. जैसा तुम्हारे पितरोंने तैसा तुम भी। भविष्यद्वक्ताओंमेंसे तुम्हारे पितरोंने किसको नहीं सताया. और उन्होंने उन्हें मार डाला जिन्होंने इस धर्म्मी जनके आनेका आगेसे सन्देश दिया जिसके तुम अब पकड़वानेहारे और हत्यारे हुए हो. जिन्होंने स्वर्ग दूतोंके द्वारा ठहराई हुई व्यवस्था पाई है तौभी पालन न किई।

यह बातें सुननेसे उनके मनको तीरसा लग गया और वे स्तिफानपर दांत पीसने लगे। परन्तु उसने पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हो स्वर्गकी ओर ताकके ईश्वरकी महिमाको और यीशुको ईश्वरकी दहिनी ओर खड़े देखा. और कहा देखो मैं स्वर्गको खुले और मनुष्यके पुत्रको ईश्वरकी दहिनी ओर खड़े देखता हूं। तब उन्होंने बड़े शब्दसे चिल्लाके अपने कान बन्द किये और एक चित्त होके उसपर लपके. और उसे नगरके बाहर निकालके पत्थरवाह करने लगे और साक्षियोंने अपने कपड़े शाऊल नाम एक जवानके पांवों पास उतार रखे। और

उन्होंने स्तिफानको पत्थरवाह किया जो यह कहके प्रार्थना करता था कि हे प्रभु यीशु मेरे आत्माको ग्रहण कर। और घुटने टेकके उसने बड़े शब्दसे पुकारा हे प्रभु यह पाप उनपर मत लगा और यह कहके सो गया।

८ आठवां पर्ब्ब।

१ उपद्रवके कारण मंडलीके लोगोंका तितर बितर होना। ४ फिलिपका शोमिरोनियोंको सुसमाचार सुनाना। ९ शिमोन टोन्हाका वृत्तान्त। २५ फिलिप और नपुंसकका बर्णन।

शावल स्तिफानके मारे जानेमें सम्मति देता था. उस समय यिरूशलीममेंकी मंडलीपर बड़ा उपद्रव हुआ और प्रेरितोंको छोड़ वे सब यिहूदिया और शोमिरोन देशोंमें तितर बितर हुए। भक्त लोगोंने स्तिफानको कबरमें रखा और उसके लिये बड़ा बिलाप किया। शावल मंडलीको नाश करता रहा कि घर घर घुसके पुरुषों और स्त्रियोंको पकड़के बन्दीगृहमें डालता था।

जो तितर बितर हुए सो सुसमाचार प्रचार करते हुए फिरा किये। और फिलिपने शोमिरोनके एक नगरमें जाके खीष्टकी कथा लोगोंको सुनाई। और जो बातें फिलिपने कहीं उन्होंपर लोगोंने उन आश्चर्य्य कर्म्मोंको जो वह करता था सुनने और देखनेसे एक चित्त होके मन लगाया। क्योंकि बहुतोंमेंसे जिन्हें अशुद्ध भूत लगे थे वे भूत बड़े शब्दसे पुकारते हुए निकले और बहुत अर्द्धांगी और लंगड़े लोग चंगे किये गये। और उस नगरमें बड़ा आनन्द हुआ।

परन्तु उस नगरमें आगेसे शिमोन नाम एक मनुष्य था जो टोना करके शोमिरोनके लोगोंको बिस्मित करता

था और अपनेको कोई बड़ा पुरुष कहता था। और छोटेसे बड़ेतक सब उसको मानके कहते थे कि यह मनुष्य ईश्वरकी महा शक्ति ही है। उसने बहुत दिनोंसे उन्हें टोनोंसे बिस्मित किया था इसलिये वे उसको मानते थे। परन्तु जब उन्होंने फिलिपका जो ईश्वरके राज्यके और यीशु खीष्टके नामके विषयमेंका सुसमाचार सुनाता था बिश्वास किया तब पुरुष और स्त्रियां भी बपतिसमा लेने लगे। तब शिमोनने आप भी बिश्वास किया और बपतिसमा लेके फिलिपके संग लगा रहा और आश्चर्य्य कर्म्म और बड़े चिन्ह जो होते थे देखके बिस्मित होता था।

जो प्रेरित यिरूशलीममें थे उन्होंने जब सुना कि शोमिरोनियोंने ईश्वरका बचन ग्रहण किया है तब पितर और योहनको उनके पास भेजा। और उन्होंने जाके उनके लिये प्रार्थना किई कि वे पवित्र आत्मा पावें। क्योंकि वह अबलों उनमेंसे किसीपर नहीं पड़ा था केवल उन्होंने प्रभु यीशुके नामसे बपतिसमा लिया था। तब उन्होंने उनपर हाथ रखे और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया।

शिमोन यह देखके कि प्रेरितोंके हाथोंके रखनेसे पवित्र आत्मा दिया जाता है उनके पास रुपैये लाया. और कहा मुझको भी यह अधिकार दीजिये कि जिस किसीपर मैं हाथ रखूं वह पवित्र आत्मा पावे। परन्तु पितरने उससे कहा तेरे रुपैये तेरे संग नष्ट होवें क्योंकि तूने ईश्वरका दान रुपैयोंसे मोल लेनेका बिचार किया है। तुझे इस बातमें न भाग न अधिकार है क्योंकि तेरा

मन ईश्वरके आगे सीधा नहीं है। इसलिये अपनी इस बुराईसे पश्चात्ताप करके ईश्वरसे प्रार्थना कर क्या जाने तेरे मनका बिचार क्षमा किया जाय। क्योंकि मैं देखता हूं कि तू अति कड़वे पित्तमें और अधर्म्मके बंधनमें पड़ा है। शिमोनने उत्तर दिया कि आप लोग मेरे लिये प्रभुसे प्रार्थना कीजिये कि जो बातें आप लोगोंने कही हैं उनमेंसे कोई बात मुझपर न पड़े।

सो वे साक्षी देके और प्रभुका बचन सुनाके यिरूशलीमको लौटे और उन्होंने शोमिरोनियोंके बहुत गांवोंमें सुसमाचार प्रचार किया। परन्तु परमेश्वरके एक दूतने फिलिपसे कहा उठके दक्षिणको उस मार्गपर जा जो यिरूशलीमसे अज्जा नगरको जाता है वह जंगल है। वह उठके गया और देखो कूश देशका एक मनुष्य था जो नपुंसक और कूशियोंकी राणी कन्दाकीका एक प्रधान और उसके सारे धनपर अध्यक्ष था और यिरूशलीमको भजन करनेको आया था। और वह लौटता था और अपने रथपर बैठा हुआ यिशैयाह भविष्यद्वक्ताका पुस्तक पढ़ता था। तब आत्माने फिलिपसे कहा निकट जाके इस रथसे मिल जा। फिलिपने उस ओर दौड़के इस मनुष्यको यिशैयाह भविष्यद्वक्ताका पुस्तक पढ़ते हुए सुना और कहा क्या आप जो पढ़ते हैं उसे बूझते हैं। उसने कहा यदि कोई मुझे न बतावे तो मैं क्योंकर बूझ सकूं. और उसने फिलिपसे बिन्ती किई कि चढ़के मेरे संग बैठिये। धर्म्मपुस्तकका अध्याय जो वह पढ़ता था यही था कि वह भेड़की नाईं बध होनेको पहुंचाया गया

और जैसा मेम्ना अपने रोम कतरनेहारेके साम्ने अबोल है तैसा उसने अपना मुंह न खोला । उसकी दीनताई-में उसका न्याय नहीं होने पाया और उसके समयके लो-गोंका बर्णन कौन करेगा क्योंकि उसका प्राण पृथिवीसे उठाया गया । इसपर नपुंसकने फिलिपसे कहा मैं आपसे बिन्ती करता हूं भविष्यद्वक्ता यह बात किसके विषयमें कहता है अपने विषयमें अथवा किसी दूसरे-के विषयमें । तब फिलिपने अपना मुंह खोलके और धर्म्मपुस्तकके इस बचनसे आरंभ करके यीशुका सुसमा-चार उसको सुनाया । मार्गमें जाते जाते वे किसी पानी-के पास पहुंचे और नपुंसकने कहा देखिये जल है बप-तिसमा लेनेमें मुझे क्या रोक है । [फिलिपने कहा जो आप सारे मनसे बिश्वास करते हैं तो हो सकता है. उसने उत्तर दिया मैं बिश्वास करता हूं कि यीशु खीष्ट ईश्वरका पुत्र है ।] तब उसने रथ खड़ा करनेकी आज्ञा दिई और वे दोनों फिलिप और नपुंसक भी जलमें उतरे और फिलिपने उसको बपतिसमा दिया । जब वे जलमेंसे ऊपर आये तब परमेश्वरका आत्मा फिलिप-को ले गया और नपुंसकने उसे फिर नहीं देखा क्योंकि वह अपने मार्गपर आनन्द करता हुआ चला गया । परन्तु फिलिप असदोद नगरमें पाया गया और आगे बढ़के जबलों कैसरिया नगरमें न पहुंचा सब नगरोंमें सुसमाचार सुनाता गया ।

९ नवां पर्ब्ब ।

१ दमेसकको जाते हुए शावलका यीशुका दर्शन पाना और मन फिराना । १०

अननियाहपर पावल (अर्थात शावल) को बातका प्रगट होना। १७ अननियाहके हाथसे पावलको दृष्टि पाना और बपतिसमा लेना। १९ पावलका सभाके घरोंमें यीशुका सुसमाचार प्रचार करना और यिहूदियोंका उससे बैर करना। २६ उसका यिरूशलीमके भाइयोंसे मिलना। ३१ पितरका ऐनियको चंगा करना। ३६ दर्काको जिलाना।

शावल जिसकी अबलों प्रभुके शिष्योंको धमकाने और घात करनेको सांस फूल रही थी महायाजकके पास गया. और उससे दमेसक नगरकी सभाओंके नामपर चिट्ठियां मांगीं इसलिये कि यदि कोई मिलें क्या पुरुष क्या स्त्रियां जो उस पन्थके हों तो उन्हें बांधे हुए यिरूशलीमको ले आवे। परन्तु जाते हुए जब वह दमेसकके निकट पहुंचा तब अचांचक स्वर्गसे एक ज्योति उसकी चारों ओर चमकी। और वह भूमिपर गिरा और एक शब्द सुना जो उससे बोला हे शावल हे शावल तू मुझे क्यों सताता है। उसने कहा हे प्रभु तू कौन है. प्रभुने कहा मैं यीशु हूं जिसे तू सताता है पैनोंपर लात मारना तेरे लिये कठिन है। उसने कंपित और अचंभित हो कहा हे प्रभु तू क्या चाहता है कि मैं करूं. प्रभुने उससे कहा उठके नगरमें जा और तुझसे कहा जायगा तुझे क्या करना उचित है। और जो मनुष्य उसके संग जाते थे सो चुप खड़े थे कि वे शब्द तो सुनते थे पर किसीको नहीं देखते थे। तब शावल भूमिसे उठा परन्तु जब अपनी आंखें खोलीं तब किसीको न देख सका पर वे उसका हाथ पकड़के उसे दमेसकमें लाये। और वह तीन दिनलों नहीं देख सकता था और न खाता न पीता था।

दमेसकमें अननियाह नाम एक शिष्य था और प्रभुने

दर्शनमें उससे कहा हे अननियाह . उसने कहा हे प्रभु देखिये मैं हूं । तब प्रभुने उससे कहा उठके उस गलीमें जो सीधी कहावती है जा और यिहूदाके घरमें शावल नाम तारस नगरके एक मनुष्यको ढूंढ़ क्योंकि देख वह प्रार्थना करता है . और उसने दर्शनमें यह देखा है कि अननियाह नाम एक मनुष्यने भीतर आके उसपर हाथ रखा कि वह दृष्टि पावे । अननियाहने उत्तर दिया कि हे प्रभु मैंने बहुतोंसे इस मनुष्यके विषयमें सुना है कि उसने यिरूशलीममें तेरे पवित्र लोगोंसे कितनी बुराई किई है । और यहां उसको तेरे नामकी सब प्रार्थना करनेहारोंको बांधनेका प्रधान याजकोंकी ओरसे अधिकार है । प्रभुने उससे कहा चला जा क्योंकि वह अन्यदेशियों और राजाओं और इस्रायेलके सन्तानोंके आगे मेरा नाम पहुंचानेको मेरा एक चुना हुआ पात्र है । क्योंकि मैं उसे बताऊंगा कि मेरे नामके लिये उसको कैसा बड़ा दुःख उठाना होगा ।

तब अननियाहने जाके उस घरमें प्रवेश किया और उसपर हाथ रखके कहा हे भाई शावल प्रभुने अर्थात यीशुने जिसने उस मार्गमें जिससे तू आता था तुझको दर्शन दिया मुझे भेजा है इसलिये कि तू दृष्टि पावे और पवित्र आत्मासे परिपूर्ण होवे । और तुरन्त उसकी आंखोंसे छिलकेसे गिर पड़े और वह तुरन्त देखने लगा और उठके बपतिसमा लिया और भोजन करके बल पाया ।

तब शावल कितने दिन दमेसकमेंके शिष्योंके संग था । और वह तुरन्त सभाओंमें यीशुकी कथा सुनाने लगा

कि वह ईश्वरका पुत्र है। और सब सुननेहारे बिस्मित हो कहने लगे क्या यह वह नहीं है जिसने यिरूशलीममें इस नामकी प्रार्थना करनेहारोंको नाश किया और यहां इसीलिये आया था कि उन्हें बांधे हुए प्रधान याजकोंके आगे पहुंचावे। परन्तु शावल और भी दृढ़ होता गया और यही खीष्ट है इस बातका प्रमाण देके दमेसकमें रहनेहारे यिहूदियोंको ब्याकुल किया। जब बहुत दिन बीत गये तब यिहूदियोंने उसे मार डालनेका आपसमें बिचार किया। परन्तु उनकी कुमंत्रणा शावलको जान पड़ी. वे उसे मार डालनेको रात और दिन फाटकोंपर पहरा भी देते थे। परन्तु शिष्योंने रातको उसे लेके टोकरेमें लटकाके भीतपरसे उतार दिया।

जब शावल यिरूशलीममें पहुंचा तब वह शिष्योंसे मिल जाने चाहता था और वे सब उससे डरते थे क्योंकि वे उसके शिष्य होनेकी प्रतीति नहीं करते थे। परन्तु बर्णबा उसे ले करके प्रेरितोंके पास लाया और उनसे कह दिया कि उसने क्योंकर मार्गमें प्रभुको देखा था और प्रभु उससे बोला था और क्योंकर उसने दमेसकमें यीशुके नामसे खोलके बात किई थी। तब वह यिरूशलीममें उनके संग आया जाया करने लगा और प्रभु यीशुके नामसे खोलके बात करने लगा। उसने यूनानीय भाषा बोलनेहारोंसे भी कथा और बिबाद किया पर वे उसे मार डालनेका यत्न करने लगे। यह जानके भाई लोग उसे कैसरियामें लाये और तारसको ओर भेजा।

सो सारे यिहूदिया और गालील और शोमिरोनमें

मंडलियोंको चैन होता था और वे सुधर जाती थीं और प्रभुके भयमें और पवित्र आत्माकी शांतिमें चलती थीं और बढ़ जाती थीं। तब पितर सब पवित्र लोगोंमें फिरते हुए उन्होंके पास भी आया जो लुद्दा नगरमें बास करते थे। वहां उसने ऐनिय नाम एक मनुष्यको पाया जो अर्द्धांगी था और आठ बरससे खाटपर पड़ा हुआ था। पितरने उससे कहा हे ऐनिय यीशु ख्रीष्ट तुझे चंगा करता है उठ और अपना बिछौना सुधार. तब वह तुरन्त उठा। और लुद्दा और शारोनके सब निवासियोंने उसे देखा और वे प्रभुकी ओर फिरे।

याफो नगरमें तबीथा अर्थात दर्का नाम एक शिष्या थी. वह सुकर्म्मों और दानोंसे जो वह करती थी पूर्ण थी। उन दिनोंमें वह रोगी हुई और मर गई और उन्होंने उसे नहलाके उपरौठी कोठरीमें रखा। और इसलिये कि लुद्दा याफोके निकट था शिष्योंने यह सुनके कि पितर वहां है दो मनुष्योंको उस पास भेजके बिन्ती किई कि हमारे पास आनेमें बिलंब न कीजिये। तब पितर उठके उनके संग गया और जब वह पहुंचा तब वे उसे उस उपरौठी कोठरीमें ले गये और सब बिधवाएं रोती हुई और जो कुरते और वस्त्र दर्का उनके संग होते हुए बनाती थी उन्हें दिखाती हुई उस पास खड़ी हुई। परन्तु पितरने सभोंको बाहर निकाला और घुटने टेकके प्रार्थना किई और लोथकी ओर फिरके कहा हे तबीथा उठ. तब उसने अपनी आंखें खोलीं और पितरको देखके उठ बैठी। उसने हाथ देके उसको उठाया और पवित्र

लोगों और बिधवाओंको बुलाके उसे जीवती दिखाई । यह बात सारे याफोमें जान पड़ी और बहुत लोगोंने प्रभुपर बिश्वास किया । और पितर याफोमें शिमोन नाम किसी चमारके यहां बहुत दिन रहा ।

१० दसवां पर्ब्ब ।

१ स्वर्गदूतकी आज्ञासे कर्णीलियका पितरको बुलवा भेजना । ९ पितरका एक दर्शन पाना । १७ कर्णीलियके दूतोंके संग पितरकी बातचीत और पितरका उनके साथ जाना । २४ कर्णीलियसे पितरकी बातचीत । ३४ पितरका सुसमाचार प्रचार करना । ४४ कर्णीलिय और उसके मित्रोंपर पवित्र आत्माका उतरना और उनका बपतिसमा लेना ।

कैसरियामें कर्णीलिय नाम एक मनुष्य था जो इतलीय नाम पलटनका एक शतपति था । वह भक्त जन था और अपने सारे घराने समेत ईश्वरसे डरता था और लोगोंको बहुत दान देता था और नित्य ईश्वरसे प्रार्थना करता था । उसने दिनको तीसरे पहरके निकट दर्शनमें प्रत्यक्ष देखा कि ईश्वरका एक दूत उस पास भीतर आया और उससे बोला हे कर्णीलिय । उसने उसकी ओर ताकके और भयमान होके कहा हे प्रभु क्या है . उसने उससे कहा तेरी प्रार्थनाएं और तेरे दान स्मरणके लिये ईश्वरके आगे पहुंचे हैं । और अब मनुष्योंको याफो नगर भेजके शिमोनको जो पितर कहावता है बुला । वह शिमोन नाम किसी चमारके यहां जिसका घर समुद्रके तीरपर है पाहुन है . जो कुछ तुझे करना उचित है सो वही तुझसे कहेगा । जब वह दूत जो कर्णीलियसे बात करता था चला गया तब उसने अपने सेवकोंमेंसे दोको और जो उसके यहां लगे रहते

थे उनमेंसे एक भक्त योद्धाको बुलाया . और उन्होंको सब बातें सुनाके उन्हें याफोको भेजा ।

दूसरे दिन ज्योंही वे मार्गमें चलते थे और नगरके निकट पहुंचे त्योंही पितर दो पहरके निकट प्रार्थना करनेको कोठेपर चढ़ा । तब वह बहुत भूखा हुआ और कुछ खाने चाहता था पर जिस समय वे तैयार करते थे वह बेसुध हो गया । और उसने स्वर्गको खुले और बड़ी चद्दरकी नाईं किसी पात्रको चार कोनोंसे बांधे हुए और पृथिवीकी ओर लटकाये हुए अपनी ओर उतरते देखा । उसमें पृथिवीके सब चौपाये और बन पशु और रेंगनेहारे जन्तु और आकाशके पंछी थे । और एक शब्द उस पास पहुंचा कि हे पितर उठ मार और खा । पितरने कहा हे प्रभु ऐसा न होवे क्योंकि मैंने कभी कोई अपवित्र अथवा अशुद्ध बस्तु नहीं खाई । और शब्द फिर दूसरी बेर उस पास पहुंचा कि जो कुछ ईश्वरने शुद्ध किया है उसको तू अशुद्ध मत कह । यह तीन बार हुआ तब वह पात्र फिर स्वर्गपर उठा लिया गया ।

जिस समय पितर अपने मनमें दुबधा करता था कि यह दर्शन जो मैंने देखा है क्या है देखो वे मनुष्य जो कर्णीलियकी ओरसे भेजे गये थे शिमोनके घरका ठिकाना पा करके डेवढ़ीपर खड़े हुए . और पुकारके पूछते थे क्या शिमोन जो पितर कहावता है यहां पाहुन है । पितर उस दर्शनके विषयमें सोचताही था कि आत्माने उससे कहा देख तीन मनुष्य तुझे ढूंढ़ते हैं । पर तू उठके उतर जा और उनके संग बेखटके चला जा क्योंकि मैंने उन्हें

भेजा है। तब पितरने उन मनुष्योंके पास जो कर्णीलिय-की ओरसे उस पास भेजे गये थे उतरके कहा देखो जिसे तुम ढूंढ़ते हो सो मैं हूं तुम किस कारणसे आये हो। वे बोले कर्णीलिय शतपति जो धर्म्मी मनुष्य और ईश्वरसे डरनेहारा और सारे यिहूदी लोगोंमें सुख्यात है उसको एक पवित्र दूतसे आज्ञा दिई गई कि आप-को अपने घरमें बुलाके आपसे बातें सुने। तब पितर-ने उन्हें भीतर बुलाके उनकी पहुनई किई और दूसरे दिन वह उनके संग गया और याफोके भाइयोंमेंसे कितने उसके साथ हो लिये।

दूसरे दिन उन्होंने कैसरियामें प्रवेश किया और कर्णीलिय अपने कुटुंबों और प्रिय मित्रोंको एकट्ठे बुलाके उनकी बाट जोहता था। जब पितर भीतर आता था तब कर्णीलिय उससे आ मिला और पांवों पड़के प्रणाम किया। परन्तु पितरने उसको उठाके कहा खड़ा हो मैं आप भी मनुष्य हूं। और वह उसके संग बातचीत करता हुआ भीतर गया और बहुत लोगोंको एकट्ठे पाया. और उनसे कहा तुम जानते हो कि अन्यदेशीकी संगति करना अथवा उसके यहां जाना यिहूदी मनुष्यको बर्ज्जित है परन्तु ईश्वरने मुझे बताया है कि तू किसी मनुष्यको अपवित्र अथवा अशुद्ध मत कह। इसलिये मैं जो बुलाया गया तो इसके बिरुद्ध कुछ न कहके चला आया सो मैं पूछता हूं कि तुम्होंने किस बातके लिये मुझे बुलाया है। कर्णीलियने कहा चार दिन हुए कि मैं इस घड़ीलों उपवास करता था और तीसरे पहर

अपने घरमें प्रार्थना करता था कि देखो एक पुरुष चमकता बस्त्र पहिने हुए मेरे आगे खड़ा हुआ. और बोला हे कर्णीलिय तेरी प्रार्थना सुनी गई है और तेरे दान ईश्वरके आगे स्मरण किये गये हैं। इसलिये याफो नगर भेजके शिमोनको जो पितर कहावता है बुला. वह समुद्रके तीरपर शिमोन चमारके घरमें पाहुन है. वह आके तुझसे बात करेगा। तब मैंने तुरन्त आपके पास भेजा और आपने अच्छा किया जो आये हैं सो अब ईश्वरने जो कुछ आपको आज्ञा दिई है सोई सुननेको हम सब यहां ईश्वरके साम्हने हैं।

तब पितरने मुंह खोलके कहा मुझे सचमुच बूझ पड़ता है कि ईश्वर मुंह देखा बिचार करनेहारा नहीं है। परन्तु हर एक देशके लोगोंमें जो उससे डरता है और धर्म्मके कार्य्य करता है सो उससे ग्रहण किया जाता है। उसने वह बचन तुम्होंके पास भेजा है जो उसने इस्रायेलके सन्तानोंके पास भेजा अर्थात यीशु खीष्टके द्वारासे जो सभोंका प्रभु है शांतिका सुसमाचार सुनाया। तुम वह बात जानते हो जो उस बपतिसमाके पीछे जिसका योहनने उपदेश किया गालीलसे आरंभ कर सारे यिहूदियामें फैल गई. अर्थात नासरत नगरके यीशुके विषयमें क्योंकर ईश्वरने उसको पवित्र आत्मा और सामर्थ्यसे अभिषेक किया और वह भलाई करता और सभोंको जो शैतानसे पेरे जाते थे चंगा करता फिरा क्योंकि ईश्वर उसके संग था। और हम उन सब कामोंके साक्षी हैं जो उसने यिहूदियोंके देशमें और यिरूशलीममें भी किये

जिसे लोगोंने काठपर लटकाके मार डाला। उसको ईश्वरने तीसरे दिन जिला उठाया और उसको प्रगट होने दिया . सब लोगोंके आगे नहीं परन्तु साक्षियोंके आगे जिन्हें ईश्वरने पहिलेसे ठहराया था अर्थात हमोंके आगे जिन्होंने उसके मृतकोंमेंसे जी उठनेके पीछे उसके संग खाया और पीया। और उसने हमोंको आज्ञा दिई कि लोगोंको उपदेश और साक्षी देओ कि वही है जिसको ईश्वरने जीवतों और मृतकोंका न्यायी ठहराया है। उसपर सारे भविष्यद्वक्ता साक्षी देते हैं कि जो कोई उसपर विश्वास करे सो उसके नामके द्वारा पापमोचन पावेगा।

पितर यह बातें कहताही था कि पवित्र आत्मा बचनके सब सुननेहारोंपर पड़ा। और खतना किये हुए बिश्वासी जितने पितरके संग आये थे बिस्मित हुए कि अन्यदेशियोंपर भी पवित्र आत्माका दान उंडेला गया है। क्योंकि उन्होंने उन्हें अनेक बोलियां बोलते और ईश्वरकी महिमा करते सुना। इसपर पितरने कहा क्या कोई जलको रोक सकता है कि इन लोगोंको जिन्होंने हमारी नाईं पवित्र आत्मा पाया है बपतिसमा न दिया जावे। और उसने आज्ञा दिई कि उन्हें प्रभुके नामसे बपतिसमा दिया जाय . तब उन्होंने उससे कई एक दिन ठहर जानेकी बिन्ती किई।

११ एग्यारहवां पर्ब्ब ।

१ अन्यदेशियोंको सुसमाचार सुनानेके विषयमें पितरका उत्तर। १९ अन्तैखियामें सुसमाचारके प्रचार किये जानेका बर्णन। २७ क्लौदिय कैसरके समयके अकालकी कथा।

जो प्रेरित और भाई लोग यिहूदियामें थे उन्होंने सुना कि अन्यदेशियोंने भी ईश्वरका बचन ग्रहण किया

है। और जब पितर यिरूशलीमको गया तब खतना किये हुए लोग उससे बिबाद करने लगे. और बोले तूने खतनाहीन लोगोंके यहां जाके उनके संग खाया। तब पितरने आरंभ कर एक ओरसे उन्हें कह सुनाया. कि मैं याफो नगरमें प्रार्थना करता था और बेसुध होके एक दर्शन अर्थात स्वर्गपरसे चार कोनोंसे लटकाई हुई बड़ी चद्दरकी नाईं किसी पात्रको उतरते देखा और वह मेरे पासलों आया। मैंने उसकी ओर ताकके देख लिया और पृथिवीके चौपायों और बन पशुओं और रेंगनेहारे जन्तुओंको और आकाशके पंछियोंको देखा. और एक शब्द सुना जो मुझसे बोला हे पितर उठ मार और खा। मैंने कहा हे प्रभु ऐसा न होवे क्योंकि कोई अपवित्र अथवा अशुद्ध बस्तु मेरे मुंहमें कभी नहीं गई। परन्तु शब्दने दूसरी बेर स्वर्गसे मुझे उत्तर दिया कि जो कुछ ईश्वरने शुद्ध किया है उसको तू अशुद्ध मत कह। यह तीन बार हुआ तब सब कुछ फिर स्वर्गपर खींचा गया। और देखो तुरन्त तीन मनुष्य जो कैसरियासे मेरे पास भेजे गये थे जिस घरमें मैं था उस घरपर आ पहुंचे। तब आत्माने मुझसे उनके संग बेखटके चले जानेको कहा और ये छः भाई भी मेरे संग गये और हमने उस मनुष्यके घरमें प्रवेश किया। और उसने हमें बताया कि उसने क्योंकर अपने घरमें एक दूतको खड़े हुए देखा था जो उससे बोला कि मनुष्योंको याफो नगर भेजके शिमोनको जो पितर कहावता है बुला। वह तुझसे बातें कहेगा जिनके द्वारा तू और तेरा सारा घराना त्राण

पावे। जब मैं बात करने लगा तब पवित्र आत्मा जिस रीतिसे आरंभमें हमोंपर पड़ा उसी रीतिसे उन्होंपर भी पड़ा। तब मैंने प्रभुका बचन स्मरण किया कि उसने कहा योहनने जलमें बपतिसमा दिया परन्तु तुम्हें पवित्र आत्मामें बपतिसमा दिया जायगा। सो जब कि ईश्वरने प्रभु यीशु खीष्टपर बिश्वास करनेहारोंको जैसे हमोंको तैसे उन्होंको भी एकसां दान दिया तो मैं कौन था कि मैं ईश्वरको रोक सकता। वे यह सुनके चुप हुए और यह कहके ईश्वरकी स्तुति करने लगे कि तब तो ईश्वरने अन्यदेशियोंको भी पश्चात्ताप दान किया है कि वे जीवें।

स्तिफानके कारण जो क्लेश हुआ तिसके हेतुसे जो लोग तितर बितर हुए थे उन्होंने फैनीकिया देश और कुप्रस टापू और अन्तैखिया नगरलों फिरते हुए किसी औरको नहीं केवल यिहूदियोंको बचन सुनाया। परन्तु उनमेंसे कितने कुप्री और कुरीनीय मनुष्य थे जो अन्तै-खियामें आके यूनानियोंसे बात करने और प्रभु यीशुका सुसमाचार सुनाने लगे। और प्रभुका हाथ उनके संग था और बहुत लोग बिश्वास करके प्रभुकी ओर फिरे। तब उनके विषयमें वह बात यिरूशलीममेंकी मंडलीके कानोंमें पहुंची और उन्होंने बर्णबाको भेजा कि वह अन्तैखियालों जाय। वह जब पहुंचा और ईश्वरके अनुग्रहको देखा तब आनन्दित हुआ और सभोंको उपदेश दिया कि मनकी अभिलाषा सहित प्रभुसे मिले रहो। क्योंकि वह भला मनुष्य और पवित्र आत्मा और बिश्वाससे परिपूर्ण था. और बहुत लोग प्रभुसे

मिल गये। तब बर्णबा शावलको ढूंढ़नेके लिये तारसको गया। और वह उसको पाके अन्तैखियामें लाया और वे दोनों जन बरस भर मंडलीमें एकट्ठे होते थे और बहुत लोगोंको उपदेश देते थे और शिष्य लोग पहिले अन्तैखियामें ख्रीष्टियान कहलाये।

उन दिनोंमें कई एक भविष्यद्वक्ता यिरूशलीमसे अन्तैखियामें आये। उनमेंसे आगाब नाम एक जनने उठके आत्माकी शिक्षासे बताया कि सारे संसारमें बड़ा अकाल पड़ेगा और वह अकाल क्लौदिय कैसरके समयमें पड़ा। तब शिष्योंने हर एक अपनी अपनी सम्पत्तिके अनुसार यिहूदियामें रहनेहारे भाइयोंकी सेवकाईके लिये कुछ भेजनेको ठहराया। और उन्होंने यही किया अर्थात बर्णबा और शावलके हाथ प्राचीनोंके पास कुछ भेजा।

१२ बारहवां पर्ब्ब।

१ हेरोदका याकूबको बध करना और पितरको बन्दीगृहमें डालना। ५ दूतका पितरको छुड़ाना। १२ पितरका मरियमके घरमें जाना। १८ हेरोदका पहरुओंको बध करवाना। २० हेरोदका मरण।

उस समय हेरोद राजाने मंडलीके कई एक जनोंको दुःख देनेको उनपर हाथ बढ़ाये। उसने योहनके भाई याकूबको खड्गसे मार डाला। और जब उसने देखा कि यिहूदी लोग इससे प्रसन्न होते हैं तब उसने पितरको भी पकड़ा और अखमीरी रोटीके पर्ब्बके दिन थे। और उसने उसे पकड़के बन्दीगृहमें डाला और चार चार योद्धाओंके चार पहरोंमें सौंप दिया कि वे उसको रखें और उसको निस्तार पर्ब्बके पीछे लोगोंके आगे निकाल लानेकी इच्छा करता था।

सो पितर बन्दीगृहमें पहरेमें रहता था परन्तु मंडली लौ लगाके उसके लिये ईश्वरसे प्रार्थना करती थी। और जब हेरोद उसे निकाल लानेपर था उसी रात पितर दो योद्धाओंके बीचमें दो जंजीरोंसे बंधा हुआ सोता था और पहरुए द्वारके आगे बन्दीगृहकी रक्षा करते थे। और देखो परमेश्वरका एक दूत आ खड़ा हुआ और कोठरीमें ज्योति चमकी और उसने पितरके पंजरपर हाथ मारके उसे जगाके कहा शीघ्र उठ. तब उसकी जंजीरें उसके हाथोंसे गिर पड़ीं। दूतने उससे कहा कमर बांध और अपने जूते पहिन ले और उसने वैसा किया. तब उससे कहा अपना बस्त्र ओढ़के मेरे पीछे हो ले। और वह निकलके उसके पीछे चलने लगा और नहीं जानता था कि जो दूतसे किया जाता है सो सत्य है परन्तु समझता था कि मैं दर्शन देखता हूं। परन्तु वे पहिले और दूसरे पहरेमेंसे निकले और नगरमें जानेके लोहेके फाटकपर पहुंचे जो आपसे आप उनके लिये खुल गया और वे निकलके एक गलीके अन्तलों बढ़े और तुरन्त दूत पितरके पाससे चला गया। तब पितरको चेत हुआ और उसने कहा अब मैं निश्चय जानता हूं कि प्रभुने अपना दूत भेजा है और मुझे हेरोदके हाथसे और सब बातोंसे जिनकी आस यिहूदी लोग देखते थे छुड़ाया है।

और यह जानके वह योहन जो मार्क कहावता है तिसकी माता मरियमके घरपर आया जहां बहुत लोग एकट्ठे हुए प्रार्थना करते थे। जब पितर डेवढ़ीके द्वारपर

खटखटाया तब रोदा नाम एक दासी चुप चाप सुननेको आई । और पितरका शब्द पहचानके उसने आनन्दके मारे द्वार न खोला परन्तु भीतर दौड़के बताया कि पितर द्वारपर खड़ा है । उन्होंने उससे कहा तू बौराही है परन्तु वह दृढ़तासे बोली कि ऐसाही है. तब उन्होंने कहा उसका दूत है । परन्तु पितर खटखटाता रहा और वे द्वार खोलके उसे देखके बिस्मित हुए । तब उसने हाथसे उन्हें चुप रहनेका सैन किया और उनसे कहा कि प्रभु क्योंकर उसको बन्दीगृहमेंसे बाहर लाया था और बोला यह बातें याकूबसे और भाइयोंसे कह दीजियो तब निकलके दूसरे स्थानको गया ।

बिहान हुए योद्धाओंमें बड़ी घबराहट होने लगी कि पितर क्या हुआ । जब हेरोदने उसे ढूंढ़ा और नहीं पाया तब पहरुओंको जांचके आज्ञा किई कि वे बध किये जायें. तब यिहूदियासे कैसरियाको गया और वहां रहा ।

हेरोदको सोर औ सीदोनके लोगोंसे लड़नेका मन था परन्तु वे एक चित्त होके उस पास आये और बलास्तको जो राजाके शयनस्थानका अध्यक्ष था मनाके मिलाप चाहा क्योंकि राजाके देशसे उनके देशका पालन होता था । और ठहराये हुए दिनमें हेरोदने राजबस्त्र पहिनके सिंहासनपर बैठके उन्होंको कथा सुनाई । और लोग पुकार उठे कि ईश्वरका शब्द है मनुष्यका नहीं । तब परमेश्वरके एक दूतने तुरन्त उसको मारा क्योंकि उसने ईश्वरकी स्तुति न किई और कीड़े उसको खा

गये और उसने प्राण छोड़ दिया। परन्तु ईश्वरका बचन अधिक अधिक फैलता गया।

जब बर्णबा और शावलने वह सेवकाई पूरी किई थी तब वे योहनको भी जो मार्क कहावता था संग लेके यिरूशलीमसे लौटे।

१३ तेरहवां पर्ब्ब।

१ बर्णबा और पावलका आन आन देशोंमें भेजा जाना। ४ उनका सुसमाचार प्रचार करना और इलुमा टोन्हेका साम्ना करना। १३ उनका पिसिदिया देशके अन्तैखिया नगरमें पहुंचना और पावलका उपदेश। ४२ बहुत लोगोंका इस उपदेशको ग्रहण करना। ४४ यिहूदियोंका बिरोध करना।

अन्तैखियामेंकी मंडलीमें कितने भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे अर्थात बर्णबा और शिमियोन जो निगर कहावता है और कुरीनीय लूकिय और चौथाईके राजा हेरोदका दूधभाई मनहेम और शावल। जिस समय वे उपवास सहित प्रभुकी सेवा करते थे पवित्र आत्माने कहा मैंने बर्णबा और शावलको जिस कामके लिये बुलाया है उस कामके निमित्त उन्हें मेरे लिये अलग करो। तब उन्होंने उपवास औ प्रार्थना करके और उनपर हाथ रखके उन्हें बिदा किया।

सो वे पवित्र आत्माके भेजे हुए सिलूकिया नगरको गये और वहांसे जहाजपर कुप्रस टापूको चले। और सालामी नगरमें पहुंचके उन्होंने ईश्वरका बचन यिहूदियोंकी सभाओंमें प्रचार किया और योहन भी सेवक होके उनके संग था। और उन्होंने उस टापूके बीचसे पाफो नगरलों पहुंचके एक टोन्हेको पाया जो झूठा भविष्यद्वक्ता और यिहूदी था जिसका नाम बरयीशु था। वह सर्ज्जिय

पावल प्रधानके संग था जो बुद्धिमान पुरुष था. उसने बर्णबा और शावलको अपने पास बुलाके ईश्वरका बचन सुनने चाहा। परन्तु इलुमा टोन्हा कि उसके नामका यही अर्थ है उनका साम्ना करके प्रधानको बिश्वासकी ओरसे बहकाने चाहता था। तब शावल अर्थात पावल-ने पवित्र आत्मासे परिपूर्ण होके और उसकी ओर ताकके कहा. हे सारे कपट और सब कुचालसे भरे हुए शैतानके पुत्र सकल धर्म्मके बैरी क्या तू प्रभुके सीधे मार्गोंको टेढ़ा करना न छोड़ेगा। अब देख प्रभुका हाथ तुझपर है और तू कितने समयलों अंधा होगा और सूर्य्यको न देखेगा. तुरन्त धुंधलाई और अंधकार उसपर पड़ा और वह इधर उधर टटोलने लगा कि लोग उसका हाथ पकड़ें। तब प्रधानने जो हुआ था सो देखके प्रभुके उपदेशसे अचंभित हो बिश्वास किया।

पावल और उसके संगी पाफोसे जहाज खोलके पंफु-लिया देशके पर्गा नगरमें आये परन्तु योहन उन्हें छोड़के यिरूशलीमको लौट गया। और पर्गासे आगे बढ़के वे पिसिदिया देशके अन्तैखिया नगरमें पहुंचे और बिश्राम-के दिन सभाके घरमें प्रवेश करके बैठ गये। और व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओंके पुस्तकके पढ़े जानेके पीछे सभाके अध्यक्षोंने उनके पास कहला भेजा कि हे भाइयो यदि लोगोंके लिये उपदेशकी कोई बात आप लोगोंके पास होय तो कहिये। तब पावलने खड़ा होके और हाथसे सैन करके कहा हे इस्रायेली लोगो और ईश्वरसे डरनेहारो सुनो। इन इस्रायेली लोगोंके ईश्वरने हमारे

पितरोंको चुन लिया और इन लोगोंको मिसर देशमें परदेशी होते हुए उन्हें ऊंच पद दिया और बलवन्त भुजासे उस देशमेंसे निकाल लिया। और उसने चालीस एक बरस जंगलमें उनका निर्ब्बाह किया. और कनान देशमें सात राज्यके लोगोंको नाश करके उनका देश चिट्ठियां डलवाके उनको बांट दिया। इसके पीछे उसने साढ़े चार सौ बरसके अटकल शमुएल भविष्यद्वक्तालों उन्हें न्याय करनेहारे दिये। उस समयसे उन्होंने राजा चाहा और ईश्वरने चालीस बरसलों बिन्यामीनके कुलके एक मनुष्य अर्थात कीशके पुत्र शावलको उन्हें दिया। और उसको अलग करके उसने उन्होंके लिये दाऊदको राजा होनेको उठाया जिसके विषयमें उसने साक्षी देके कहा मैंने यिशीका पुत्र दाऊद अपने मनके अनुसार एक मनुष्य पाया है जो मेरी सारी इच्छाको पूरी करेगा। इसीके बंशमेंसे ईश्वरने प्रतिज्ञाके अनुसार इस्रायेलके लिये एक त्राणकर्त्ता अर्थात यीशुको उठाया। पर उसके आनेके आगे योहनने सब इस्रायेली लोगोंको पश्चात्तापके बपतिसमाका उपदेश दिया। और योहन जब अपनी दौड़ पूरी करता था तब बोला तुम क्या समझते हो मैं कौन हूं. मैं वह नहीं हूं परन्तु देखो मेरे पीछे एक आता है जिसके पांवोंकी जूती मैं खोलनेके योग्य नहीं हूं।

हे भाइयो तुम जो इब्राहीमके बंशके सन्तान हो और तुम्होंमें जो ईश्वरसे डरनेहारे हो तुम्हारे पास इस त्राणकी कथा भेजी गई है। क्योंकि यिरूशलीमके निवासियोंने और उनके प्रधानोंने यीशुको न पहचानके उसका

बिचार करनेमें भविष्यद्वक्ताओंकी बातें भी जो हर एक बिश्रामवार पढ़ी जाती हैं पूरी किईं। और उन्होंने बधके योग्य कोई दोष उसमें न पाया तौभी पिलातसे बिन्ती किई कि वह घात किया जाय। और जब उन्होंने उसके विषयमें लिखी हुई सब बातें पूरी किईं थीं तब उसे काठपरसे उतारके कबरमें रखा। परन्तु ईश्वरने उसे मृतकोंमेंसे उठाया। और उसने बहुत दिन उन्होंको जो उसके संग गालीलसे यिरूशलीममें आये थे दर्शन दिया और वे लोगोंके पास उसके साक्षी हैं। हम उस प्रतिज्ञाका जो पितरोंसे किई गई तुम्हें सुसमाचार सुनाते हैं. कि ईश्वरने यीशुको उठानेमें यह प्रतिज्ञा उनके सन्तानोंके अर्थात हमोंके लिये पूरी किई है जैसा दूसरे गीतमें भी लिखा है कि तू मेरा पुत्र है मैंने आजही तुझे जन्म दिया है। और उसने जो उसको मृतकोंमेंसे उठाया और वह कभी सड़ न जायगा इसलिये यूं कहा है कि मैंने दाऊदपर जो अचल कृपा किई सो तुमपर करूंगा। इसलिये उसने दूसरे एक गीतमें भी कहा है कि तू अपने पवित्र जनको सड़ने न देगा। दाऊद तो ईश्वरकी इच्छासे अपने समयके लोगोंकी सेवा करके सो गया और अपने पितरोंमें मिला और सड़ गया। परन्तु जिसको ईश्वरने जिला उठाया वह नहीं सड़ गया। इसलिये हे भाइयो जानो कि इसीके द्वारा पापमोचनकी कथा तुमको सुनाई जाती है। और इसीके हेतुसे हर एक बिश्वासी जन सब बातोंसे निर्दोष ठहराया जाता है जिनसे तुम मूसाकी व्यवस्थाके हेतुसे निर्दोष

नहीं ठहर सकते थे। इसलिये चौकस रहो कि जो भविष्यद्वक्ताओंके पुस्तकमें कहा गया है सो तुमपर न पड़े . कि हे निन्दको देखो और अचंभित हो और लोप हो जाओ क्योंकि मैं तुम्हारे दिनोंमें एक काम करता हूं ऐसा काम कि यदि कोई तुमसे उसका बर्णन करे तो तुम कभी प्रतीति न करोगे।

जब यिहूदी लोग सभाके घरमेंसे निकलते थे तब अन्यदेशियोंने बिन्ती किई कि यह बातें अगले बिश्रामवार हमसे कही जायें। और जब सभा उठ गई तब यिहूदियोंमेंसे और भक्तिमान यिहूदीय मतावलंबियोंमेंसे बहुत लोग पावल और बर्णबाके पीछे हो लिये और उन्होंने उनसे बातें करके उन्हें समझाया कि ईश्वरके अनुग्रहमें बने रहो।

अगले बिश्रामवार नगरके प्राय सब लोग ईश्वरका बचन सुननेको एकट्ठे आये। परन्तु यिहूदी लोग भीड़को देखके डाहसे भर गये और बिबाद औ निन्दा करते हुए पावलकी बातोंके बिरुद्ध बोलने लगे। तब पावल और बर्णबाने साहस करके कहा अवश्य था कि ईश्वरका बचन पहिले तुम्होंसे कहा जाय परन्तु जब कि तुम उसे दूर करते हो और अपने तईं अनन्त जीवनके अयोग्य ठहराते हो देखो हम अन्यदेशियोंकी ओर फिरते हैं। क्योंकि परमेश्वरने हमें यूंहीं आज्ञा दिई है कि मैंने तुझे अन्यदेशियोंकी ज्योति ठहराई है कि तू पृथिवीके अन्तलों त्राणकर्त्ता होवे। तब अन्यदेशी लोग जो सुनते थे आनन्दित हुए और प्रभुके बचनकी बड़ाई करने लगे और

जितने लोग अनन्त जीवनके लिये ठहराये गये थे उन्होंने बिश्वास किया। तब प्रभुका बचन उस सारे देश-में फैलने लगा। परन्तु यिहूदियोंने भक्तिमती और कुल-वन्ती स्त्रियोंको और नगरके बड़े लोगोंको उसकाया और पावल और बर्णबापर उपद्रव करवाके उन्हें अपने सिवानोंमेंसे निकाल दिया। तब वे उनके बिरुद्ध अपने पांवोंकी धूल झाड़के इकोनिया नगरमें आये। और शिष्य लोग आनन्दसे और पवित्र आत्मासे पूर्ण हुए।

१४ चौदहवां पर्ब्ब ।

१ इकोनिया नगरमें बर्णबा और पावलका सताया जाना। ८ पावलका लुस्त्रा नगरमें एक लंगड़ेको चंगा करना। ११ नगरके लोगोंका उन्हें पूजनेकी इच्छा करना। १९ उन्होंका पावलको पत्थरवाह करना। २१ प्रेरितोंका अनेक नगरोंमें उपदेश करना और अन्तैखियाको लौट जाना।

इकोनियामें उन्होंने यिहूदियोंके सभाके घरमें एक संग प्रवेश किया और ऐसी बातें किईं कि यिहूदियों और यूनानियोंमेंसे भी बहुत लोगोंने बिश्वास किया। परन्तु न माननेहारे यिहूदियोंने अन्यदेशियोंके मन भाइयोंके बिरुद्ध उसकाये और बुरे कर दिये। सो उन्होंने प्रभुके भरोसे जो अपने अनुग्रहके बचनपर साक्षी देता था और उनके हाथोंसे चिन्ह और अद्भुत काम कर-वाता था साहससे बात करते हुए बहुत दिन बिताये। और नगरके लोग बिभिन्न हुए और कितने तो यिहूदि-योंके साथ और कितने प्रेरितोंके साथ थे। परन्तु जब अन्यदेशियों और यिहूदियोंने भी अपने प्रधानोंके संग उनकी दुर्द्दशा करने और उन्हें पत्थरवाह करनेको हल्ला किया. तब वे जान गये और लुकाओनिया देशके लुस्त्रा

और दर्बी नगरोंमें और आसपासके देशमें भाग गये. और वहां सुसमाचार प्रचार करने लगे।

लुस्त्रामें एक मनुष्य पांवोंका निर्बल बैठा था जो अपनी माताके गर्भहीसे लंगड़ा था और कभी नहीं चला था। वह पावलको बात करते सुनता था और उसने उसकी ओर ताकके देखा कि इसको चंगा किये जानेका बिश्वास है. और बड़े शब्दसे कहा अपने पांवोंपर सीधा खड़ा हो. तब वह कूदने और फिरने लगा।

पावलने जो किया था उसे देखके लोगोंने लुकाओनीय भाषामें ऊंचे शब्दसे कहा देवगण मनुष्योंके समान होके हमारे पास उतर आये हैं। और उन्होंने बर्णबाको जूपितर और पावलको हर्मि कहा क्योंकि वह बात करनेमें मुख्य था। और जूपितर जो उनके नगरके साम्हने था उसका याजक बैलोंको और फूलोंके हारोंको फाटकोंपर लाके लोगोंके संग बलिदान किया चाहता था। परन्तु प्रेरितोंने अर्थात बर्णबा और पावलने यह सुनके अपने कपड़े फाड़े और लोगोंकी ओर लपक गये और पुकारके बोले. हे मनुष्यो यह क्यों करते हो. हम भी तुम्हारे समान दुःख सुख भोगी मनुष्य हैं और तुम्हें सुसमाचार सुनाते हैं कि तुम इन व्यर्थ विषयोंसे जीवते ईश्वरकी ओर फिरो जिसने स्वर्ग औ पृथिवी औ समुद्र और सब कुछ जो इनमें है बनाया। उसने बीती हुई पीढ़ियोंमें सब देशोंके लोगोंको अपने अपने मार्गोंमें चलने दिया। तौभी उसने अपनेको बिना साक्षी नहीं रख छोड़ा है

कि वह भलाई किया करता और आकाशसे बर्षा और फलवन्त ऋतु देके हमोंके मनको भोजन और आनन्दसे तृप्त किया करता है। यह कहनेसे उन्होंने लोगोंको कठिनतासे रोका कि वे उनके आगे बलिदान न करें।

परन्तु कितने यिहूदियोंने अन्तैखिया और इकोनियासे आके लोगोंको मनाया और पावलको पत्थरवाह किया और यह समझके कि वह मर गया है उसे नगरके बाहर घसीट ले गये। परन्तु जब शिष्य लोग उस पास घिर आये तब उसने उठके नगरमें प्रवेश किया और टूसरे दिन बर्णबाके संग दर्बीको गया।

जब उन्होंने उस नगरके लोगोंको सुसमाचार सुनाया और बहुतोंको शिष्य किया था तब वे लुस्त्रा और इकोनिया और अन्तैखियाको लौटे. और यह उपदेश करते हुए कि बिश्वासमें बने रहो और कि हमें बड़े क्लेशसे ईश्वरके राज्यमें प्रवेश करना होगा शिष्योंके मनको स्थिर करते गये। और हर एक मंडलीमें प्राचीनोंको उनपर ठहराके उन्होंने उपवास सहित प्रार्थना करके उन्हें प्रभुके हाथ सोंपा जिसपर उन्होंने बिश्वास किया था। और पिसिदियासे होके वे पंफुलियामें आये. और पर्गामें बचन सुनाके आतालिया नगरको गये। और वहांसे वे जहाजपर अन्तैखियाको चले जहांसे वे उस कामके लिये जो उन्होंने पूरा किया था ईश्वरके अनुग्रहपर सोंपे गये थे। वहां पहुंचके और मंडलीको एकट्ठी करके उन्होंने बताया कि ईश्वरने उन्होंके साथ कैसे बड़े काम किये थे और कि उसने अन्यदेशियोंके

लिये बिश्वासका द्वार खाला था। और उन्होंने वहां शिष्योंके संग बहुत दिन बिताये।

१५ पन्द्रहवां पर्ब्ब।

१ खतनेके विषयमें बिबाद होना और उसके निर्णयके लिये कितने भाइयोंका यिरूशलीमको जाना। ६ प्रेरितोंका इस बातका बिचार करना। २२ इस बातका निर्णय पत्रमें लिखना। ३० इस पत्रका अन्तैखियामें पहुंचाया जाना। ३६ पावल और बर्णबाका अलग अलग यात्रा करना।

कितने लोग यिहूदियासे आके भाइयोंको उपदेश देने लगे कि जो मूसाकी रीतिके अनुसार तुम्हारा खतना न किया जाय तो तुम त्राण नहीं पा सकते हो। जब पावल और बर्णबासे और उन्होंसे बहुत बिबाद और बिचार हुआ था तब भाइयोंने यह ठहराया कि पावल और बर्णबा और हममेंसे कितने और जन इस प्रश्नके विषयमें यिरूशलीमको प्रेरितों और प्राचीनोंके पास जायेंगे। सो मंडलीसे कुछ दूर पहुंचाये जाके वे फैनीकिया और शोमिरोनसे होते हुए अन्यदेशियोंके मन फेरनेका समाचार कहते गये और सब भाइयोंको बहुत आनन्दित किया। जब वे यिरूशलीममें पहुंचे तब मंडलीने और प्रेरितों और प्राचीनोंने उन्हें ग्रहण किया और उन्होंने बताया कि ईश्वरने उन्होंके साथ कैसे बड़े काम किये थे। परन्तु फरीशियोंके पंथके लोगोंमेंसे कितने जिन्होंने बिश्वास किया था उठके बोले उन्हें खतना करना और मूसाकी ब्यवस्थाको पालन करनेकी आज्ञा देना उचित है।

तब प्रेरित और प्राचीन लोग इस बातका बिचार करनेको एकट्ठे हुए। जब बहुत बिबाद हुआ तब पितरने

उठके उनसे कहा हे भाइयो तुम जानते हो कि बहुत दिन हुए ईश्वरने हममेंसे चुन लिया कि मेरे मुंहसे अन्यदेशी लोग सुसमाचारका बचन सुनके बिश्वास करें। और अन्तर्यामी ईश्वरने जैसा हमको तैसा उनको भी पवित्र आत्मा देके उनके लिये साक्षी दिई. और बिश्वाससे उन्होंके मनको शुद्ध करके हमोंके और उन्होंके बीचमें कुछ भेद न रखा। सो अब तुम क्यों ईश्वरकी परीक्षा करते हो कि शिष्योंके गलेपर जूआ रखो जिसे न हमारे पितर लोग न हम लोग उठा सके। परन्तु जिस रीतिसे वे उसी रीतिसे हम भी प्रभु यीशु खीष्टके अनुग्रहसे त्राण पानेको बिश्वास करते हैं।

तब सारी सभा चुप हुई और बर्णबा और पावलकी जो यह बताते थे कि ईश्वरने उनके द्वारा कैसे बड़े चिन्ह और अद्भुत काम अन्यदेशियोंके बीचमें किये थे सुनती रही। जब वे चुप हुए तब याकूबने उत्तर दिया कि हे भाइयो मेरी सुन लीजिये। शिमोनने बताया है कि ईश्वरने क्योंकर अन्यदेशियोंपर पहिले दृष्टि किई कि उनमेंसे अपने नामके लिये एक लोगको ले लेवे। और इससे भविष्यद्वक्ताओंकी बातें मिलती हैं जैसा लिखा है. कि परमेश्वर जो यह सब करता है सो कहता है इसके पीछे मैं फिरके दाऊदका गिरा हुआ डेरा उठाऊंगा और उसके खंड़हर बनाऊंगा और उसे खड़ा करूंगा. इसलिये कि वे मनुष्य जो रह गये हैं और सब अन्यदेशी लोग जो मेरे नामसे पुकारे जाते हैं परमेश्वरको ढूंढ़ें। ईश्वर अपने सब कामोंको आदिसे जानता है।

इसलिये मेरा बिचार यह है कि अन्यदेशियोंमेंसे जो लोग ईश्वरकी ओर फिरते हैं हम उनको दुःख न देवें. परन्तु उनके पास लिखें कि वे मूरतोंकी अशुद्ध वस्तुओंसे और व्यभिचारसे और गला घोंटे हुओंके मांससे और लोहूसे परे रहें। क्योंकि पूर्वोंके समयसे मूसाके पुस्तकके नगर नगरमें प्रचार करनेहारे हैं और हर एक बिश्रामवार वह सभाके घरोंमें पढ़ा जाता है।

तब सारी मंडली सहित प्रेरितों और प्राचीनोंको अच्छा लगा कि अपनेमेंसे मनुष्योंको चुनें अर्थात यिहूदाको जो बर्शबा कहावता है और सीलाको जो भाइयोंमें बड़े मनुष्य थे और उन्हें पावल और बर्णबाके संग अन्तैखियाको भेजें . और उनके हाथ यही लिख भेजें कि प्रेरित औ प्राचीन औ भाई लोग अन्तैखिया और सुरिया और किलिकियामेंके उन भाइयोंको जो अन्यदेशियोंमेंसे हैं नमस्कार। हमने सुना है कि कितने लोगोंने हममेंसे निकलके तुम्हें बातोंसे व्याकुल किया है कि वे खतना करवानेको और व्यवस्थाको पालन करनेको कहते हुए तुम्हारे मनको चंचल करते हैं पर हमने उनको आज्ञा न दिई। इसलिये हमने एक चित्त होके अच्छा जाना है. कि मनुष्योंको चुनके अपने प्यारे बर्णबा और पावलके संग जो ऐसे मनुष्य हैं कि अपने प्राणोंको हमारे प्रभु यीशु खीष्टके नामके लिये सोंप दिया है तुम्हारे पास भेजें। सो हमने यिहूदा और सीलाको भेजा है जो आप भी यही बातें मुखबचनसे कह देवें। पवित्र आत्माको और हमको अच्छा लगा है कि तुम्हांपर इन आवश्यक

बातोंसे अधिक कोई भार न रखें. अर्थात कि मूरतोंके आगे बलि किये हुओंसे और लोहूसे और गला घोंटे हुओंके मांससे और व्यभिचारसे परे रहो. इन्होंसे अपनेको बचा रखनेसे तुम भला करोगे. आगे शुभ।

सो वे बिदा होके अन्तैखियामें पहुंचे और लोगोंको एकट्ठे करके वह पत्र दिया। वे पढ़के उस शांतिकी बातसे आनन्दित हुए। और यिहूदा और सीलाने जो आप भी भविष्यद्वक्ता थे बहुत बातोंसे भाइयोंको समझाके स्थिर किया। और कुछ दिन रहके वे प्रेरितोंके पास जानेको कुशलसे भाइयोंसे बिदा हुए। परन्तु सीलाने वहां रहना अच्छा जाना। और पावल और बर्णबा बहुत औरोंके संग प्रभुके बचनका उपदेश करते और सुसमाचार सुनाते हुए अन्तैखियामें रहे।

कितने दिनोंके पीछे पावलने बर्णबासे कहा जिन नगरोंमें हमने प्रभुका बचन प्रचार किया आओ हम हर एक नगरमें फिरके अपने भाइयोंको देख लेवें कि वे कैसे हैं। तब बर्णबाने योहनको जो मार्क कहावता है संग लेनेका बिचार किया। परन्तु पावलने उसको जो पंफुलियासे उनके पाससे चला गया और कामपर उनके साथ न गया संग ले जाना अच्छा नहीं समझा। सो ऐसा टंटा हुआ कि वे एक दूसरेको छोड़ गये और बर्णबा मार्कको लेके जहाजपर कुप्रसको गया। परन्तु पावलने सीलाको चुन लिया और भाइयोंसे ईश्वरके अनुग्रहपर सौंपा जाके निकला. और मंडलियोंको स्थिर करता हुआ सारे सुरिया और किलिकियामें फिरा।

१६ सोलहवां पर्ब्ब।

१ पावलका तिमोथियको खतना करना और अनेक ठौर फिरना। ९ उसका एक दर्शन पाना और उन्होंका फिलिपी नगरको जाना। १३ लुदियाका वृत्तान्त। १६ एक भूतग्रस्त कन्यासे भूतका निकाला जाना। १९ पावल और सीलाका बन्दीगृहमें डाला जाना। २५ बन्दीगृहके रक्षकका प्रभुकी ओर फिरना। ३५ पावल और सीलाका बन्दीगृहसे छुड़ाया जाना।

तब पावल दर्बी और लुस्त्रामें पहुंचा और देखो वहां तिमोथिय नाम एक शिष्य था जो किसी बिश्वासी यिहूदिनीका पुत्र था परन्तु उसका पिता यूनानी था। और लुस्त्रा और इकोनियामेंके भाई लोग उसकी सुख्याति करते थे। पावलने चाहा कि यह मेरे संग जाय और जो यिहूदी लोग उन स्थानोंमें थे उनके कारण उसे लेके उसका खतना किया क्योंकि वे सब उसके पिताको जानते थे कि वह यूनानी था। परन्तु नगर नगर जाते हुए उन्होंने उन बिधियोंको जो यिरूशलीममेंके प्रेरितों और प्राचीनोंसे ठहराई गईं थीं भाइयोंको सौंप दिया कि उनको पालन करें। सो मंडलियां बिश्वासमें स्थिर होती थीं और प्रतिदिन गिन्तीमें बढ़ती थीं। और जब वे फ्रूगिया और गलातिया देशोंमें फिर चुके और पवित्र आत्माने उन्हें आशिया देशमें बात सुनानेको बर्जा. तब उन्होंने मुसिया देशपर आके बिथुनिया देशको जानेकी चेष्टा किई परन्तु आत्माने उन्हें जाने न दिया। और मुसियासे होके वे त्रोआ नगरमें आये।

रातको एक दर्शन पावलको दिखाई दिया कि कोई माकिदोनी पुरुष खड़ा हुआ उससे बिन्ती करके कहता था कि उस पार माकिदोनिया देश जाके हमारा उप-

कार कीजिये । जब उसने यह दर्शन देखा तब हमने निश्चय जाना कि प्रभुने हमें उन लोगोंके तईं सुसमाचार सुनानेको बुलाया है इसलिये हमने तुरन्त माकिदोनियाको जाने चाहा। सो त्रोआससे खोलके हम सामोथ्राकी टापूको सीधे आये और दूसरे दिन नियापलि नगरमें पहुंचे। वहांसे हम फिलिपी नगरमें आये जो माकिदोनियाके उस अंशका पहिला नगर है और रोमियोंकी बस्ती है और हम उस नगरमें कुछ दिन रहे।

बिश्रामके दिन हम नगरके बाहर नदीके तीरपर गये जहां प्रार्थना किई जाती थी और बैठके स्त्रियोंसे जो एकट्ठी हुई थीं बात करने लगे। और लुदिया नाम थुआतीरा नगरकी एक स्त्री बैजनी बस्त्र बेचनेहारी जो ईश्वरकी उपासना किया करती थी सुनती थी और प्रभुने उसका मन खोला कि वह पावलकी बातोंपर चित्त लगावे। और जब उसने और उसके घरानेने बपतिसमा लिया था तब उसने बिन्ती किई कि यदि आप लोगोंने मुझे प्रभुकी बिश्वासिनी जान लिई है तो मेरे घरमें आके रहिये और वह हमें मनाके ले गई।

जब हम प्रार्थनाको जाते थे तब एक दासी जिसे आगमबक्ता भूत लगा था हमको मिली जो आगमके कहनेसे अपने स्वामियोंके लिये बहुत कमा लाती थी। वह पावलके और हमारे पीछे आके पुकारने लगी कि ये मनुष्य सर्ब्बप्रधान ईश्वरके दास हैं जो हमें त्राणके मार्गकी कथा सुनाते हैं। उसने बहुत दिन यह किया परन्तु पावल अप्रसन्न हुआ और मुंह फेरके उस भूतसे

कहा मैं तुझे यीशु ख्रीष्टके नामसे आज्ञा देता हूं कि उसमेंसे निकल आ और वह उसी घड़ी निकल आया।

जब उसके स्वामियोंने देखा कि हमारी कमाईकी आशा गई है तब उन्होंने पावल और सीलाको पकड़के चौकमें प्रधानोंके पास खींच लिया. और उन्हें अध्यक्षोंके पास लाके कहा ये मनुष्य जो यिहूदी हैं हमारे नगरके लोगोंको व्याकुल करते हैं. और व्यवहारोंको प्रचार करते हैं जिन्हें ग्रहण करना अथवा मानना हमोंको जो रोमी हैं उचित नहीं है। तब लोग उनके बिरुद्ध एकट्ठे चढ़ आये और अध्यक्षोंने उनके कपड़े फाड़ डाले और उन्हें बेत मारनेकी आज्ञा दिई. और उन्हें बहुत घायल करके बन्दीगृहमें डाला और बन्दीगृहके रक्षकको उन्हें यत्नसे रखनेकी आज्ञा दिई। उसने ऐसी आज्ञा पाके उन्हें भीतरकी कोठरीमें डाला और उनके पांव काठमें ठोंके।

आधी रातको पावल और सीला प्रार्थना करते हुए ईश्वरका भजन गाते थे और बंधुए उनकी सुनते थे। तब अचांचक ऐसा बड़ा भुईंडोल हुआ कि बन्दीगृहकी नेवें हिलीं और तुरन्त सब द्वार खुल गये और सभोंके बंधन खुल पड़े। तब बन्दीगृहका रक्षक जागा और बन्दीगृहके द्वार खुले देखके खड्ग खींचा और अपने तईं मार डालनेपर था कि वह समझता था कि बंधुए लोग भाग गये हैं। परन्तु पावलने बड़े शब्दसे पुकारके कहा अपनेको कुछ दुःख न देना क्योंकि हम सब यहां हैं। तब वह दीपक मंगाके भीतर

लपक गया और कंपित होके पावल और सीलाको दंडवत किई. और उनको बाहर लाके कहा हे प्रभुओ त्राण पानेको मुझे क्या करना होगा। उन्होंने कहा प्रभु यीशु ख्रीष्टपर बिश्वास कर तो तू और तेरा घराना त्राण पावेगा। और उन्होंने उसको और सभोंको जो उसके घरमें थे प्रभुका बचन सुनाया। और रातको उसी घड़ी उसने उनको लेके उनके घावोंको धोया और उसने और उसके सब लोगोंने तुरन्त बपतिसमा लिया। तब उसने उन्हें अपने घरमें लाके उनके आगे भोजन रखा और सारे घराने समेत ईश्वरपर बिश्वास कियेसे आनन्दित हुआ।

बिहान हुए अध्यक्षोंने प्यादोंके हाथ कहला भेजा कि उन मनुष्योंको छोड़ देओ। तब बन्दीगृहके रक्षकने यह बातें पावलसे कह सुनाई कि अध्यक्षोंने कहला भेजा है कि आप लोग छोड़ दिये जायें सो अब निकलके कुशलसे जाइये। परन्तु पावलने उनसे कहा उन्होंने हमें जो रोमी मनुष्य हैं दंडके योग्य ठहराये बिना लोगोंके आगे मारा और बन्दीगृहमें डाला और अब क्या चुपकेसे हमें निकाल देते हैं. सो नहीं परन्तु आपही आके हमें बाहर ले जावें। प्यादोंने यह बातें अध्यक्षोंसे कह दिईं और वे यह सुनके कि रोमी हैं डर गये. और आके उन्हें मनाया और बाहर लाके बिन्ती किई कि नगरसे निकल जाइये। वे बन्दीगृहमेंसे निकलके लुदियाके यहां गये और भाइयोंको देखके उन्हें उपदेश देके चले गये।

१७ सत्रहवां पर्ब्ब ।

१ थिसलोनिका नगरमें लोगोंका भिन्न भिन्न विचार और प्रेरितोंका निकाला जाना । १० बिरैया नगरके लोगोंका पहिले सुविचार पीछे बिरोध करना । १६ आथीनी नगरके लोगोंसे पावलका विवाद करना । २२ अरेयोपाग स्थानमें पावलका उपदेश । ३२ उस उपदेशका फल ।

अंफिपलि और अपल्लोनिया नगरोंसे होके वे थिसलोनिका नगरमें आये जहां यिहूदियोंकी सभाका घर था । और पावल अपनी रीतिपर उनके यहां गया और तीन बिश्रामवार उनसे धर्म्मपुस्तकमेंसे बातें किईं । और यही खोल देता और समझाता रहा कि खीष्टको दुःख भोगना और मृतकोंमेंसे जी उठना आवश्यक था और कि यह यीशु जिसकी कथा मैं तुम्हें सुनाता हूं वही खीष्ट है । तब उनमेंसे कितने जनोंने और भक्त यूनानियोंमेंसे बहुत लोगोंने और बहुतसी बड़ी बड़ी स्त्रियोंने मान लिया और पावल और सीलासे मिल गये । परन्तु न माननेहारे यिहूदियोंने डाह करके बाजारू लोगोंमेंसे कितने दुष्ट मनुष्योंको लिया और भीड़ लगाके नगरमें धूम मचाई और यासोनके घरपर चढ़ाई करके पावल और सीलाको लोगोंके पास लाने चाहा । और उन्हें न पाके वे यह पुकारते हुए यासोनको और कितने भाइयोंको नगरके प्रधानोंके आगे खींच लाये कि ये लोग जिन्होंने जगतको उलटा पुलटा किया है यहां भी आये हैं । और यासोनने उनकी पहुनई किई है और ये सब यह कहते हुए कि यीशु नाम दूसरा राजा है कैसरकी आज्ञाओंके बिरुद्ध करते हैं । सो उन्होंने लोगोंको और नगरके प्रधानोंको जो यह बातें

सुनते थे ब्याकुल किया। और उन्होंने यासोनसे और दूसरोंसे मुचलका लेके उन्हें छोड़ दिया ।

तब भाइयोंने तुरन्त रातको पावल और सीलाको बिरेया नगरको भेजा और वे पहुंचके यिहूदियोंकी सभाके घरमें गये। ये तो थिसलोनिकामेंके यिहूदियोंसे सुशील थे और उन्होंने सब भांतिसे तत्पर होके बचनको ग्रहण किया और प्रतिदिन धर्म्मपुस्तकमें ढूंढ़ते रहे कि यह बातें यूंहीं हैं कि नहीं। सो उनमेंसे बहुतोंने और यूनानीय कुलवन्ती स्त्रियोंमेंसे और पुरुषोंमेंसे बहुतेरोंने बिश्वास किया। परन्तु जब थिसलोनिकाके यिहूदियोंने जाना कि पावल बिरेयामें भी ईश्वरका बचन प्रचार करता है तब वे वहां भी आके लोगोंको उसकाने लगे। तब भाइयोंने तुरन्त पावलको बिदा किया कि वह समुद्रकी ओर जावे परन्तु सीला और तिमोथिय वहां रह गये। पावलके पहुंचानेहारे उसे आथीनी नगरतक लाये और सीला और तिमोथियके लिये उस पास बहुत शीघ्र जानेकी आज्ञा लेके बिदा हुए।

जब पावल आथीनीमें उनकी बाट जोहता था तब नगरको मूरतोंसे भरे हुए देखनेसे उसका मन भीतरसे उभड़ आया। सो वह सभाके घरमें यिहूदियों और भक्त लोगोंसे और प्रतिदिन चौकमें जो लोग मिलते थे उन्होंसे बातें करने लगा। तब इपिकूरीय और स्तोइकीय ज्ञानियोंमेंसे कितने उससे बिबाद करने लगे और कितने बोले यह बकवादी क्या कहने चाहता है पर औरोंने कहा वह ऊपरी देवताओंका प्रचारक देख पड़ता है.

क्योंकि वह उन्हें यीशुका और जी उठनेका सुसमाचार सुनाता था। तब उन्होंने उसे लेके अरेयोपाग नाम स्थानपर लाके कहा क्या हम जान सकते कि यह नया उपदेश जो तुझसे सुनाया जाता है क्या है। क्योंकि तू अनूठी बातें हमें सुनाता है सो हम जानने चाहते हैं कि इनका अर्थ क्या है। सब आथीनीय लोग और परदेशी जो वहां रहते थे किसी और काममें नहीं केवल नई नई बातके कहने अथवा सुननेमें समय काटते थे।

तब पावलने अरेयोपागके बीचमें खड़ा होके कहा हे आथीनीय लोगो मैं आप लोगोंको सर्ब्बथा बड़े देव-पूजक देखता हूं। क्योंकि जब मैं फिरते हुए आप लोगों-की पूज्य बस्तुओंको देखता था तब एक ऐसी बेदी भी पाई जिसपर लिखा हुआ था कि अनजाने ईश्वरकी. सो जिसे आप लोग बिन जाने पूजते हैं उसीकी कथा मैं आप लोगोंको सुनाता हूं। ईश्वर जिसने जगत और सब कुछ जो उसमें है बनाया सो स्वर्ग और पृथिवीका प्रभु होके हाथके बनाये हुए मन्दिरोंमें बास नहीं करता है. और न किसी बस्तुका प्रयोजन रखनेसे मनुष्योंके हाथोंकी सेवा लेता है क्योंकि वह आपही सभोंको जीवन और श्वास और सब कुछ देता है। उसने एकही लो-हूसे मनुष्योंके सब जातिगण सारी पृथिवीपर बसनेको बनाये हैं और ठहराये हुए समयोंको और उनके निवासके सिवानोंको इसलिये बांधा है. कि वे पर-मेश्वरको ढूंढ़ें क्या जानें उसे टटोलके पावें और तौभी वह हममेंसे किसीसे दूर नहीं है. क्योंकि हम उसीसे

जीते और फिरते और होते हैं जैसे आप लोगोंके यहांके कितने कबियोंने भी कहा है कि हम तो उसके बंश हैं । सो जो हम ईश्वरके बंश हैं तो यह समझना कि ईश्वरत्व सोने अथवा रूपे अथवा पत्थरके अर्थात मनुष्यकी कारीगरी और कल्पनाकी गढ़ी हुई बस्तुके समान है हमें उचित नहीं है। इसलिये ईश्वर अज्ञानताके समयोंसे आनाकानी करके अभी सर्ब्बत्र सब मनुष्योंको पश्चात्ताप करनेकी आज्ञा देता है । क्योंकि उसने एक दिन ठहराया है जिसमें वह उस मनुष्यके द्वारा जिसे उसने नियुक्त किया है धर्म्मसे जगतका न्याय करेगा और उसने उस मनुष्यको मृतकोंमेंसे उठाके सभोंको निश्चय कराया है ।

मृतकोंके जी उठनेकी बात सुनके कितने ठट्ठा करने लगे और कितने बोले हम इसके विषयमें तुझसे फिर सुनेंगे । इसपर पावल उनके बीचमेंसे चला गया । परन्तु कई एक मनुष्य उससे मिल गये और बिश्वास किया जिनमें दियोनुसिय अरेयोपागी था और दामरी नाम एक स्त्री और उनके संग कितने और लोग ।

१८ अठारहवां पर्ब्ब ।

१ पावलका करिन्थ नगरमें सुसमाचार प्रचार करना । १२ यिहूदियोंका गालियोके पास पावलपर नालिश करना । १८ पावलका अनेक नगरों और देशोंमें फिरना । २४ अपल्लोका बखान ।

इसके पीछे पावल आथीनीसे निकलके करिन्थ नगरमें आया । और अकूला नाम पन्त देशका एक यिहूदी था जो उन दिनोंमें इतलिया देशसे आया था इसलिये कि क्लौदियने सब यिहूदियोंको रोम नगरसे निकल

जानेकी आज्ञा दिई थी . पावल उसको और उसकी स्त्री प्रिस्कीलाको पाके उनके यहां गया। और उसका और उनका एकही उद्यम था इसलिये वह उनके यहां रहके कमाता था क्योंकि तम्बू बनाना उनका उद्यम था। परन्तु हर एक बिश्रामवार वह सभाके घरमें बातें करके यिहूदियों और यूनानियोंको भी समझाता था। जब सीला और तिमोथिय माकिदोनियासे आये तब पावल आत्माके बशमें होके यिहूदियोंको साक्षी देता था कि यीशु तो खीष्ट है। परन्तु जब वे बिरोध और निन्दा करने लगे तब उसने कपड़े झाड़के उनसे कहा तुम्हारा लोहू तुम्हारेही सिरपर होय . मैं निर्दोष हूं. अबसे मैं अन्यदेशियोंके पास जाऊंगा। और वहांसे जाके वह युस्त नाम ईश्वरके एक उपासकके घरमें आया जिसका घर सभाके घरसे लगा हुआ था। तब सभाके अध्यक्ष क्रीस्पने अपने सारे घराने समेत प्रभुपर बिश्वास किया और करिन्थियोंमेंसे बहुत लोग सुनके बिश्वास करते और बपतिसमा लेते थे। और प्रभुने रातको दर्शनके द्वारा पावलसे कहा मत डर परन्तु बात कर और चुप मत रह। क्योंकि मैं तेरे संग हूं और कोई तुझपर चढ़ाई न करेगा कि तुझे दुःख देवे क्योंकि इस नगरमें मेरे बहुत लोग हैं। सो वह उन्होंमें ईश्वरका बचन सिखाते हुए डेढ़ बरस रहा।

जब गालियो आखाया देशका प्रधान था तब यिहूदी लोग एक चित्त होकर पावलपर चढ़ाई करके उसे बिचार आसनके आगे लाये . और बोले यह तो मनुष्यों-

को व्यवस्थाके बिपरीतरीतिसे ईश्वरकी उपासनाकरने-
को समझाता है । ज्योंही पावल मुंह खोलनेपर था
त्योंही गालियोने यिहूदियोंसे कहा हे यिहूदियो जो
यह कोई कुकर्म्म अथवा बुरी कुचाल होती तो उचित
जानके मैं तुम्हारी सहता । परन्तु जो यह बिबाद
उपदेशके और नामोंके और तुम्हारे यहांकी व्यवस्थाके
विषयमें है तो तुमही जानो क्योंकि मैं इन बातोंका
न्यायी होने नहीं चाहता हूं । और उसने उन्हें बिचार
आसनके आगेसे खदेड़ दिया । तब सारे यूनानियोंने
सभाके अध्यक्ष सोस्थिनीको पकड़के बिचार आसनके साम्ने
मारा और गालियोने इन बातोंकी कुछ चिन्ता न किई ।

पावल और भी बहुत दिन रहा तब भाइयोंसे बिदा
होके जहाजपर सुरिया देशको गया और उसके संग
प्रिस्कीला और अकूला . उसने किंक्रिया नगरमें
अपना सिर मुंड़वाया क्योंकि उसने मन्नत मानी थी ।
और उसने इफिस नगरमें पहुंचके उनको वहां छोड़ा
और आपही सभाके घरमें प्रवेश करके यिहूदियोंसे
बातें किईं । जब उन्होंने उससे बिन्ती किई कि हमारे
संग कुछ दिन और रहिये तब उसने न माना . परन्तु
यह कहके उनसे बिदा हुआ कि आनेवाला पर्ब्ब
यिरूशलीममें करना मुझे बहुत अवश्य है परन्तु
ईश्वर चाहे तो मैं तुम्हारे पास फिर लौट आऊंगा ।
तब उसने इफिससे खोल दिया और कैसरियामें आया
तब (यिरूशलीमको) जाके मंडलीको नमस्कार किया
और अन्तैखियाको गया । फिर कुछ दिन रहके वह

निकला और एक ओरसे गलातिया और फ्रूगिया देशोंमें सब शिष्योंको स्थिर करता हुआ फिरा।

अपल्लो नाम सिकन्दरिया नगरका एक यिहूदी जो सुबक्ता पुरुष और धर्म्मपुस्तकमें सामर्थी था इफिसमें आया। उसने प्रभुके मार्गकी शिक्षा पाई थी और आत्मामें अनुरागी होके प्रभुके विषयमेंकी बातें बड़े यत्नसे सुनाता और सिखाता था परन्तु केवल योहनके बपतिसमाकी बात जानता था। वह सभाके घरमें साहससे बात करने लगा पर अकूला और प्रिस्कीलाने उसकी सुनके उसे लिया और ईश्वरका मार्ग उसको और ठीक करके बताया। और वह आखायाको जाने चाहता था सो भाइयोंने उसे ढाढ़स देके शिष्योंके पास लिखा कि वे उसे ग्रहण करें और उसने पहुंचके अनुग्रहसे जिन्होंने बिश्वास किया था उन्होंकी बड़ी सहायता किई। क्योंकि यीशु जो खीष्ट है यह बात धर्म्मपुस्तकके प्रमाणोंसे बतलाके उसने बड़े यत्नसे लो-गोंके आगे यिहूदियोंको निरुत्तर किया।

१९ उनीसवां पर्ब्ब।

१ इफिस नगरमें बारह शिष्योंको पवित्र आत्माका दिया जाना। ८ पावलका उपदेश और बिबाद करना और अनेक आश्चर्य्य कर्म्मोंका उससे प्रगट होना। १३ स्कोवाके पुत्रोंका बर्णन और टोनेके पुस्तकोंका जलाया जाना। २१ दीमीत्रिय सुनारका पावलपर उपद्रव मचाना।

अपल्लोके करिन्थमें होते हुए पावल ऊपरके सारे देशमें फिरके इफिसमें आया. और कितने शिष्योंको पाके उनसे कहा क्या तुमने बिश्वास करके पवित्र आत्मा पाया. उन्होंने उससे कहा हमने तो सुना भी नहीं

कि पवित्र आत्मा दिया जाता है । तब उसने उनसे कहा तो तुमने किस बातपर बपतिसमा लिया . उन्होंने कहा योहनके बपतिसमापर । पावलने कहा योहनने पश्चात्तापका बपतिसमा देके अपने पीछे आनेवालेही-पर बिश्वास करनेको लोगोंसे कहा अर्थात ख्रीष्ट यीशु-पर । यह सुनके उन्होंने प्रभु यीशुके नामसे बपतिसमा लिया । और जब पावलने उनपर हाथ रखे तब पवित्र आत्मा उनपर आया और वे अनेक बोलियां बोलने और भविष्यद्वाक्य कहने लगे। ये सब मनुष्य बारह एक थे ।

तब पावल सभाके घरमें प्रवेश करके साहससे बात करने लगा और तीन मास ईश्वरके राज्यके विषयमेंकी बातें सुनाता और समझाता रहा। परन्तु जब कितने लोग कठोर हो गये और नहीं मानते थे और लोगोंके आगे इस मार्गकी निन्दा करने लगे तब वह उनके पाससे चला गया और शिष्योंको अलग करके तुरान नाम किसी मनुष्यके विद्यालयमें प्रतिदिन बातें किईं । यह दो बरस होता रहा यहांलों कि आशियाके निवासी यिहूदी और यूनानी भी सभोंने प्रभु यीशुका बचन सुना। और ईश्वरने पावलके हाथोंसे अनोखे आश्चर्य्य कर्म्म किये . यहांलों कि उसके देहपरसे अंगोछे और रूमाल रोगियोंके पास पहुंचाये जाते थे और रोग उनसे जाते रहते थे और दुष्ट भूत उनमेंसे निकल जाते थे ।

तब यिहूदी लोगोंमेंसे जो इधर उधर फिरा करते और भूत निकालनेको किरिया देते थे कितने जन उन्हों-

पर जिनको दुष्ट भूत लगे थे प्रभु यीशुका नाम यह कहके लेने लगे कि यीशु जिसे पावल प्रचार करता है हम उसीकी तुम्हें किरिया देते हैं। स्किवा नाम एक यिहूदीय प्रधान याजकके सात पुत्र थे जो यह करते थे। परन्तु दुष्ट भूतने उत्तर दिया कि यीशुको मैं जानता हूं और पावलको पहचानता हूं पर तुम कौन हो। और वह मनुष्य जिसे दुष्ट भूत लगा था उनपर लपकके और उन्हें बशमें लाके उनपर ऐसा प्रबल हुआ कि वे नंगे और घायल उस घरमेंसे भागे। और यह बात इफिसके निवासी यिहूदी और यूनानी भी सब जान गये और उन सभोंको डर लगा और प्रभु यीशुके नामकी महिमा किई जाती थी। और जिन्होंने बिश्वास किया था उन्हों-मेंसे बहुतोंने आके अपने काम मान लिये और बत-लाये। टोना करनेहारोंमेंसे भी अनेकोंने अपनी पोथियां एकट्ठी करके सभोंके साम्ने जला दिईं और उन्होंका दाम जोड़ा गया तो पचास सहस्र रुपैये ठहरा। यूं पराक्रमसे प्रभुका बचन फैला और प्रबल हुआ।

जब यह बातें हो चुकीं तब पावलने आत्मामें माकिदोनिया और आखायाके बीचसे यिरूशलीम जानेको ठहराया और कहा कि वहां जानेके पीछे मुझे रोमको भी देखना होगा। सो जो उसकी सेवा करते थे उनमेंसे दोको अर्थात तिमोथिय और इरास्तको माकि-दोनियामें भेजके वह आपही आशियामें कुछ दिन रह गया। उस समय इस मार्गके विषयमें बड़ा हुल्लड़ हुआ। क्योंकि दीमीत्रिय नाम एक सुनार अर्त्तिमीके मन्दिरकी

चांदीकी मूरतें बनानेसे कारीगरोंको बहुत काम दिलाता था। उसने उन्होंको और ऐसी ऐसी बस्तुओंके कारीगरों-को एकट्ठे करके कहा हे मनुष्यो तुम जानते हो कि इस कामसे हमोंको सम्पत्ति प्राप्त होती है। और तुम देखते और सुनते हो कि इस पावलने यह कहके कि जो हाथों-से बनाये जाते सो ईश्वर नहीं हैं केवल इफिसके नहीं परन्तु प्राय समस्त आशियाके बहुत लोगोंको समझाके भरमाया है। और हमोंको केवल यह डर नहीं है कि यह उद्यम निन्दित हो जाय परन्तु यह भी कि बड़ी देवी अर्त्तिमीका मन्दिर तुच्छ समझा जाय और उसकी महिमा जिसे समस्त आशिया और जगत पूजता है नष्ट हो जाय। वे यह सुनके और क्रोधसे पूर्ण होके पुकारने लगे इफिसियोंकी अर्त्तिमीकी जय। और सारे नगरमें बड़ी गड़बड़ाहट हुई और लोग गायस और अरिस्तार्ख दो माकिदोनियोंको जो पावलके संगी पथिक थे पकड़के एक चित्त होके रंगशालामें दौड़ गये। जब पावलने लोगोंके पास भीतर जाने चाहा तब शिष्योंने उसको जाने न दिया। आशियाके प्रधानोंमेंसे भी कितनोंने जो उसके मित्र थे उस पास भेजके उससे बिन्ती किई कि रंगशालामें जानेकी जोखिम मत अपनेपर उठाइये। सो कोई कुछ और कोई कुछ पुकारते थे क्योंकि सभा घब-राई हुई थी और अधिक लोग नहीं जानते थे हम किस कारण एकट्ठे हुए हैं। तब भीड़मेंसे कितनोंने सिकन्दर-को जिसे यिहूदियोंने खड़ा किया था आगे बढ़ाया और सिकन्दर हाथसे सैन करके लोगोंके आगे उत्तर दिया

चाहता था। परन्तु जब उन्होंने जाना कि वह यिहूदी है सबके सब एक शब्दसे दो घड़ीके अटकल इफिसियोंकी अर्त्तिमीकी जय पुकारते रहे। तब नगरके लेखकने लोगोंको शांत करके कहा हे इफिसी लोगो कौन मनुष्य है जो नहीं जानता कि इफिसियोंका नगर बड़ी देवी अर्त्तिमीका और जूपितरकी ओरसे गिरी हुई मूर्त्तिका टहलुआ है। सो जब कि इन बातोंका खंडन नहीं हो सकता है उचित है कि तुम शांत होओ और कोई काम उतावलीसे न करो। क्योंकि तुम इन मनुष्योंको लाये हो जो न पवित्र वस्तुओंके चोर न तुम्हारी देवीके निन्दक हैं। सो जो दीमीत्रियको और उसके संगके कारीगरोंको किसीसे बिबाद है तो बिचारके दिन होते हैं और प्रधान लोग हैं वे एक दूसरेपर नालिश करें। परन्तु जो तुम दूसरी बातोंके विषयमें कुछ पूछते हो तो व्यवहारिक सभामें निर्णय किया जायगा। क्योंकि जो आज हुई है उसके हेतुसे हमपर बलवेका दोष लगाये जानेका डर है इसलिये कि कोई कारण नहीं है जिस करके हम इस भीड़का उत्तर दे सकेंगे। और यह कहके उसने सभाको बिदा किया।

२० बीसवां पर्ब्ब।

१ पावलका कई एक देशोंसे होके त्रोआ नगरको जाना। ७ उतुखका मरना और फिरके जिलाया जाना। १३ पावलका मिलीत नगरमें पहुंचना। १७ इफिसकी मंडलीके प्राचीनोंको उपदेश देना। ३६ वहांसे बिदा होना।

जब हुल्लड़ थम गया तब पावल शिष्योंको अपने पास बुलाके और गले लगाके माकिदोनिया जानेको चल निकला। उस सारे देशमें फिरके और बहुत बातोंसे

उन्हें उपदेश देके वह यूनान देशमें आया। और तीन मास रहके जब वह जहाजपर सुरियाको जानेपर था यिहूदी लोग उसकी घातमें लगे इसलिये उसने माकिदोनिया होके लौट जानेको ठहराया। बिरेया नगरका सोपातर और थिसलोनियोंमेंसे अरिस्तार्ख और सिकुन्द और दर्बी नगरका गायस और तिमोथिय और आशिया देशके तुखिक और त्रोफिम आशियालों उसके संग हो लिये। इन्होंने आगे जाके त्रोआमें हमोंकी बाट देखी। और हम लोग अखमीरी रोटीके पर्ब्बके दिनोंके पीछे जहाजपर फिलिपीसे चले और पांच दिनमें त्रोआमें उनके पास पहुंचे जहां हम सात दिन रहे।

अठवारेके पहिले दिन जब शिष्य लोग रोटी तोड़नेको एकट्ठे हुए तब पावलने जो अगले दिन चले जानेपर था उनसे बातें किईं और आधी रातलों बात करता रहा। जिस उपरौठी कोठरीमें वे एकट्ठे हुए थे उसमें बहुत दीपक बरते थे। और उतुख नाम एक जवान खिड़कीपर बैठा हुआ भारी नींदसे झुक रहा था और पावलके बड़ी बेरलों बातें करते करते वह नींदसे झुकके तीसरी अटारीपरसे नीचे गिर पड़ा और मूआ उठाया गया। परन्तु पावल उतरके उसपर औंधे पड़ गया और उसे गोदीमें लेके बोला मत धूम मचाओ क्योंकि उसका प्राण उसमें है। तब ऊपर जाके और रोटी तोड़के और खाके और बड़ी बेरलों भोरतक बातचीत करके वह चला गया। और वे उस जवानको जीते ले आये और बहुत शांति पाई।

तब हम लोग आगेसे जहाजपर चढ़के आसस नगरको गये जहांसे हमें पावलको चढ़ा लेना था क्योंकि उसने यूं ठहराया था इसलिये कि आपही पैदल जानेवाला था। जब वह आससमें हमसे आ मिला तब हम उसे चढ़ाके मितुलीनी नगरमें आये। और वहांसे खोलके हम दूसरे दिन खीयो टापूके साम्हने पहुंचे और अगले दिन सामो टापूमें लगान किया फिर त्रोगुलिया नगरमें रहके दूसरे दिन मिलीत नगरमें आये। क्योंकि पावलने इफिसको एक ओर छोड़के जाना ठहराया इसलिये कि उसको आशियामें अबेर न लगे क्योंकि वह शीघ्र जाता था कि जो उससे बन पड़े तो पेंतिकोष्ट पर्ब्बके दिनलों यिरूशलीममें पहुंचे।

मिलीतसे उसने लोगोंको इफिस नगर भेजके मंडलीके प्राचीनोंको बुलाया। जब वे उस पास आये तब उसने उनसे कहा तुम जानते हो कि पहिले दिनसे जो मैं आशियामें पहुंचा मैं हर समय क्योंकर तुम्हारे बीचमें रहा. कि बड़ी दीनताईसे और बहुत रो रोके और उन परीक्षाओंमें जो मुझपर यिहूदियोंकी कुमंत्रणासे पड़ीं मैं प्रभुकी सेवा करता रहा. और क्योंकर मैंने लाभकी बातोंमेंसे कोई बात न रख छोड़ी जो तुम्हें न बताई और लोगोंके आगे और घर घर तुम्हें न सिखाई. कि यिहूदियों और यूनानियोंको भी मैं साक्षी देके ईश्वरके आगे पश्चात्ताप करनेकी और हमारे प्रभु यीशु खीष्टपर विश्वास करनेकी बात कहता रहा। और अब देखो मैं आत्मासे बंधा हुआ यिरूशलीमको जाता हूं और नहीं

जानता हूं कि वहां मुझपर क्या पड़ेगा. केवल यही जानता हूं कि पवित्र आत्मा नगर नगर साक्षी देता है कि बंधन और क्लेश मेरे लिये धरे हैं। परन्तु मैं किसी बातकी चिन्ता नहीं करता हूं और न अपना प्राण इतना बहुमूल्य जानता हूं जितना आनन्दसे अपनी दौड़को और ईश्वरके अनुग्रहके सुसमाचारपर साक्षी देनेकी सेवकाईको जो मैंने प्रभु यीशुसे पाई है पूरी करना बहुमूल्य है। और अब देखो मैं जानता हूं कि तुम सब जिन्होंमें मैं ईश्वरके राज्यकी कथा सुनाता फिरा हूं मेरा मुंह फिर नहीं देखोगे। इसलिये मैं आजके दिन ईश्वरको साक्षी रखके तुमसे कहता हूं कि मैं सभोंके लोहूसे निर्दोष हूं। क्योंकि मैंने ईश्वरके सारे मतमेंसे कोई बात न रख छोड़ी जो तुम्हें न बताई। सो अपने विषयमें और सारे झुंडके विषयमें जिसके बीचमें पवित्र आत्माने तुम्हें रखवाले ठहराये हैं सचेत रहो कि तुम ईश्वरकी मंडलीकी चरवाही करो जिसे उसने अपने लोहूसे मोल लिया है। क्योंकि मैं यह जानता हूं कि मेरे जानेके पीछे क्रूर हुंड़ार तुम्होंमें प्रवेश करेंगे जो झुंडको न छोड़ेंगे। तुम्हारेही बीचमेंसे भी मनुष्य उठेंगे जो शिष्योंको अपने पीछे खींच लेनेको टेढ़ी बातें कहेंगे। इसलिये मैंने जो तीन बरस रात और दिन रो रोके हर एकको चिताना न छोड़ा यह स्मरण करते हुए जागते रहो। और अब हे भाइयो मैं तुम्हें ईश्वरको और उसके अनुग्रहके बचनको सोंप देता हूं जो तुम्हें सुधारने और सब पवित्र किये हुए लोगोंके बीचमें अधिकार देने सकता है। मैंने किसी

के रूपे अथवा सोने अथवा बस्त्रका लालच नहीं किया। तुम आपही जानते हो कि इन हाथोंने मेरे प्रयोजनकी और मेरे संगियोंकी टहल किई। मैंने सब बातें तुम्हें बताईं कि इस रीतिसे परिश्रम करते हुए दुर्बलोंका उपकार करना और प्रभु यीशुकी बातें स्मरण करना चाहिये कि उसने कहा लेनेसे देना अधिक धन्य है।

यह बातें कहके उसने अपने घुटने टेकके उन सभों-के संग प्रार्थना किई। तब वे सब बहुत रोये और पावलके गलेमें लिपटके उसे चूमने लगे। वे सबसे अधिक उस बातसे शोक करते थे जो उसने कही थी कि तुम मेरा मुंह फिर नहीं देखोगे. तब उन्होंने उसे जहाजलों पहुंचाया।

२१ इकईसवां पर्ब्ब।

१ पावलका सोर नगरमें भाइयोंसे भेंट करना। ७ कैसरिया नगरमें फिलिपसे भेंट करना। १० आगाबका भविष्यद्वाक्य और पावलकी दृढ़ताई। १५ पावल और उसके संगियोंका यिरूशलीममें पहुंचना। १८ भाइयोंका पावलको परामर्श देना। २७ यिहूदियोंका उसको पकड़ना। ३१ रोमी सहस्रपतिका उसे यिहूदियोंके हाथसे छीन लेना। ३७ सहस्रपतिसे पावलकी बातचीत।

जब हमने उनसे अलग होके जहाज खोला तब सीधे सीधे कैास टापूको चले और दूसरे दिन रोद टापूको और वहांसे पातारा नगरपर पहुंचे। और एक जहाज-को जो फैनीकियाको जाता था पाके हमने उसपर चढ़के खोल दिया। जब कुप्रस टापू देखनेमें आया तब हमने उसे बायें हाथ छोड़ा और सुरियाको जाके सोर नगरमें लगान किया क्योंकि जहाजकी बोझाई वहां उतरनेपर थी। और वहांके शिष्योंको पाके हम वहां

सात दिन रहे. उन्होंने आत्माकी शिक्षासे पावलसे कहा यिरूशलीमको न जाइये । जब हम उन दिनों-को पूरे कर चुके तब निकलके चलने लगे और सभोंने स्त्रियों और बालकों समेत हमें नगरके बाहरलों पहुंचाया और हमोंने तीरपर घुटने टेकके प्रार्थना किई । तब एक दूसरेको गले लगाके हम तो जहाजपर चढ़े और वे अपने अपने घर लौटे ।

तब हम सोरसे जलयात्रा पूरी करके तलिमाई नगरमें पहुंचे और भाइयोंको नमस्कार करके उनके संग एक दिन रहे । दूसरे दिन हम जो पावलके संगके थे वहांसे चलके कैसरियामें आये और फिलिप सुसमाचार प्रचारकके घरमें जो सातोंमेंसे एक था प्रवेश करके उसके यहां रहे । इस मनुष्यको चार कुंवारी पुत्रियां थीं जो भविष्यद्वाणी कहा करती थीं ।

जब हम बहुत दिन रह चुके तब आगाब नाम एक भविष्यद्वक्ता यिहूदियासे आया । वह हमारे पास आके और पावलका पटुका लेके और अपने हाथ और पांव बांधके बोला पवित्र आत्मा यह कहता है कि जिस मनुष्यका यह पटुका है उसको यिरूशलीममें यिहूदी लोग यूंहीं बांधेंगे और अन्यदेशियोंके हाथ सोंपेंगे। जब हमने यह बातें सुनीं तब हम लोग और उस स्थानके रहनेहारे भी पावलसे बिन्ती करने लगे कि यिरू-शलीमको न जाइये। परन्तु उसने उत्तर दिया कि तुम क्या करते हो कि रोते और मेरा मन चूर करते हो. मैं तो प्रभु यीशुके नामके लिये यिरूशलीममें

केवल बांधे जानेको नहीं परन्तु मरनेको भी तैयार हूं । जब वह नहीं मानता था तब हम यह कहके चुप हुए कि प्रभुकी इच्छा पूरी होवे ।

इन दिनोंके पीछे हम लोग बांध छांदके यिरूशलीमको जाने लगे । कैसरियाके शिष्योंमेंसे भी कितने हमारे संग हो लिये और मनासोन नाम कुप्रसके एक प्राचीन शिष्यके पास जिसके यहां हम पाहुन होवें हमें पहुंचाया । जब हम यिरूशलीममें पहुंचे तब भाइयोंने हमें आनन्दसे ग्रहण किया ।

दूसरे दिन पावल हमारे संग याकूबके यहां गया और सब प्राचीन लोग आये । तब उसने उनको नमस्कार कर जो जो कर्म्म ईश्वरने उसकी सेवकाईके द्वारासे अन्यदेशियोंमें किये थे उन्हें एक एक करके बर्णन किया । उन्होंने सुनके प्रभुकी स्तुति किई और उससे कहा हे भाई आप देखते हैं कितने सहस्रों यिहूदियोंने बिश्वास किया है और सब व्यवस्थाके लिये धुन लगाये हैं । और उन्होंने आपके विषयमें सुना है कि आप अन्यदेशियोंके बीचमेंके सब यिहूदियोंके तईं मूसाको त्याग करनेको सिखाते हैं और कहते हैं कि अपने बालकोंका खतना मत करो और न व्यवहारोंपर चलो । सो क्या है कि बहुत लोग निश्चय एकट्ठे होंगे क्योंकि वे सुनेंगे कि आप आये हैं । इसलिये यह जो हम आपसे कहते हैं कीजिये . हमारे यहां चार मनुष्य हैं जिन्होंने मन्नत मानी है । उन्हें लेके उनके संग अपनेको शुद्ध कीजिये और उनके लिये खर्चा दीजिये कि वे सिर मुंड़ावें तब सब लोग जानेंगे कि

जो बातें हमने इसके विषयमें सुनी थीं सो कुछ नहीं है परन्तु वह आप भी व्यवस्थाको पालन करते हुए उसके अनुसार चलता है। परन्तु जिन अन्यदेशियोंने बिश्वास किया है हमने उनके विषयमें यही ठहराके लिख भेजा कि वे ऐसी कोई बात न मानें केवल मूरतोंके आगे बलि किये हुएसे और लोहूसे और गला घोंटे हुओंके मांससे और व्यभिचारसे बचे रहें। तब पावलने उन मनुष्योंको लेके दूसरे दिन उनके संग शुद्ध होके मन्दिरमें प्रवेश किया और सन्देश दिया कि शुद्ध होनेके दिन अर्थात उनमेंसे हर एकके लिये चढ़ावा चढ़ाये जानेतकके दिन कब पूरे होंगे।

जब वे सात दिन पूरे होनेपर थे तब आशियाके यिहूदियोंने पावलको मन्दिरमें देखके सब लोगोंको उस्काया और उसपर हाथ डालके पुकारा. हे इस्रायेली लोगो सहायता करो यही वह मनुष्य है जो इन लोगोंके और व्यवस्थाके और इस स्थानके बिरुद्ध सर्व्वत्र सब लोगोंको उपदेश देता है. हां और उसने यूनानियोंको मन्दिरमें लाके इस पवित्र स्थानको अपवित्र भी किया है। उन्होंने तो इसके पहिले त्रोफिम इफिसीको पावलके संग नगरमें देखा था और समझते थे कि वह उसको मन्दिरमें लाया था। तब सारे नगरमें घबराहट हुई और लोग एकट्ठे दौड़े और पावलको पकड़के उसे मन्दिरके बाहर खींच लाये और तुरन्त द्वार मून्दे गये।

जब वे उसे मार डालने चाहते थे तब पलटनके सहस्रपतिको सन्देश पहुंचा कि सारे यिरूशलीममें घबराहट

हुई है। तब वह तुरन्त योद्धाओं और शतपतियोंको लेके उन पास दौड़ा और उन्होंने सहस्रपतिको और योद्धाओंको देखके पावलको मारना छोड़ दिया। तब सहस्रपतिने निकट आके उसे लेके आज्ञा किई कि दो जंजीरोंसे बांधा जाय और पूछने लगा यह कौन है और क्या किया है। परन्तु भीड़में कोई कुछ और कोई कुछ पुकारते थे और जब सहस्रपति हुल्लड़के मारे निश्चय नहीं जान सकता था तब पावलको गढ़में ले जानेकी आज्ञा किई। जब वह सीढ़ीपर पहुंचा ऐसा हुआ कि भीड़की बरियाईके कारण योद्धाओंने उसे उठा लिया। क्योंकि लोगोंकी भीड़ उसे दूर कर पुकारती हुई पीछे आती थी।

जब पावल गढ़के भीतर पहुंचाये जानेपर था तब उसने सहस्रपतिसे कहा जो आपसे कुछ कहनेकी मुझे आज्ञा होय तो कहूं. उसने कहा क्या तू यूनानीय भाषा जानता है। तो क्या तू वह मिसरी नहीं है जो इन दिनोंके आगे बलवा करके कटारबन्ध लोगोंमेंसे चार सहस्र मनुष्योंको जंगलमें ले गया। पावलने कहा मैं तो तारसका एक यिहूदी मनुष्य हूं. किलिकियाके एक प्रसिद्ध नगरका निवासी हूं. और मैं आपसे बिन्ती करता हूं कि मुझे लोगोंसे बात करने दीजिये। जब उसने आज्ञा दिई तब पावलने सीढ़ीपर खड़ा होके लोगोंको हाथसे सैन किया. जब वे बहुत चुप हुए तब उसने इब्रीय भाषामें उनसे बात किई।

२२ बाईसवां पर्व्व ।

१ यिहूदी लोगोंसे पावलकी कथा । २२ सहस्रपतिका उसे कोड़े मारनेकी आज्ञा देना और फिर छोड़ देना । ३० उसका यिहूदियोंकी न्यायसभाके आगे खड़ा किया जाना ।

उसने कहा हे भाइयो और पितरो मेरा उत्तर जो मैं आप लोगोंके आगे अब देता हूं सुनिये । वे यह सुनके कि वह हमसे इब्रीय भाषामें बात करता है और भी चुप हुए। तब उसने कहा मैं तो यिहूदी मनुष्य हूं जो किलिकियाके तारस नगरमें जन्मा पर इस नगरमें पाला गया और गमलियेलके चरणोंके पास पितरोंकी व्यवस्थाकी ठीक रीतिपर सिखाया गया और जैसे आज तुम सब हो ऐसाही ईश्वरके लिये धुन लगाये था। और मैंने इस पन्थके लोगोंको मृत्युलों सताया कि पुरुषों और स्त्रियोंको भी बांध बांधके बन्दीगृहोंमें डालता था। इसमें महायाजक और सब प्राचीन लोग मेरे साक्षी हैं जिनसे मैं भाइयोंके नामपर चिट्ठियां पाके दमेसकको जाता था कि जो वहां थे उन्हें भी ताड़ना पानेको बांधे हुए यिरूशलीममें लाऊं। परन्तु जब मैं जाता था और दमेसकके समीप पहुंचा तब दो पहरके निकट अचांचक बड़ी ज्योति स्वर्गसे मेरी चारों ओर चमकी । और मैं भूमिपर गिरा और एक शब्द सुना जो मुझसे बोला हे शावल हे शावल तू मुझे क्यों सताता है। मैंने उत्तर दिया कि हे प्रभु तू कौन है. उसने मुझसे कहा मैं यीशु नासरी हूं जिसे तू सताता है। जो लोग मेरे संग थे उन्होंने वह ज्योति देखी और डर गये परन्तु जो मुझसे बोलता था

उसकी बात न सुनी। तब मैंने कहा हे प्रभु मैं क्या करूं. प्रभुने मुझसे कहा उठके दमेसकको जा और जो जो काम करनेको तुझे ठहराया गया है सबके विषयमें वहां तुझसे कहा जायगा। जब उस ज्योतिके तेजके मारे मुझे नहीं सूझता था तब मैं अपने संगियोंके हाथ पकड़े हुए दमेसकमें आया। और अननियाह नाम व्यवस्थाके अनुसार एक भक्त मनुष्य जो वहांके रहनेहारे सब यिहूदियोंके यहां सुख्यात था मेरे पास आया. और निकट खड़ा होके मुझसे कहा हे भाई शावल अपनी दृष्टि पा और उसी घड़ी मैंने उसपर दृष्टि किई। तब उसने कहा हमारे पितरोंके ईश्वरने तुझे ठहराया है कि तू उसकी इच्छाको जाने और उस धर्म्मीको देखे और उसके मुंहसे बात सुने। क्योंकि जो बातें तूने देखी और सुनी हैं उनके विषयमें तू सब मनुष्योंके आगे उसका साक्षी होगा। और अब तू क्यों बिलंब करता है. उठके बपतिसमा ले और प्रभुके नामकी प्रार्थना करके अपने पापोंको धो डाल। जब मैं यिरूशलीमको फिर आया ज्योंही मन्दिरमें प्रार्थना करता था त्योंही बेसुध हुआ. और उसको देखा कि मुझसे बोलता था शीघ्रता करके यिरूशलीमसे झट निकल जा क्योंकि वे मेरे विषयमें तेरी साक्षी ग्रहण न करेंगे। मैंने कहा हे प्रभु वे जानते हैं कि तुझपर बिश्वास करनेहारोंको मैं बन्दीगृहमें डालता और हर एक सभामें मारता था। और जब तेरे साक्षी स्तिफानका लोहू बहाया जाता था तब मैं भी आप निकट खड़ा था और उसके मारे जानेमें

सम्मति देता था और उसके घातकोंके कपड़ोंकी रखवाली करता था। तब उसने मुझसे कहा चला जा क्योंकि मैं तुझे अन्यदेशियोंके पास दूर भेजूंगा।

लोगोंने इस बातलों उसकी सुनी तब ऊंचे शब्दसे पुकारा कि ऐसे मनुष्यको पृथिवीपरसे दूर कर कि उसका जीता रहना उचित न था। जब वे चिल्लाते और कपड़े फेंकते और आकाशमें धूल उड़ाते थे, तब सहस्रपतिने उसको गढ़में ले जानेकी आज्ञा किई और कहा उसे कोड़े मारके जांचो कि मैं जानूं लोग किस कारणसे उसके बिरुद्ध ऐसा पुकारते हैं। जब वे पावलको चमड़ेके बंधोंसे बांधते थे तब उसने शतपतिसे जो खड़ा था कहा क्या मनुष्यको जो रोमी है और दंडके योग्य नहीं ठहराया गया है कोड़े मारना तुम्हें उचित है। शतपतिने यह सुनके सहस्रपतिके पास जाके कह दिया कि देखिये आप क्या किया चाहते हैं यह मनुष्य तो रोमी है। तब सहस्रपतिने उस पास आके उससे कहा मुझसे कह क्या तू रोमी है. उसने कहा हां। सहस्रपतिने उत्तर दिया कि मैंने यह रोमनिवासीकी पदवी बहुत रुपैयोंपर मोल लिई. पावलने कहा परन्तु मैं ऐसाही जन्मा। तब जो लोग उसे जांचनेपर थे सो तुरन्त उसके पाससे हट गये और सहस्रपति भी यह जानके कि रोमी है और मैंने उसे बांधा है डर गया।

और दूसरे दिन वह निश्चय जानने चाहता था कि उसपर यिहूदियोंसे क्यों दोष लगाया जाता है इसलिये उसको बंधनोंसे खोल दिया और प्रधान याजकोंको

और न्याइयोंकी सारी सभाको आनेकी आज्ञा दिई और पावलको लाके उनके आगे खड़ा किया।

२३ तेईसवां पर्ब्ब।

१ पावलकी कथा और सभाका बिभिन्न होना। १२ चालीस जनोंका उसे मार डालनेका नियम बांधना। १६ पावलके भांजेका सहस्रपतिको उस बातका संदेश देना। २२ पावलका फीलिक्स अध्यक्षके पास भेजा जाना। २५ सहस्रपतिका पत्र। ३१ पावलका फीलिक्सके पास पहुंचना।

पावलने न्याइयोंकी सभाकी ओर ताकके कहा हे भाइयो मैं इस दिनलों सर्ब्बथा ईश्वरके आगे शुद्ध मनसे चला हूं। परन्तु अननियाह महायाजकने उन लोगोंको जो उसके निकट खड़े थे उसके मुंहमें मारनेकी आज्ञा दिई। तब पावलने उससे कहा हे चूना फेरी हुई भीत्ति ईश्वर तुझे मारेगा. क्या तू मुझे व्यवस्थाके अनुसार बिचार करनेको बैठा है और व्यवस्थाको लंघन करता हुआ मुझे मारनेकी आज्ञा देता। जो लोग निकट खड़े थे सो बोले क्या तू ईश्वरके महायाजककी निन्दा करता है। पावलने कहा हे भाइयो मैं नहीं जानता था कि यह महायाजक है. क्योंकि लिखा है अपने लोगोंके प्रधानको बुरा मत कह। तब पावलने यह जानके कि एक भाग सदूकी और एक भाग फरीशी हैं सभामें पुकारा हे भाइयो मैं फरीशी और फरीशीका पुत्र हूं मृतकोंकी आशा और जी उठनेके विषयमें मेरा बिचार किया जाता है। जब उसने यह बात कही तब फरीशियों और सदूकियों-में बिवाद हुआ और सभा बिभिन्न हुई। क्योंकि सदूकी कहते हैं कि न मृतकोंका जी उठना न दूत न आत्मा है परन्तु फरीशी दोनोंको मानते हैं। तब बड़ी धूम मची

और जो अध्यापक फरीशियोंके भागके थे सो उठके लड़ते हुए कहने लगे कि हम लोग इस मनुष्यमें कुछ बुराई नहीं पाते हैं परन्तु यदि कोई आत्मा अथवा दूत उससे बोला है तो हम ईश्वरसे न लड़ें। जब बहुत बिबाद हुआ तब सहस्रपतिको शंका हुई कि पावल उनसे फाड़ न डाला जाय इसलिये पलटनको आज्ञा दिई कि जाके उसको उनके बीचमेंसे छीनके गढ़में लाओ।

उस रात प्रभुने उसके निकट खड़े हो कहा हे पावल ढाढ़स कर क्योंकि जैसा तूने यिरूशलीममें मेरे विषयमें-की साक्षी दिई है तैसाही तुझे रोममें भी साक्षी देना होगा।

बिहान हुए कितने यिहूदियोंने एका करके प्रण बांधा कि जबलों हम पावलको मार न डालें तबलों जो खायें अथवा पीयें तो हमें धिक्कार है। जिन्होंने आपसमें यह किरिया खाई थी सो चालीस जनोंसे अधिक थे। वे प्रधान याजकों और प्राचीनोंके पास आके बोले हमने यह प्रण बांधा है कि जबलों हम पावलको मार न डालें तबलों यदि कुछ चीखें भी तो हमें धिक्कार है। इसलिये अब आप लोग न्याइयोंकी सभा समेत सहस्र-पतिको समझाइये कि हम पावलके विषयमेंकी बातें और ठीक करके निर्णय करेंगे सो आप उसे कल हमारे पास लाइये. परन्तु उसके पहुंचनेके पहिलेही हम लोग उसे मार डालनेको तैयार हैं।

परन्तु पावलके भांजेने उनका घातमें लगना सुना और आके गढ़में प्रवेश कर पावलको सन्देश दिया। पावलने शतपतियोंमेंसे एकको अपने पास बुलाके कहा

इस जवानको सहस्रपतिके पास ले जाइये क्योंकि उसको उससे कुछ कहना है। सो उसने उसे ले सहस्रपतिके पास लाके कहा पावल बन्धुवेने मुझे अपने पास बुलाके बिन्ती किई कि इस जवानको सहस्रपतिसे कुछ कहना है उसे उस पास ले जाइये। सहस्रपतिने उसका हाथ पकड़के और एकांतमें जाके पूछा तुझको जो मुझसे कहना है सो क्या है। उसने कहा यिहूदियोंने आपसे यही बिन्ती करनेको आपसमें ठहराया है कि हम पावलके विषयमें कुछ बात और ठीक करके पूछेंगे सो आप उसे कल न्याइयोंकी सभामें लाइये। परन्तु आप उनकी न मानिये क्योंकि उनमेंसे चालीससे अधिक मनुष्य उसकी घातमें लगे हैं जिन्होंने यह प्रण बांधा है कि जबलों हम पावलको मार न डालें तबलों जो खायें अथवा पीयें तो हमें धिक्कार है और अब वे तैयार हैं और आपकी प्रतिज्ञाकी आस देख रहे हैं।

सो सहस्रपतिने यह आज्ञा देके कि किसीसे मत कह कि मैंने यह बातें सहस्रपतिको बताई हैं जवानको बिदा किया। और शतपतियोंमेंसे दोको अपने पास बुलाके उसने कहा दो सौ योद्धाओं और सत्तर घुड़चढ़ों और दो सौ भालैतोंको पहर रात बीते कैसरियाको जानेके लिये तैयार करो। और बाहन तैयार करो कि वे पावल-को बैठाके फीलिक्स अध्यक्षके पास बचाके ले जावें।

उसने इस प्रकारकी चिट्ठी भी लिखी। क्लौदिय लुसिय महामहिमन अध्यक्ष फीलिक्सको नमस्कार। इस मनु-ष्यको जो यिहूदियोंसे पकड़ा गया था और उनसे मार

डाले जानेपर था मैंने यह सुनके कि वह रोमी है पलटनके संग जा पहुंचके छुड़ाया । और मैं जानने चाहता था कि वे उसपर किस कारणसे दोष लगाते हैं इसलिये उसे उनकी न्याइयोंकी सभामें लाया । तब मैंने यह पाया कि उनकी ब्यवस्थाके बिबादोंके विषयमें उसपर दोष लगाया जाता है परन्तु बध किये जाने अथवा बांधे जानेके योग्य कोई दोष उसमें नहीं है । जब मुझे बताया गया कि यिहूदी लोग इस मनुष्यकी घातमें लगेंगे तब मैंने तुरन्त उसको आपके पास भेजा और दोषदायकोंको भी आज्ञा दिई कि उसके बिरुद्ध जो बात होय उसे आपके आगे कहें . आगे शुभ ।

योद्धा लोग जैसे उन्हें आज्ञा दिई गई थी तैसे पावलको लेके रातहीको अन्तिपात्री नगरमें लाये । दूसरे दिन वे गढ़को लौटे और घुड़चढ़ोंको उसके संग जाने दिया । उन्होंने कैसरियामें पहुंचके और अध्यक्षको चिट्ठी देके पावलको भी उसके आगे खड़ा किया । अध्यक्षने पढ़के पूछा यह कौन प्रदेशका है और जब जाना कि किलिकियाका है . तब कहा जब तेरे दोषदायक भी आवें तब मैं तेरी सुनूंगा . और उसने उसे हेरोदके राजभवनमें पहरेमें रखनेकी आज्ञा किई ।

२४ चौबीसवां पर्ब्ब ।

१ फीलिक्सके आगे यिहूदियोंका पावलपर नालिश करना । १० पावलका उत्तर । २२ उसके विषयमें फीलिक्सकी आज्ञा । २४ उसका फीलिक्स और उसकी पत्नीसे धर्म्मकी बात कहना ।

पांच दिनके पीछे अननियाह महायाजक प्राचीनोंके और तर्त्तुल नाम किसी सुबक्ताके संग आया और उन्होंने

अध्यक्षके आगे पावलपर नालिश किई। जब पावल बुलाया गया तब तर्त्तूल यह कहके उसपर दोष लगाने लगा कि हे महामहिमन फीलिक्स आपके द्वारा हमारा बहुत कल्याण जो होता है और आपकी प्रवीणतासे इस देशके लोगोंके लिये कितने काम जो सुफल होते हैं. इसको हम लोग सर्ब्बथा और सर्ब्बत्र बहुत धन्य मानके ग्रहण करते हैं। परन्तु जिस्तें मेरी ओरसे आपको अधिक बिलंब न होय मैं बिन्ती करता हूं कि आप अपनी सुशीलतासे हमारी संक्षेप कथा सुन लीजिये। क्योंकि हमने यही पाया है कि यह मनुष्य एक मरीके ऐसा है और जगतके सारे यिहूदियोंमें बलवा करानेहारा और नासरियोंके कुपन्थका प्रधान। उसने मन्दिरको भी अपवित्र करनेकी चेष्टा किई और हमने उसे पकड़के अपनी व्यवस्थाके अनुसार बिचार करने चाहा। परन्तु लुसिय सहस्रपतिने आके बड़ी बरियाईसे उसको हमारे हाथोंसे छीन लिया और उसके दोषदायकोंको आपके पास आनेकी आज्ञा दिई। उसीसे आप पूछके इन सब बातोंके विषयमें जिनसे हम उसपर दोष लगाते हैं आपही जान सकेंगे। यिहूदियोंने भी उसके संग लगके कहा यह बातें यूंहीं हैं।

तब पावलने जब अध्यक्षने बोलनेका सैन उससे किया तब उत्तर दिया कि मैं यह जानके कि आप बहुत बरसोंसे इस देशके लोगोंके न्यायी हैं औरही साहससे अपने विषयमेंकी बातोंका उत्तर देता हूं। क्योंकि आप जान सकते हैं कि जबसे मैं यिरूशलीममें

भजन करनेको आया मुझे बारह दिनसे अधिक नहीं हुए । और उन्होंने मुझे न मन्दिरमें न सभाके घरोंमें न नगरमें किसीसे बिबाद करते हुए अथवा लोगोंकी भीड़ लगाते हुए पाया । और न वे उन बातोंको जिनके विषयमें वे अब मुझपर दोष लगाते हैं ठहरा सकते हैं । परन्तु यह मैं आपके आगे मान लेता हूं कि जिस मार्गको वे कुपन्थ कहते हैं उसीकी रीतिपर मैं अपने पितरोंके ईश्वरकी सेवा करता हूं और जो बातें व्यवस्थामें औ भविष्यद्वक्ताओंके पुस्तकमें लिखी हैं उन सभोंका बिश्वास करता हूं. और ईश्वरसे आशा रखता हूं जिसे ये भी आप रखते हैं कि धर्म्मी और अधर्म्मी भी सब मृतकोंका जी उठना होगा । इससे मैं आप भी साधना करता हूं कि ईश्वरकी और मनुष्यों-की ओर मेरा मन सदा निर्दोष रहे । बहुत बरसोंके पीछे मैं अपने लोगोंको दान देनेको और चढ़ावा चढ़ानेको आया । इसमें इन्होंने नहीं पर आशियाके कितने यिहूदियोंने मुझे मन्दिरमें शुद्ध किये हुए न भीड़के संग और न धूमधामकेसंग पाया । उनको उचित था कि जो मेरे बिरुद्ध उनकी कोई बात होय तो यहां आपके आगे होते और मुझपर दोष लगाते । अथवा येही लोग आपही कहें कि जब मैं न्याइयोंकी सभाके आगे खड़ा था तब उन्होंने मुझमें कौनसा कुकर्म्म पाया . केवल इसी एक बातके विषयमें जो मैंने उनके बीचमें खड़ा होके पुकारा कि मृतकोंके जी उठनेके विषयमें मेरा बिचार आज तुमसे किया जाता है ।

यह बातें सुनके फीलिक्सने जो इस मार्गकी बातें बहुत ठीक करके बूझता था उन्हें यह कहके टाल दिया कि जब लुसिय सहस्रपति आवे तब मैं तुम्हारे विषयमें- की बातें निर्णय करूंगा। और उसने शतपतिको आज्ञा दिई कि पावलकी रक्षा कर पर उसको अवकाश दे और उसके मित्रोंमेंसे किसीको उसकी सेवा करनेमें अथवा उस पास आनेमें मत रोक।

कितने दिनोंके पीछे फीलिक्स अपनी स्त्री द्रुसिल्लाके संग जो यिहूदिनी थी आया और पावलको बुलवाके ख्रीष्टपर बिश्वास करनेके विषयमें उसकी सुनी। और जब वह धर्म्म और संयमके और आनेवाले बिचारके विषयमें बातें करता था तब फीलिक्सने भयमान होके उत्तर दिया कि अब तो जा और अवसर पाके मैं तुझे बुलाऊंगा। वह यह आशा भी रखता था कि पावल मुझे रुपैये देगा कि मैं उसे छोड़ देऊं इसलिये और भी बहुत बार उसको बुलवाके उससे बातचीत करता था। परन्तु जब दो बरस पूरे हुए तब पर्कियं फीष्टने फीलिक्सका काम पाया और फीलिक्स यिहूदियोंका मन रखनेकी इच्छा कर पावलको बंधा हुआ छोड़ गया।

२५ पचीसवां पर्ब्ब।

१ फीष्टका पावलके दोषदायकोंको कैसरियामें बुलाना। ६ पावलका फीष्टके आगे बिचार होना और कैसरकी दोहाई देना। १३ फीष्टका पावलकी बात आग्रिपासे कहना। २३ बिचार स्थानमें फीष्टकी कथा।

फीष्ट उस प्रदेशमें पहुंचके तीन दिनके पीछे कैसरिया- से यिरूशलीमको गया। तब महायाजकने और यिहू- दियोंके बड़े लोगोंने उसके आगे पावलपर नालिश किई.

और उससे बिन्ती कर उसके बिरुद्ध यह अनुग्रह चाहा कि वह उसे यिरूशलीममें मंगवाय क्योंकि वे उसे मार्गमें मार डालनेको घात लगाये हुए थे। फीष्टने उत्तर दिया कि पावल कैसरियामें पहरेमें रहता है और मैं आप वहां शीघ्र जाऊंगा । फिर बोला तुममेंसे जो सामर्थी लोग हैं सो मेरे संग चलें और जो इस मनुष्यमें कुछ दोष होय तो उसपर दोष लगावें ।

और उनके बीचमें दस एक दिन रहके वह कैसरिया-को गया और दूसरे दिन बिचार आसनपर बैठके पावलको लानेकी आज्ञा किई । जब पावल आया तब जो यिहूदी लोग यिरूशलीमसे आये थे उन्होंने आसपास खड़े होके उसपर बहुत बहुत और भारी भारी दोष लगाये जिनका प्रमाण वे नहीं दे सकते थे। परन्तु उसने उत्तर दिया कि मैंने न यिहूदियोंकी ब्यवस्थाके न मन्दिरके न कैसरके बिरुद्ध कुछ अपराध किया है। तब फीष्टने यिहूदियोंका मन रखनेकी इच्छा कर पा-वलको उत्तर दिया क्या तू यिरूशलीमको जाके वहां मेरे आगे इन बातोंके विषयमें बिचार किया जायगा। पावलने कहा मैं कैसरके बिचार आसनके आगे खड़ा हूं जहां उचित है कि मेरा बिचार किया जाय. यिहू-दियोंका जैसा आप भी अच्छी रीतिसे जानते हैं मैंने कुछ अपराध नहीं किया है। क्योंकि जो मैं अपराधी हूं और बधके योग्य कुछ किया है तो मैं मृत्युसे छुड़ाया जाना नहीं मांगता हूं परन्तु जिन बातोंसे ये मुझपर दोष लगाते हैं यदि उनमेंसे कोई बात नहीं ठहरती है

तो कोई मुझे उन्होंके हाथ नहीं सोंप सकता है . मैं कैसरकी दोहाई देता हूं। तब फीष्टने मंत्रियोंकी सभाके संग बात करके उत्तर दिया क्या तूने कैसरकी दोहाई दिई है . तू कैसरके पास जायगा।

जब कितने दिन बीत गये तब अग्रिपा राजा और बर्णीकी फीष्टको नमस्कार करनेको कैसरियामें आये। और उनके बहुत दिन वहां रहते रहते फीष्टने पावलकी कथा राजाको सुनाई कि एक मनुष्य है जिसे फीलिक्स बंधमें छोड़ गया है। उसपर जब मैं यिरूशलीममें था तब प्रधान याजकोंने और यिहूदियोंके प्राचीनोंने नालिश किई और चाहा कि दंडकी आज्ञा उसपर दिई जाय। परन्तु मैंने उनको उत्तर दिया रोमियोंकी यह रीति नहीं है कि जबलों वह जिसपर दोष लगाया जाता है अपने दोषदायकोंके आम्ने साम्ने न हो और दोषके विषयमें उत्तर देनेका अवकाश न पाय तबलों किसी मनुष्यको नाश किये जानेके लिये सोंप देवें। सो जब वे यहां एकट्ठे हुए तबमैंने कुछ बिलंब न करके अगले दिन बिचार आसनपर बैठके उस मनुष्यको लानेकी आज्ञा किई। दोषदायकोंने उसके आसपास खड़े होके जैसे दोष मैं समझता था वैसा कोई दोष नहीं लगाया। परन्तु अपनी पूजाके विषयमें और किसी मरे हुए यीशुके विषयमें जिसे पावल कहता था कि जीता है वे उससे कितने बिबाद करते थे। मुझे इस विषयके बिबादमें सन्देह था इसलिये मैंने कहा क्या तू यिरूशलीमको जाके वहां इन बातोंके विषयमें बिचार किया जायगा। परन्तु जब पावलने दोहाई दे

कहा मुझे अगस्त महाराजासे बिचार किये जानेको रखिये तब मैंने आज्ञा दिई कि जबलों मैं उसे कैसरके पास न भेजूं तबलों उसकी रक्षा किई जाय। तब अग्रिपाने फीष्टसे कहा मैं आप भी उस मनुष्यकी सुननेसे प्रसन्न होता. उसने कहा आप कल उसकी सुनेंगे ।

सो दूसरे दिन जब अग्रिपा और बर्णीकीने बड़ी धूमधामसे आके सहस्रपतियों और नगरके श्रेष्ठ मनुष्योंके संग समाज स्थानमें प्रवेश किया और फीष्टने आज्ञा किई तब वे पावलको ले आये। और फीष्टने कहा हे राजा अग्रिपा और हे सब मनुष्यो जो यहां हमारे संग हो आप लोग इसको देखते हैं जिसके विषयमें सारे यिहूदियोंने यिरूशलीममें और यहां भी मुझसे बिन्ती करके पुकारा है कि इसका और जीता रहना उचित नहीं है। परन्तु यह जानके कि उसने बधके योग्य कुछ नहीं किया है जब कि उसने आप अगस्त महाराजाकी दोहाई दिई मैंने उसे भेजनेको ठहराया। परन्तु मैंने उसके विषयमें कोई निश्चयकी बात नहीं पाई है जो मैं महाराजाके पास लिखूं इसलिये मैं उसे आप लोगोंके साम्ने और निज करके हे राजा अग्रिपा आपके साम्ने लाया हूं कि बिचार किये जानेके पीछे मुझे कुछ लिखनेको मिले। क्योंकि बन्धुवेको भेजनेमें दोष जो उसपर लगाये गये हैं नहीं बताना मुझे असंगत देख पड़ता है।

२६ छबीसवां पर्ब्ब ।

१ अग्रिपाके आगे पावलका उत्तर देना । २४ फीष्ट और अग्रिपासे पावलकी बातचीत । ३० उसका निर्दोष ठहराया जाना ।

अग्रिपाने पावलसे कहा तुझे अपने विषयमें बोलनेकी आज्ञा दिई जाती है. तब पावल हाथ बढ़ाके उत्तर देने लगा. कि हे राजा अग्रिपा जिन बातोंसे यिहूदी लोग मुझपर दोष लगाते हैं उन सब बातोंके विषयमें मैं अपनेको धन्य समझता हूं कि आज आपके आगे उत्तर देऊंगा. निज करके इसी लिये कि आप यिहूदियोंके बीचके सब व्यवहारों और बिबादोंको बूझते हैं. सो मैं आपसे बिन्ती करता हूं धीरज करके मेरी सुन लीजिये। लड़कपनसे मेरी जैसी चाल चलन आरंभसे यिरूशलीममें मेरे लोगोंके बीचमें थी सो सब यिहूदी लोग जानते हैं। वे जो साक्षी देने चाहते तो आदिसे मुझे पहचानते हैं कि हमारे धर्म्मके सबसे खरे पन्थके अनुसार मैं फरीशीकी चाल चला। और अब जो प्रतिज्ञा ईश्वरने पितरोंसे किई मैं उसीकी आशाके विषयमें बिचार किये जानेको खड़ा हूं. जिसे हमारे बारहों कुल रात दिन यत्नसे सेवा करते हुए पानेकी आशा रखते हैं. इसी आशाके विषयमें हे राजा अग्रिपा यिहूदी लोग मुझपर दोष लगाते हैं।

आप लोगोंके यहां यह क्यों बिश्वासके अयोग्य जाना जाता है कि ईश्वर मृतकोंको जिलाता। मैंने तो अपनेमें समझा कि यीशु नासरीके नामके बिरुद्ध बहुत कुछ करना उचित है। और मैंने यिरूशलीममें १ वही किया भी और प्रधान याजकोंसे अधिकार पाके पवित्र लोगोंमेंसे बहुतोंको बन्दीगृहोंमें मूंद रखा और जब वे घात किये जाते थे तब मैंने अपनी सम्मति दिई। और समस्त सभाके घरोंमें मैं बार बार उन्हें १

ताड़ना देके यीशुकी निन्दा करवाता था और उनपर अत्यन्त क्रोधसे उन्मत्त होके बाहरके नगरोंतक भी सताता था। इस बीचमें जब मैं प्रधान याजकोंसे अधिकार और आज्ञा लेके दमेसकको जाता था. तब हे राजा मार्गमें दो पहर दिनको मैंने स्वर्गसे सूर्य्यके तेजसे अधिक एक ज्योति अपनी और अपने संग जानेहारोंकी चारों ओर चमकती हुई देखी। और जब हम सब भूमिपर गिर पड़े तब मैंने एक शब्द सुना जो मुझसे बोला और इब्रीय भाषामें कहा हे शावल हे शावल तू मुझे क्यों सताता है. पैनोंपर लात मारना तेरे लिये कठिन है। तब मैंने कहा हे प्रभु तू कौन है. उसने कहा मैं यीशु हूं जिसे तू सताता है। परन्तु उठके अपने पांवोंपर खड़ा हो क्योंकि मैंने तुझे इसीलिये दर्शन दिया है कि उन बातोंका जो तूने देखी हैं और जिनमें मैं तुझे दर्शन देऊंगा तुझे सेवक और साक्षी ठहराऊं। और मैं तुझे तेरे लोगोंसे और अन्यदेशियोंसे बचाऊंगा जिनके पास मैं अब तुझे भेजता हूं. कि तू उनकी आंखें खोले इसलिये कि वे अंधियारेसे उजियालेकी ओर और शैतानके अधिकारसे ईश्वरकी ओर फिरें जिस्तें पाप-मोचन और उन लोगोंमें जो मुझपर बिश्वास करनेसे पवित्र किये गये हैं अधिकार पावें।

सो हे राजा अग्रिपा मैंने उस स्वर्गीय दर्शनकी बात न टाली. परन्तु पहिले दमेसक और यिरूशलीम-के निवासियोंको तब यिहूदियाके सारे देशमें और

अन्यदेशियोंको पश्चात्ताप करनेका और ईश्वरकी ओर फिरनेका और पश्चात्तापके योग्य काम करनेका उपदेश दिया। इन बातोंके कारण यिहूदी लोग मुझे मन्दिरमें पकड़के मार डालनेकी चेष्टा करते थे। सो ईश्वरसे सहायता पाके मैं छोटे और बड़ेको साक्षी देता हुआ आजलों ठहरा हूं और उन बातोंको छोड़ कुछ नहीं कहता हूं जो भविष्यद्वक्ताओंने और मूसाने भी कहा कि होनेवाली हैं. अर्थात खीष्टको दुःख भोगना होगा और वही मृतकोंमेंसे पहिले उठके हमारे लोगोंको और अन्यदेशियोंको ज्योतिकी कथा सुनावेगा।

जब वह यह उत्तर देता था तब फीष्टने बड़े शब्दसे कहा हे पावल तू बौड़हा है बहुत विद्या तुझे बौड़हा करती है। पर उसने कहा हे महामहिमन फीष्ट मैं बौड़हा नहीं हूं परन्तु सच्चाई और बुद्धिकी बातें कहता हूं। इन बातोंको राजा बूझता है जिसके आगे मैं खोलके बोलता हूं क्योंकि मैं निश्चय जानता हूं कि इन बातोंमेंसे कोई बात उससे छिपी नहीं है कि यह तो कोनेमें नहीं किया गया है। हे राजा अग्रिपा क्या आप भविष्यद्वक्ताओंका बिश्वास करते हैं. मैं जानता हूं कि आप बिश्वास करते हैं। तब अग्रिपाने पावलसे कहा तू थोड़ेमें मुझे खीष्टियान होनेको मनाता है। पावलने कहा ईश्वरसे मेरी प्रार्थना यह है कि क्या थोड़ेमें क्या बहुतमें केवल आप नहीं परन्तु सब लोग भी जो आज मेरी सुनते हैं इन बन्धनोंको छोड़के ऐसे हो जायें जैसा मैं हूं।

जब उसने यह कहा तब राजा और अध्यक्ष और बर्णीकी और उनके संग बैठनेहारे उठे . और अलग जाके आपसमें बोले यह मनुष्य बध किये जाने अथवा बांधे जानेके योग्य कुछ नहीं करता है। तब अग्रिपाने फीष्टसे कहा जो यह मनुष्य कैसरकी दोहाई न दिये होता तो छोड़ा जा सकता ।

२७ सताईसवां पर्ब्ब ।

१ पावलका जहाजपर चढ़ाया जाना और रोम नगरकी ओर जाना । ९ पावलका परामर्श और लोगोंका उसे न मानना । १३ बड़ी आंधीका उठना । २१ पावलका लोगोंको समझाना और मल्लाहोंका समाचार । ३९ जहाजका टूटना और लोगोंका बच निकलना ।

जब यह ठहराया गया कि हम जहाजपर इतलियाको जायें तब उन्होंने पावलको और कितने और बन्धुवोंको भी यूलिय नाम अगस्तकी पलटनके एक शतपतिके हाथ सोंप दिया। और आद्रामुतिया नगरके एक जहाजपर जो आशियाके तीरपरके स्थानोंको जाता था चढ़के हमने खोल दिया और अरिस्तार्ख नाम थिसलोनिकाका एक माकिदोनी हमारे संग था। दूसरे दिन हमने सीदोनमें लगान किया और यूलियने पावलके साथ प्रेमसे व्यवहार करके उसे मित्रोंके पास जाने और पाहुन होने दिया। वहांसे खोलके बयारके सन्मुख होनेके कारण हम कुप्रसके नीचेसे होके चले . और किलिकिया और पंफुलियाके निकटके समुद्रमें होके लुकिया देशके मुरा नगर पहुंचे। वहां शतपतिने सिकन्दरियाके एक जहाजको जो इतलियाको जाता था पाके हमें उसपर चढ़ाया। बहुत दिनोंमें हम धीरे धीरे चलके और बयार

जो हमें चलने न देती थी इसलिये कठिनतासे कनीदके सान्ने पहुंचके सलमोनीके आम्ने साम्ने क्रीतीके नीचे चले. और कठिनतासे उसके पाससे होते हुए शुभलंगरबारी नाम एक स्थानमें पहुंचे जहांसे लासेया नगर निकट था।

जब बहुत दिन बीत गये थे और जलयात्रामें जोखिम होती थी क्योंकि उपवास पर्ब्ब भी अब बीत चुका था तब पावलने उन्हें समझाके कहा. हे मनुष्यो मुझे सूझ पड़ता है कि इस जलयात्रामें हानि और बहुत टूटी केवल बोझाई और जहाजकी नहीं परन्तु हमारे प्राणोंकी भी हुआ चाहती है। परन्तु शतपतिने पावलकी बातोंसे अधिक मांझीकी और जहाजके स्वामीकी मान लिई। और वह लंगरबारी जाड़ेका समय काटनेको अच्छी न थी इसलिये बहुतेरोंने परामर्श दिया कि वहांसे भी खोलके जो किसी रीतिसे हो सके तो फैनीकी नाम क्रीती-की एक लंगरबारीमें जो दक्षिण पश्चिम और उत्तर पश्चिमकी ओर खुलती है जा रहें और वहां जाड़ेका समय काटें।

जब दक्षिणकी बयार मन्द मन्द बहने लगी तब उन्होंने यह समझके कि हमारा अभिप्राय सुफल हुआ है लंगर उठाया और तीर धरे धरे क्रीतीके पाससे जाने लगे। परन्तु थोड़ी बेरमें क्रीतीपरसे अति प्रचण्ड एक बयार उठी जो उरकलूदन कहावती है। यह जब जहाज-पर लगी और वह बयारके साम्ने ठहर न सका तब हमने उसे जाने दिया और उड़ाये हुए चले गये। तब क्लौदा नाम एक छोटे टापूके नीचेसे जाके हम कठिन-

तासे डिंगीको धर सके । उसे उठाके उन्होंने अनेक उपाय करके जहाजको नीचेसे बांधा और सुर्त्ती नाम चड़पर टिक जानेके भयसे मस्तूल गिराके यूंहीं उड़ाये जाते थे। तब निपट बड़ी आंधी हमपर चलती थी इसलिये उन्होंने दूसरे दिन कुछ बोझाई फेंक दिई । और तीसरे दिन हमने अपने हाथोंसे जहाजकी सामग्री फेंक दिई । और जब बहुत दिनोंतक न सूर्य्य न तारे दिखाई दिये और बड़ी आंधी चलती रही अन्तमें हमारे बचनेकी सारी आशा जाती रही ।

जब वे बहुत उपवास कर चुके तब पावलने उनके बीचमें खड़ा होके कहा हे मनुष्यो उचित था कि तुम मेरी बात मानते और क्रीतीसे न खोलते न यह हानि और टूटी उठाते । पर अब मैं तुमसे बिन्ती करता हूं कि ढाढ़स बांधो क्योंकि तुम्होंमेंसे किसीके प्राणका नाश न होगा केवल जहाजका । क्योंकि ईश्वर जिसका मैं हूं और जिसकी सेवा करता हूं उसका एक दूत इसी रात मेरे निकट खड़ा हुआ . और कहा हे पावल मत डर तुझे कैसरके आगे खड़ा होना अवश्य है और देख ईश्वरने सभोंको जो तेरे संग जलयात्रा करते हैं तुझे दिया है। इसलिये हे मनुष्यो ढाढ़स बांधो क्योंकि मैं ईश्वरका बिश्वास करता हूं कि जिस रीतिसे मुझे कहा गया है उसी रीतिसे होगा। परन्तु हमें किसी टापूपर पड़ना होगा।

जब चौदहवीं रात पहुंची ज्योंही हम आद्रिया समुद्रमें इधर उधर उड़ाये जाते थे त्योंही आधी रातके निकट

मल्लाहोंने जाना कि हम किसी देशके समीप पहुंचते हैं। और थाह लेके उन्होंने बीस पुरसे पाये और थोड़ा आगे बढ़के फिर थाह लेके पन्द्रह पुरसे पाये। तब पत्थरैले स्थानोंपर टिक जानेके डरसे उन्होंने जहाजकी पिछाड़ीसे चार लंगर डाले और भोरका होना मनाते रहे। परन्तु जब मल्लाह लोग जहाजपरसे भागने चाहते थे और गलहीसे लंगर डालनेके बहानासे डिंगी समुद्रमें उतार दिई. तब पावलने शतपतिसे और योद्धाओंसे कहा जो ये लोग जहाजपर न रहें तो तुम नहीं बच सकते हो। तब योद्धाओंने डिंगीके रस्से काटके उसे गिरा दिया।

जब भोर होनेपर थी तब पावलने यह कहके सभोंसे भोजन करनेकी बिन्ती किई कि आज चौदह दिन हुए कि तुम लोग आस देखते हुए उपवासी रहते हो और कुछ भोजन न किया है। इसलिये मैं तुमसे बिन्ती करता हूं कि भोजन करो जिससे तुम्हारा बचाव होगा क्योंकि तुममेंसे किसीके सिरसे एक बाल न गिरेगा। और यह बातें कहके औ रोटी लेके उसने सभोंके साम्ने ईश्वरका धन्य माना और तोड़के खाने लगा। तब उन सभोंने भी ढाढ़स बांधके भोजन किया। हम सब जो जहाजपर थे दो सौ छिहत्तर जन थे। भोजनसे तृप्त होके उन्होंने गेहूंको समुद्रमें फेंकके जहाजको हलका किया।

जब बिहान हुआ तब वे उस देशको नहीं चीन्हते थे परन्तु किसी खालको देखा जिसका चौरस तीर था

और बिचार किया कि जो हो सके तो इसीपर जहाज-को टिकावें। तब उन्होंने लंगरोंको काटके समुद्रमें छोड़ दिया और उसी समय पतवारोंके बंधन खोल दिये और बयारके सन्मुख पाल चढ़ाके तीरकी ओर चले। परन्तु दो समुद्रोंके संगमके स्थानमें पड़के उन्होंने जहाजको टिकाया और गलही तो गड़ गई और हिल न सकी परन्तु पिछाड़ी लहरोंकी बरियाईसे टूट गई। तब योद्धाओंका यह परामर्श था कि बन्धुवोंको मार डालें ऐसा न हो कि कोई पैरके निकल भागे। परन्तु शतपतिने पावलको बचानेकी इच्छासे उन्हें उस मतसे रोका और जो पैर सकते थे उन्हें आज्ञा दिई कि पहिले कूदके तीरपर निकल चलें. और दूसरोंको कि कोई पटरोंपर और कोई जहाजमेंकी बस्तुओंपर निकल जायें. इस रीतिसे सब कोई तीरपर बच निकले।

२८ अठाईसवां पर्ब्ब ।

१ मलिता टापूके लोगोंका शिष्टाचार । ३ पावलका सांपके काटनेसे कुछ दुःख न पाना । ७ पबलियके पिताको और दूसरोंको चंगा करना । ११ रोम नगरकी ओर जाना और मार्गमें भाइयोंसे भेंट करना । १६ रोममें यिहूदियोंसे बात करना और सुसमाचार सुनाना ।

जब वे बच गये तब जाना कि यह टापू मलिता कहावता है। और उन जंगली लोगोंने हमोंसे अनोखा प्रेम किया क्योंकि मेंहके कारण जो पड़ता था और जाड़ेके कारण उन्होंने आग सुलगाके हम सभोंको ग्रहण किया।

जब पावलने बहुतसी लकड़ी बटोरके आगपर रखी तब एक सांपने आंचसे निकलके उसका हाथ धर

लिया। और जब उन जंगलियोंने सांपको उसके हाथमें लटकते हुए देखा तब आपसमें कहा निश्चय यह मनुष्य हत्यारा है जिसे यद्यपि समुद्रसे बच गया तौभी दंडदायकने जीते रहने नहीं दिया है। तब उसने सांपको आगमें झटक दिया और कुछ दुःख न पाया। पर वे बाट देखते थे कि वह सूज जायगा अथवा अचांचक मरके गिर पड़ेगा परन्तु जब वे बड़ी बेरलों बाट देखते रहे और देखा कि उसका कुछ नहीं बिगड़ता है तब औरही बिचार कर कहा यह तो देवता है।

उस स्थानके आसपास पबलिय नाम उस टापूके प्रधानकी भूमि थी. उसने हमें ग्रहण करके तीन दिन प्रीतिभावसे पहुनई किई। पबलियका पिता ज्वरसे और आंवलोहूसे रोगी पड़ा था सो पावलने उस पास घरमें प्रवेश करके प्रार्थना किई और उसपर हाथ रखके उसे चंगा किया। जब यह हुआ था तब दूसरे लोग भी जो उस टापूमें रोगी थे आके चंगे किये गये। और उन्होंने हम लोगोंका बहुत आदर किया और जब हम खोलनेपर थे तब जो कुछ आवश्यक था सो दे दिया।

तीन मासके पीछे हम लोग सिकन्दरियाके एक जहाजपर जिसने उस टापूमें जाड़ेका समय काटा था जिसका चिन्ह दियस्कूरे था चल निकले। सुराकूस नगरमें लगान करके हम तीन दिन रहे। वहांसे हम घूमके रीगिया नगर पहुंचे और एक दिनके पीछे दक्षिणकी बयार जो उठी तो दूसरे दिन पुतियली नगरमें आये। वहां भाइयोंको पाके हम उनके यहां सात

दिन रहनेको बुलाये गये और इस रीतिसे रोमको चले। वहांसे भाई लोग हमारा समाचार सुनके अप्पियचौक और तीन सरायलों हमसे मिलनेको निकल आये जिन्हें देखके पावलने ईश्वरका धन्य मानके ढाढ़स बांधा ।

जब हम रोममें पहुंचे तब शतपतिने बन्धुवोंको सेनापतिके हाथ सोंप दिया परन्तु पावलको एक योद्धाके संग जो उसकी रक्षा करता था अकेला रहनेकी आज्ञा हुई । तीन दिनके पीछे पावलने यिहूदियोंके बड़े बड़े लोगोंको एकट्ठे बुलाया और जब वे एकट्ठे हुए तब उनसे कहा हे भाइयो मैंने हमारे लोगोंके अथवा पितरोंके व्यवहारोंके बिरुद्ध कुछ नहीं किया था तौभी बन्धुआ होके यिरूशलीमसे रोमियोंके हाथमें सोंपा गया । उन्होंने मुझे जांचके छोड़ देने चाहा क्योंकि मुझमें बधके योग्य कोई दोष न था । परन्तु जब यिहूदी लोग इसके बिरुद्ध बोलने लगे तब मुझे कैसरकी दोहाई देना अवश्य हुआ पर यह नहीं कि मुझे अपने लोगोंपर कोई दोष लगाना है । इस कारणसे मैंने आप लोगोंको बुलाया कि आप लोगोंको देखके बात करूं क्योंकि इस्रायेलकी आशाके लिये मैं इस जंजीरसे बन्धा हुआ हूं। तब वे उससे बोले न हमोंने आपके विषयमें यिहूदियासे चिट्ठियां पाईं न भाइयोंमेंसे किसीने आके आपके विषयमें बुरा कुछ बताया अथवा कहा। परन्तु आपका मत क्या है सो हम आपसे सुना चाहते हैं क्योंकि इस पन्थके विषयमें हम जानते हैं कि

सर्ब्बत्र उसके बिरुद्धमें बातें किई जाती हैं। सो उन्हों-ने उसको एक दिन ठहराया और बहुत लोग बासेपर उस पास आये जिनसे वह ईश्वरके राज्यकी साक्षी देता हुआ और यीशुके विषयमेंकी बातें उन्हें मूसाकी व्यवस्थासे और भविष्यद्वक्ताओंके पुस्तकसे भी समझाता हुआ भोरसे सांझलों चर्चा करता रहा। तब कित-नोंने उन बातोंको मान लिया और कितनोंने प्रतीति न किई। सो वे आपसमें एक मत न होके जब पावलने उनसे एक बात कही थी तब बिदा हुए कि पवित्र आत्माने हमारे पितरोंसे यिशैयाह भविष्यद्वक्ता-के द्वारासे अच्छा कहा. कि इन लोगोंके पास जाके कह तुम सुनते हुए सुनोगे परन्तु नहीं बूझोगे और देखते हुए देखोगे पर तुम्हें न सूझेगा। क्योंकि इन लोगोंका मन मोटा हो गया है और वे कानोंसे ऊंचा सुनते हैं और अपने नेत्र मून्द लिये हैं ऐसा न हो कि वे कभी नेत्रोंसे देखें और कानोंसे सुनें और मनसे समझें और फिर जावें और मैं उन्हें चंगा करूं। सो तुम जानो कि ईश्वरके त्राणकी कथा अन्यदेशियोंके पास भेजी गई है और वे सुनेंगे। जब वह यह बातें कह चुका तब यिहूदी लोग आपसमें बहुत बिबाद करते हुए चले गये।

और पावलने दो बरस भर अपने भाड़ेके घरमें रहके सभोंको जो उस पास आते थे ग्रहण किया. और बिना रोक टोक बड़े साहससे ईश्वरके राज्यकी कथा सुनाता और प्रभु यीशु खीष्टके विषयमेंकी बातें सिखाता रहा॥